खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 29°C
न्यूनतम : 23°C

देहरादून, गुरुवार 21 अगस्त 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 13 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2082 | 26 सफर 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

देश को पुलिस स्टेट बनाने की साजिश :ओवैसी पेज 2

वनडे बैटर्स रैंकिंग से रोहित-कोहली गायब खेल टाइम्स

जननायक राहुल गांधी का एक और दांव सम्पादकीय

हमारे कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं: रूस पेज 12

अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण, रेंज 5000 किमी

शाह टाइम्स ब्यूरो

चीन और पाकिस्तान तक मार करने की क्षमता, भारत की पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल

नई दिल्ली। भारत ने अपनी पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण कर लिया है। ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में बुधवार को इसकी टेस्टिंग हुई।

यह मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) टेक्नोलॉजी से लैस है। यानी इसे एक साथ कई टारगेट्स पर लॉन्च किया जा सकता है। इसका पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में हुआ था। अग्नि-5 की रेंज 5000 किमी है। ऐसे में यह मिसाइल पाकिस्तान, चीन, तुर्की जैसे कई देशों तक मार करने की क्षमता रखती है। मिसाइल 7500 किलोग्राम के बंकर बस्टर वारहेड ले जाने और जमीन में 100 मीटर की गहराई तक जाकर दुश्मनों के न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कंट्रोल सेंटर, हथियार स्टोरेज को तबाह कर सकेगी। डिफेंस मिनिस्ट्री ने बुधवार को अग्नि-5 के सफल परीक्षण की जानकारी दी। अग्नि-5 भारत की पहली और एकमात्र इंटर कान्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बनाया है। ये भारत के पास मौजूद लंबी दूरी की मिसाइलों में से एक है।

भारतीय वायुसेना को मिलेंगे 97 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार नें भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के लिए 97 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट खरीदने के लिए 62 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि एक हाई लेवल मीटिंग में फाइटर जेट की खरीद को अंतिम मंजूरी दे दी गई।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह सीएम आवास में जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ।

दिल्ली सीएम ऑफिस ने बयान में कहा कि बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पर हमला किया। उसे दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ की जा रही है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आरोपी ने सीएम का हाथ पकड़कर खींचा। वे मेज के कोने से टकराईं। सिर पर चोट आई है। मीडिया में चल रही थप्पड़ वाली बात गलत है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी पर अटेम्प्ट टू मर्डर (हत्या की कोशिश) का केस दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी को बुधवार को ही कोर्ट में पेश भी किया गया। आरोपी का नाम राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया (41) है। वह गुजरात के राजकोट का रहने वाला है।

NCERT ने ऑपरेशन सिंदूर पर स्पेशल मॉड्यूल किया जारी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर एनसीईआरटी (नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग) ने दो स्पेशल मॉड्यूल जारी किए हैं। इन्हें क्लास 3 से 12 तक के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री मटेरियल के तौर पर शामिल किया गया है। मॉड्यूल में बताया गया है कि पाकिस्तान भले ही पहलगाम आतंकी हमले में किसी भी तरह से शामिल होने से इन्कार करता है, लेकिन यह हमला पाकिस्तान की सैन्य और राजनीतिक लीडरशिप के सीधे आदेश पर हुआ था। ये मॉड्यूल स्कूली बच्चों के बीच भारत की सैन्य शक्ति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से बनाए गए हैं। क्लास 3 से 8 के लिए मॉड्यूल का टाइटल ऑपरेशन सिंदूर-वीरता की गाथा और 9 से 12 तक के लिए मॉड्यूल का टाइटल ऑपरेशन सिंदूर- सम्मान और बहादुरी का मिशन है। एनसीईआरटी के स्पेशल मॉड्यूल रेगुलर कोर्स का हिस्सा नहीं होते। इसे कोई खास टापिक बच्चों को समझाने के लिए सप्लीमेंट्री मटेरियल के तौर पर तैयार किया जाता है।

नया विधेयक: 30 दिन हिरासत में रहे, तो माननीय खो देंगे पद

सरकार लाई बिल, मंजूरी के लिए जेपीसी को भेजा गया

शाह टाइम्स ब्यूरो

विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की, सदन में गृह मंत्री के ऊपर कागज के गोले फेंके

नई दिल्ली। लोकसभा ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री की गंभीर अपराध में गिरफ्तारी और 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रखे जाने पर उन्हें पद से हटाने के प्रावधान वाले संविधान संशोधन विधेयक तथा दो अन्य विधेयकों को विपक्ष के भारी विरोध और हंगामे के बीच संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया।

क्षुब्ध विपक्षी सदस्यों ने सदन में गृह मंत्री के ऊपर कागज के गोले भी फेंके। गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के भारी विरोध के बीच संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, 2025 तथा जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 संसद में पेश किया। विपक्षी दलों ने इन विधेयकों को विपक्षी दलों की सरकारों को लक्ष्य कर बनाया गया विधेयक करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग की। विधेयक में प्रावधान है कि पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले गंभीर अपराधों में अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी अन्य मंत्री को 30 दिन की हिरासत में रखा जाता है, तो इसके अगले दिन ही उसे पदमुक्त समझा जाएगा। हिरासत से छूटने के बाद ऐसे व्यक्ति को फिर से पद दिया जा सकता है। श्री शाह ने विधेयक को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव किया जिसे ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया गया।

टीम इंडिया की स्पॉन्सर ड्रीम-11 हो सकती है बैन

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ऑनलाइन खेल संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विधेयक को लेकर कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी हाल के कुछ वर्षों में तेजी से फैल रही है। इससे शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में सीखने के अनेक आसान उपाय एवं साधन उपलब्ध हुए हैं और लोगों के सीखने की गति तेज हुई है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक ई-स्पोर्ट और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहित करता है।

अब्बास अंसारी की विधायकी होगी बहाल

हाईकोर्ट ने दो साल की सजा पर रोक लगाई

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज में बुधवार को मुख्तार अंसारी के बेटे पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है।

हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी की याचिका को मंजूर कर लिया और उनको एमपी- एमएलए स्पेशल कोर्ट मऊ से मिली दो साल की सजा रद्द कर दी है। बता दें कि अब्बास अंसारी ने सजा रद्द करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस समीर जैन ने अब्बास अंसारी की 2 साल की सजा को रद्द कर दिया है। अब अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल हो जाएगी।

मोदी की स्नातक डिग्री विवाद मामले में फैसला टला

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पीएम मोदी की स्नातक डिग्री विवाद से संबंधित मामले में बुधवार को अपना फैसला टाल दिया। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद 27 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रखा लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि डीयू को अदालत को रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है। हाईकोर्ट ने डीयू की याचिका पर सुनवाई के बाद 23 जनवरी, 2017 को सीआईसी के आदेश पर रोक लगा दी थी। सीआईसी ने 21 दिसम्बर, 2016 को आवेदक नीरज को उन सभी विद्यार्थियों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से 1978 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

राज्यपाल-सरकार रिश्ते पर सुप्रीम नजर

शाह टाइम्स ब्यूरो

अदालत ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा- संविधान निर्माताओं का सपना, हकीकत से कितना दूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या आजादी के बाद से देश संविधान निर्माताओं की उस उम्मीद पर खरा उतरा है, जिसमें राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच सामंजस्य और आपसी परामर्श की व्यवस्था की कल्पना की गई थी।

यह टिप्पणी पांच जजों की संविधान पीठ ने की, जिसकी अध्यक्षता चीफ जस्टिस बीआर गवई कर रहे हैं। इस पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंद्रचूड़कर भी शामिल हैं। वहीं सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार की ओर से पेश होकर कहा कि संविधान सभा में राज्यपाल की नियुक्ति और उनकी शक्तियों को लेकर गहन बहस हुई थी। अक्सर आलोचना होती है कि राज्यपाल का पद राजनीतिक शरण लेने वालों का ठिकाना है, लेकिन असल में यह पद संवैधानिक जिम्मेदारियों और कुछ निश्चित शक्तियों से जुड़ा हुआ है। पीठ राष्ट्रपति के उस राष्ट्रपति संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या सुप्रीम कोर्ट राज्यपाल और राष्ट्रपति को यह निर्देश दे सकता है कि वे राज्य विधानसभाओं से पास हुए बिलों पर तय समय सीमा के भीतर फैसला लें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अटॉर्नी जनरल से यह पूछा था कि आखिर क्यों कई राज्यों के विधानसभा से पास हुए बिल साल 2020 से ही राज्यपालों के पास लंबित पड़े हुए हैं। यह चिंता का विषय है, लेकिन अदालत संवैधानिक दायरे में रहकर ही अपनी राय देगी।

संक्षिप्त समाचार

राजीव गांधी की 81वीं जयंती, संसद में श्रद्धांजलि दी गई

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की बुधवार को 81वीं जयंती थी। इस मौके पर संसद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई सांसद शामिल हुए। इधर, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दिल्ली के वीर भूमि पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस पूर्व पीएम के जन्मदिवस को दिवस के रूप में मना रही है। राहुल गांधी ने एक्स पर पापा राजीव गांधी की फोटो शेयर कर लिखा कि एक ऐसा भारत जहां हर नागरिक को सम्मान मिले, जहां सद्भावना हो, लोकतंत्र और संविधान से देश मजबूती से खड़ा हो। पापा, आपके देखे इस सपने को पूरा करना ही मेरा जीवन लक्ष्य है। पीएम मोदी ने कहा कि आज उनकी जयंती पर, पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को मेरी श्रद्धांजलि।

मुंबई में लगातार तीसरे दिन स्कूल-कॉलेज दफ्तर बंद

नई दिल्ली। मुंबई में तेज बारिश का बुधवार को तीसरा दिन था। 24 घंटे में यहां 300 एमएम बारिश हुई। मुंबई में लगातार तीसरे दिन स्कूल-कॉलेज, गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद रहे। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा है। मंगलवार शाम मुंबई में एक मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू किया गया। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इसमें मौजूद 582 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से करीब 40-50 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किया गया।

अधर्म के खिलाफ जारी रहेगा युद्धः अखिलेश यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा-भाजपा वोट चोर है, चुनाव आयोग-जिलाधिकारी इनके साथी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने वोटी चोरी के मामले में भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव में नाम काटने को लेकर हमने जो 18000 शपथपत्र दिए थे, भाजपा सरकार उनमें से एक का भी जवाब सही तरीके से देना नहीं चाहती है। यहां तक की चुनाव आयोग ने भी कह दिया कि उन्हें कोई शपथपत्र नहीं मिला।

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की बात को यूपी के 3 जिलाधिकारियों ने झूठा करार दे दिया है। उन्होंने 18000 शपथपत्र मिलने की बात स्वीकारी है। जिस तरह कासगंज, बाराबंकी, जौनपुर के डीएम हमारे 18000 शपथपत्रों के बारे में अचानक अति सक्रिय हो गए हैं, उसने एक बात तो साबित कर दी है कि जो चुनाव आयोग कह रहा था कि एफिडेविट की बात गलत है' एफिडेविट नहीं मिले, उनकी वो बात झूठी निकली। अब सतही जवाब देकर खानापूर्ति करने वाले इन जिला. धिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिएख कोर्ट संज्ञान ले, चुनाव आयोग या डीएम में से कोई एक तो गलत है ही न? जो सीसीटीवी पर पकड़े गए हों उनके द्वारा अपने घपलों पर दी गई सफाई पर किसी को भी रत्ती भर विश्वास नहीं है। ऐसे भ्रष्ट लोग न तो अपने ईमान के सगे होते हैं, न परिवार, न समाज के, तो फिर भला अपने साझेदारों के कैसे होंगे।

ये बेईमान लोग देश और देशवासियों से ताउम्र दगा करते हैं और अंततः पकड़े जाने पर अपमान से भरी जिंदगी जीने की सजा काटते हैं। भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत वो 'चुनावी तीन तिगाड़ा' है, जिसने सारा काम बिगाड़ा है, देश के लो. कतंत्र पर डाका डाला है। अब जनता इस 'त्रिगुट' की अदालत लगाएगी। जिलाधिकारी को आगे करके चुनाव आयोग बच नहीं सकता। इस मामले की गहन जांच-पड़ताल हो। डीएम साहब दिखाएं कि नाम काटते समय जो 'मृतक प्रमाणपत्र' लगाए गए थे वो कहां हैं, अगर ये झूठ नहीं है तो ये सफाई देने में इतने साल क्यों लग गए? अखिलेश ने कहा कि किसानों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। सरकार किसानों को खाद तक नहीं दे पा रही है। अयोध्या में किसान खाद के लिए घंटों लाइनों में खड़े हैं, ये लोग किसानों की आय दोगुनी करने की बात करते थे, लेकिन आज किसान लागत भी नहीं निकाल पा रहे। आलू किसान बुरी तरह से परेशान हैं।

राहुल गांधी के साथ यूपी चुनाव लड़ने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि यह धर्मयुद्ध है और इसमें साथ आना पड़ेगा। चुनाव आयोग पर बोलते हुए उन्होंने भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया कि भाजपा वोट चोर है। ये लोग वोटों को त्रिकोण बनाकर चोरी करते हैं, जिसमें चुनाव आयोग और अधिकारी तक शामिल हो जाते हैं, लेकिन, 2027 का चुनाव हम कार्यकर्ताओं के सहयोग से लड़ेंगे और वोट चोरी नहीं करने देंगे।

देश को पुलिस स्टेट बनाने की साजिश

पीएम-सीएम व मंत्रियों को हटाने वाले विधेयक पर बोले ओवैसी

नई दिल्ली, वार्ता

■ इससे कार्यकारी एजेंसियों को खुली छूट मिल जाएगी कि वे मामूली आरोपों और शक के आधार पर ही जज व जल्लाद दोनों बन जाएं

लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन अहम विधेयक पेश किए, जिन पर संसद के अंदर तीखी बहस और हंगामा देखने को मिला।

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इन तीनों विधेयकों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिल संविधान में निहित शक्ति-विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है और जनता के जरिए चुनी हुई सरकारों के अधिकार को कमजोर करता है। ओवैसी ने कहा कि इससे कार्यकारी एजेंसियों को खुली छूट मिल जाएगी कि वे मामूली आरोपों और शक के आधार पर ही जज और जल्लाद दोनों बन जाएं। ओवैसी ने संसद में कहा कि यह सरकार किसी भी कीमत पर देश को 'पुलिस स्टेट' में बदलने पर तुली हुई है। उनके अनुसार यह कदम चुनी हुई सरकारों पर सीधा हमला है और लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाला है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इन विधेयकों को लागू किया गया, तो यह भारत के लोकतंत्र पर 'डेथ नेल' (अंतिम वॉर) साबित होगा। ओवैसी ने इसे संविधान के साथ छेड़छाड़ कर जनता की आवाज दबाने की को. शिश बताया। ओवैसी के बयान के बाद विपक्षी दलों ने भी सरकार पर निशाना साधा। उनका आरोप है कि भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण और कार्यपालिका को असीमित ताकत देने का काम कर रही है। विपक्ष का कहना है कि इससे न्यायपालिका की भूमिका कमजोर होगी और लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा। इन विधेयकों को लेकर संसद के बाहर भी राजनीतिक टकराव तेज हो गया है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा बड़ी बहस का कारण बनेगा।

राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया

नई दिल्ली, वार्ता

■ राजग के 160 सदस्य नामांकन के समय उपस्थित रहे

उप राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री उप राष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के प्रस्तावक बने।

इस अवसर पर उनके साथ मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता तथा जनता दल यूनाइटेड से ललन सिंह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के अलावा और भी कई केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे। श्री राधाकृष्णन का नामांकन चार सेटों में दाखिल हुआ है। जिनमें से प्रत्येक पर 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर हैं। पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के हस्ताक्षर हैं, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ राजग नेताओं के हस्ताक्षर हैं, जो गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है। उप राष्ट्रपति उम्मीदवार राधाकृष्णन के इस ऐतिहासिक मौके पर संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित राजग के लगभग 160 सदस्य उपस्थित रहे।

दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप में 10 अन्य को भी नोटिस

यूपी के तीन जिलों के कृषि अधिकारी सस्पेंड

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ खाद की कमी पर सवाल उठाए जाने पर मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा अखिलेश को बोलने का कोई हक नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि पदीय दायित्वों का निर्वहन में लाप. रवाही बरतने के आरोप में तीन जिलों के जिला कृषि अधिका. रियों को निलंबित करने के साथ ही दस अन्य लोगों को नोटिस जारी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि नोटिस उन लोगों को जारी की जा रही है, जिनके पास खेत कम है और उन्होंने खाद ज्यादा उठा ली है। यहां कृषि भवन में बुधवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि जिन जिला कृषि अधिकारियों को निलंबित किया गया है। उनमें मंजीत कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी बलरामपुर प्रकाश चंद्र विश्वकर्मा और अशोक प्रसाद मिश्र जिला कृषि अधिकारी श्रावस्ती शामिल है। प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में खाद की कालाबाजारी को लेकर रिपोर्ट मंगाई जा रही है। जांच के बाद उन पर कार्रवाई की जाएगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा खाद की कमी पर सवाल उठाए जाने को लेकर कृषि मंत्री ने कहा कि अखिलेश को बोलने का कोई हक नही है। उनके समय मे खरीफ सीजन में केवल 91.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसलों की बुवाई हुई थी, जबकि किसानों को समय से उन्नत बीज खाद पानी सिंचाई संसाधनों में निरंतर वृद्धि के परिणाम स्वरुप वर्ष 2023 24 में खरीफ के फसलों का आच्छादन बढ़कर 101-आई 8 हेक्टेयर हो गया है। 2024 में यह क्षेत्रफल 105.93 लाख हेक्टेयर हो गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार बनते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 36000 किसानों की ऋण माफी की थी। कृषि मंत्री ने बताया कि महाराजगंज में जून माह के दौरान 186 लोग ऐसे पाए गए हैं। जिन्होंने एक मीट्रिक टन से लेकर 2.375 मीट्रिक टन तक यूरिया का क्रय किया गया है। इन लोगों के द्वारा चार बार से लेकर 13 बार तक खाद का क्रय किया गया है। जांच के दौरान यदि कालाबाजारी पाई जाती है तो उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

राज्य कर विभाग ने बीमा कंपनियों को जारी किया नोटिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह विभाग के राजस्व वृद्धि को बढ़ाने की कवायद के तहत रियल एस्टेट और खनन जैसे क्षेत्रों की तर्ज पर बीमा कंपनियों पर अपना ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। राज्य कर विभाग ने उत्तर प्रदेश में राज्य जीएसटी के तहत पंजीकृत सभी बीमा कंपनियों को नोटिस जारी कर लगभग 40 प्रश्नों के उत्तर मांगे हैं, ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि क्या वे प्रीमियम पर ग्राहकों से वसूला गया पूरा जीएसटी जमा कर रही हैं अथवा नहीं। पहली बार, विभाग ने अपने मुख्यालय में एक संयुक्त आयुक्त के अधीन सेंटर भी स्थापित किया है ताकि यह जांच की जा सके कि क्या बीमा कंपनियां कर-संबंधी शिकायतों में लिप्त हैं या किसी प्रकार की अनियमितता में लिप्त हैं जिससे राज्य के खजाने को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

सेंसेक्स 81857.84
निफ्टी 25000

सोना रु. 98803
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 111225
प्रति किलो

आईटी, एफएमसीजी में लिवाली से गुलजार हुआ शेयर बाजार

मुंबई, वार्ता

आईटी, एफएमसीजी और रियलिटी क्षेत्रों की कंपनियों में लिवाली से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (सूचकांक) का निफ्टी-50 सूचकांक करीब चार सप्ताह बाद 25,000 अंक के पार बंद हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 213.45 अंक (0.26) प्रतिशत की तेजी के साथ 81,857.84 अंक पर पहुंच गया। आईटी सेक्टर में लिवाली से इंफोसिस और टीसीएस के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। नेशलन स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक कारोबार की समाप्ति पर 69.90 अंक यानी 0.28 फीसदी की बढ़त में 25,050.55 अंक पर रहा। यह गत 24 जुलाई के बाद पहली बार 25 हजार अंक के पार बंद हुआ है। दोनों प्रमुख सूचकांकों में सुबह मामूली उतार-चढ़ाव था, लेकिन बाद में उनका ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ता गया। मजबूत निवेश धारणा के कारण संसेक्स और निफ्टी-50 लगातार पांचवें दिन मजबूती के साथ बंद हुए हैं। आईटी कंपनियों में निवेशकों ने जमकर लिवाली की और निफ्टी आईटी 2. 69 प्रतिशत चढ़ गया। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियलिटी में भी एक प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। बैंकिंग, वित्तीय सेवा, फार्मा और स्वास्थ्य क्षेत्र के सूचकांक लाल निशान में रहे। संसेक्स 27.08 अंक की तेजी के साथ 81,671.47 अंक पर खुला। खुलने के तुरंत बाद यह 81,494.50 अंक तक उतर गया। इसका दिवस का उच्चतम स्तर 81,985.62 अंक रहा। निफ्टी-50 सूचकांक 14.85 अंक की गिरावट में 24,965.80 अंक पर खुला। यह नीचे 24,929.70 अंक और ऊपर 25,088.70 अंक तक गया। ज्यादा शेयरों पर आधारित निफ्टी-100 सूचकांक भी 0.30 अंक की बढ़त में रहा। मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली से निफ्टी मिडकैप-50 में 0.57 फीसदी और स्मॉलकैप-100 में 0.46 फीसदी की तेजी रही।

सोने और चांदी के भाव में रही गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में बुधवार को भारी गिरावट देखी गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 365 रुपए गिरकर 98,803 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। चांदी की कीमत भी 2,400 रुपए कम होकर 1,11,225 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,13,625 रुपए पर थी। देश के महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,003,00 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,950 रुपये रही, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800थी। कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800 रही, वहीं चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800 रही, जबकि भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,200 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,850 रही। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,641 रुपए बढ़कर 98,803 रुपए पर पहुंच गया है। चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 25,208 रुपए बढ़कर 1,11,225 रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

गेहूं महंगा, चावल हुआ सस्ता, दालों व खाद्य तेलों में रही तेजी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव टूट गए, जबकि गेहूं में तेजी देखी गयी। चीनी के भाव में लगभग टिकाव रहा, जबकि दालें और खाद्य तेल महंगे हो गए। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा 24 रिंगिट फिसलकर 4,497 रिंगिट प्रति टन बोला गया।

अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51.51 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 14 रुपए फिसलकर 3,819.41 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं चार रुपए प्रति क्विंटल बढ़कर 2,841.09 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। वहीं, आटा 3,293.57 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। सरसों तेल औसतन

करीब 72 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया। मूंगफली तेल 54 रुपए फिसल गया, जबकि वनस्पति में 65 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। पाम ऑयल आठ रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल में 44 रुपए की तेजी रही। सोया तेल भी 57 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। दाल-दलहनों में मसूर दाल औसतन दो रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गयी। तुअर दाल और मूंग दाल के दाम लगभग स्थिर रहे। चना दाल तीन रुपए और उड़द दाल 12 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गई। गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ की औसत कीमत करीब चार रुपए बढ़ गयी। चीनी की कीमतों में कमोबेश टिकाव रहा।

भारतीय प्रबंधन संस्थान विधेयक राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली। राज्यसभा ने असम के गुवाहाटी में भारतीय प्रबंधन संस्थान खोलने से संबंधित भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2025 बुधवार को विपक्ष के बहिर्गमन के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ ही विधेयक पर संसद की मुहर लग गई है। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

विपक्षी सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराए जाने की मांग नहीं माने जाने पर जोरदार हंगामा किया और सदन से बहिर्गमन किया। विपक्ष के हंगामे के कारण दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन उप सभापति भुवनेश्वर कलिता ने अपराह्न दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से भारतीय प्रबंधन संस्थान संशोधन विधेयक चर्चा और पारित करने के लिए कहा। प्रधान के बोलने के लिए खड़े होते ही विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग शुरू कर दी। विपक्षी सदस्य आसन के निकट आकर नारेबाजी करने लगे। इस पर कलिता ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी बात रखने की अनुमति दी। खड़गे ने मतदाता सूची के मुद्दे को उठाने की कोशिश की, लेकिन आसन ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। आसन ने कहा कि आप इस विधेयक के अलावा और किसी विषय पर बात नहीं रख सकते। विपक्ष के सदस्य इसके विरोध में नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। इसके बाद सदन ने संक्षिप्त चर्चा और शिक्षा मंत्री द्वारा उसका जवाब दिए जाने के बाद विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विपक्ष के सदस्यों ने विधेयक के कुछ प्रावधानों पर संशोधन के प्रस्ताव दिए थे, लेकिन सदस्यों के सदन से अनुपस्थित रहने के कारण इन्हें सदन में नहीं रखा जा सका। विधेयक में गुवाहाटी में भारतीय प्रबंधन संस्थान की स्थापना का प्रावधान है। संस्थान के पहले निदेशक मंडल के गठन तक इसका कामकाज केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति संभालेंगे। इस संस्थान पर 5500 करोड़ रूपए की लागत आएगी। विधेयक में भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम 2017 में संशोधन के साथ-साथ भारतीय प्रबंधन संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित करने और उनके कामकाज को विनियमित करने के प्रावधान किए गए हैं।

हंगामें की भेंट चढ़ा विधानसभा का मॉनसून सत्र

चार दिवसीय सत्र डेढ़ दिन में खत्म

शाह टाइम्स संवाददाता

गैरसैंण। उत्तराखंड की ग्रीष्मकाल.ीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में 19 अगस्त से शुरू हुआ विधानसभा का मॉनसून सत्र दूसरे दिन 20 अगस्त को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। विधानसभा मॉनसून सत्र का दूसरा दिन भी पहले दिन की तरह की हंगामेदार रहा, विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा रहा, इसी बीच सरकार की ओर से 9 विधेयक और 5,315.89 करोड़ का अनुपूरक बजट पास कराया गया।

पहले दिन सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद से जारी विपक्षी विधायकों का धरना रात भर चला, बुधवार सुबह भी विपक्ष का धरना जारी रहा, सरकार की लाख को.शिशों के बावजूद भी विपक्ष नहीं माना। विपक्ष की और से जिला अधिकारी नैनीताल का तबादला करने, एसएसपी को निलंबित करने और कांग्रेस नेताओं पर से मुकदमा वापसी की मांग की जाती रही।

हालांकि, सरकार ने 5,315 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट और 9 विधेयक भी पास किए।

कांग्रेस विधायकों के रवैया पर भाजपा विधायकों और मंत्रियों ने कड़ी आपत्ति जताई। विधायकों कहा कि विपक्ष के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई, इससे जनहित के मुद्दे सदन में नहीं उठे। विधानसभा का चार दिवसीय मानसून सत्र डेढ़ दिन में ही खत्म कर दिया गया। इस दौरान सदन में उत्तराखंड अल्पसंख्यक विधेयक, समान नागरिक संहिता संशोधन विधेयक भी पारित हुआ। नए प्रावधानों के तहत गलत तरीके से लिव-इन-रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए सजा बढ़ा दी गई है। सदन में संशोधित सख्त धर्मांतरण कानून भी पास किया गया। अब जबरन धर्मांतरण पर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान होगा।

सत्र के दौरान कांग्रेस ने तीखा प्रदर्शन किया। निर्दलीय विधायक संजय डोभाल भी विपक्षी विधायकों के साथ धरना-प्रदर्शन में शामिल हो गए। इसी बीच कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने सदन में कागज फाड़कर उछाले, जिससे माहौल और गर्मा गया।

सत्र चलाने में सहयोग नहीं करना चाहता था विपक्षः धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बड़ी कठिनाइयों और मानसून की परेशानियों के बावजूद सभी लोग भराड़ीसैंण पहुंचे, मगर विपक्ष भराड़ीसैंण में सत्र चलाने के मूड में नहीं था। कल यानी 19 अगस्त को 1 घंटा 45 मिनट में 8 बार सदन को स्थगित करना पड़ा। सीएम धामी ने कहा कि उन्होंने सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से मुलाकात की थी और सत्र को सुचारू चलाने की अपील की थी। इस सत्र में सरकार ने कई तैयारी की थी। धराली और पौड़ी में भीषण आपदाएं आई थी, सरकार और सत्ता पक्ष के विधायक आपदा के विषय पर नियम 310 के तहत चर्चा करने के पक्ष में थे, लेकिन विपक्ष ने सस्ती लोकप्रियता के लिए हंगामा किया। सीएम धामी ने कहा कि अनुपूरक बजट पर चर्चा होनी थी, देहरादून में रिस्पना और बिंदाल एलिवेटेड रोड के लिए बजट की व्यवस्था की गई है। वहीं, पंचायत चुनाव पर सीएम धामी ने कहा कि देहरादून और बाजपुर में कांग्रेस चुनाव जीती है, वहां से कोई सवाल नहीं आया, केवल नैनीताल का विषय आया और वहां पर सरकार की ओर से कार्रवाई की जा रही है।

विपक्ष के आचरण पर स्पीकर हुई खफा

देहरादून। दो दिनों तक चलने वाली सदन की कार्यवाही कुल 2 घंटे 40 मिनट ही चल पाई, ऐसे में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने भी भी विपक्ष के इस आचरण पर नाराजगी जाहिर की। ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि विपक्ष को सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग देना चाहिए था, मगर विपक्ष कल से ही लगातार हंगामा कर रहा है, इसे सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई।

भ्रष्टाचार व जनविरोधी नीतियों की स्याह हकीकत को जनता से छुपाना चाहती है सरकार

सदन में सरकार चर्चा से क्यों घबराईः प्रीतम

शाह टाइम्स संवाददाता

गैरसैंण। मानसून सत्र को दूसरे दिन अनिश्चितकाल के लिये स्थगित किये जाने के बाद प्रेस से वार्ता करते हुए कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों का एकमात्र ध्येय देश के अंदर जो सामाजिक सौहार्द है उसे दूषित करना है। कहा कि सदन में सरकार चर्चा से क्यों घबरा रही हैं। प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था, दैवीय आपदा प्रबंधन में घोर विफलता, प्रत्येक स्तर पर हो रहे व्यापक भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों की स्याह हकीकत को प्रदेश की जनता के सामने बेनकाब होने से भयभीत सरकार ने सत्र को डेढ़ दिन में ही किया अनिश्चित काल के लिये स्थगित कर दिया है। कहा कि आमजन ने देखा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। पंचायत चुनावों में पुलिस व प्रशासन के संरक्षण में अराजक व गुंडा तत्वों की और से सरेआम लो.कतंत्र की हत्या का घृणित खेल सत्ता में बैठे लोगों की और से खेला गया। उत्तरकाशी के धराली, जिला पौड़ी और सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में आई दैवीय आपदा के प्रबंधन और राहत बचाव कार्यों में सरकार की घोर विफलता प्रदेश के लोगों ने देखी है। आपदा के दौरान सत्ता में बैठे लोग पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर वोट चोरी के कृत्यों में लिप्त थे। पूरी सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, सरकार की जनविरोधी नीतियों से आमजन त्रस्त हो चुका है।

कांग्रेसियों ने आपदा में दिवंगत हुए मृतकों को दी श्रद्धांजलि

गैरसैंण (भराड़ीसैंण)। कांग्रेस विधायकों ने बुधवार को देवभूमि उत्तराखंड के जनपद उत्तरकाशी के धराली व हर्षिल, जनपद पौड़ी, जनपद पिथौरागढ़ सहित अन्य जगहों पर आई दैवीय आपदा में असमय काल कलवित हुए सभी मृतकों की आत्मशांति के लिये कैंडल जलाकर व दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रीतम सिंह ने का कि ईश्वर से प्रार्थना है कि शोकाकुल परिजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

यशपाल व प्रीतम सिंह ने कार्यमंत्रणा समिति से दिया इस्तीफा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के मानसून सत्र में विपक्ष की मांगे न माने जाने और बिना कार्यमंत्रणा को विश्वास में लिए सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने से आहत नेता प्रति पक्ष यशपाल आर्य व कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने कार्यमंत्रणा समीति से इस्तीफा दे दिया है।

आर्य ने कहा कि नैनीताल, बेतालघाट, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और उधमसिंह नगर में पुलिस के संरक्षण में हुई अपराधिक घटनाओं ने देवभूमि उत्तराखण्ड को कुशासन वाले राज्यों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है। ये घटनाएं तब हो रही थी जब राज्य के उत्तरकाशी जिले के धराली सहित कही हिस्सों में आपदा ने तबाही मचा रखी थी। सरकार और सत्ता दल भाजपा का ध्यान आपदा राहत के बजाय पंचायत पदों के अपहरण करने पर था।

इन शर्मनाक घटनाओं के तुरंत बाद हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र से हमें बड़ी आशा थी। पूरा विपक्ष चाहता था कि, पंचायत चुनावों में हुई गुंडागर्दी और कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण राज्य में संवैधानिक संकट आया है इसलिए चर्चा नियम 310 के तहत होनी चाहिए। विपक्ष आपदा पर भी नियम 310 के तहत चर्चा चाहता था।

सरकार ने यहां भी निराश किया। कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बिना विधानसभा के सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया। हम चाहते थे कि, राज्य के निवासियों की आकांक्षा के प्रतीक गैरसैण में इस सभी विषयों पर नियम 310 में चर्चा होकर कुछ ठोस निष्कर्ष निकले परन्तु सरकार इन गंभीर विषयों को टालना चाहती थी। सरकार राज्य के सर्वोच्च सदन विधानसभा को भी अपने हिसाब से चलाना चाहती है।

इन परिस्थितियों में हमारा कार्य मंत्रणा समिति में रहना सार्थक नहीं है। उन्होंने कहा कि, अत: कांग्रेस विधानमंडल की ओर से कार्य मंत्रणा समिति में चुने सदस्य के रूप में मैने और मेरे वरिष्ठ साथी प्रीतम सिंह ने इस्तीफा देने का निश्चय किया है।

भाजपा सांसद ने कांग्रेस पर लगाया स्वार्थपरक राजनीति का आरोप

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने कांग्रेस पर स्वार्थपरक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जन मुद्दों पर सजग रहने के बजाय विपक्ष सदन मे सो गया और उसकी निंद्रा नही टूटी। विपक्ष का सड़क से सदन के भीतर जन मुद्दों पर लड़ने की बात भी शिगूफा ही साबित हुई।

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने निशाना साधा कि आपदा के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय विपक्षी नेताओं ने अपने ऊपर लगे मुकद्दमों को लेकर हंगामा किया। वहीं सत्र समाप्ति को उचित बताते हुए कहा, सदन सिर्फ हंगामा करने, नींद लेने और राजनी.ति के लिए ही नही चलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने गैरसैण सत्र में विपक्षी विधायकों द्वारा सदन में की गई तोड़फोड़ और अराजकता की कड़े शब्दों में निंदा की है। भट्ट ने कहा कि आज प्रदेश धराली, पौड़ी आदि अनेकों स्थानों पर आपदा के दंश का सामना कर रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में शासन प्रशासन जनता के सहयोग से राहत बचाव कार्यों के संचालन और प्रभावितों को मदद पहुंचाने में लगा है। ऐसे में सहयोग के हाथ बढ़ाने के बजाय कांग्रेस पार्टी लगातार नकारात्मक राजनीति कर रही है। उनके नेताओं द्वारा लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन और राहत राशि को लेकर अफवाह फैलाई गई। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सरकार द्वारा पहले से ही गैरसैण में मानसून सत्र आहूत किया हुआ था। बेहतर होता कि सत्र के आगाज में त्रासदी से जान गंवाने और किसी भी तरह का नुकसान उठाने वालों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए, विस्तृत चर्चा होती। पक्ष विपक्ष बैठकर आपदा में राहत बचाव कार्यों और भविष्य की योजनाओं को लेकर एक सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी मापदंड और नीति तैयार करने पर विचार करते।

विपक्षी सदस्यों के व्यवहार के विरोध में भाजपा विधायकों ने किया प्रदर्शन

कहा – सदन के भीतर अमर्यादित व्यवहार कर रही कांग्रेस

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

गैरसैंण । उत्तराखंड विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष के विरोध के बीच सत्ता पक्ष के विधायक भी उग्र नजर आए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदन के भीतर अमर्यादित व्यवहार कर रही है। कांग्रेस के विधायक यहां केवल पिकनिक मनाने आए हैं।भाजपा विधायकों ने जहां सदन में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया तो पहली बार सदन के बाहर भी रैली निकालकर विपक्ष का विरोध जताया।

मानसून सत्र में विपक्ष के रुख को देखते हुए पहले दिन शांत रहने वाले सत्ता पक्ष के विधायक दूसरे दिन उनके विरोध में उतर आए। बुधवार को सुबह जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष के विरोध के बीच सत्ता पक्ष के विधायक भी उग्र नजर आए। उनका कहना था कि कांग्रेस सदन के भीतर अमर्यादित व्यवहार कर रही है। कांग्रेस के विधायक यहां केवल पिकनिक मनाने आए हैं। जनहित का एक भी मुद्दा कांग्रेस ने नहीं उठाया। धराली आपदा और राज्य के विकास के विषयों से कांग्रेस भाग रही है। सत्ता पक्ष के विधायक हाथ में तख्तियां लेकर सदन में पहुंचे, जिस पर कांग्रेस विरोधी स्लोगन लिखे थे। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण के निर्देश के बाद सभी तख्तियां हटाई गईं। विपक्ष के विरोध के बीच लगातार सत्तापक्ष के विधायक भी बोलते रहे। कई बार छींटाकशी भी हुई, जिसमें दोनों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हुई। हालांकि संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल के बीच-बचाव करने के बाद मामला शांत हो गया। इसके बाद सत्ता पक्ष के विधायकों ने सदन के बाहर रैली निकालकर विपक्ष का विरोध जताया। उनका कहना था कि कांग्रेस विधायकों ने लोकतंत्र का अपमान किया है। लो.कतांत्रिक प्रक्रिया की गरिमा को तार-तार किया है। भाजपा के रुद्रप्रयाग विधायक भरत चौधरी का कहना था कि जिस तरह से विपक्ष ने गैर जिम्मेदाराना हरकत सदन के अंदर की है। सदन की संपत्ति को क्षति पहुंचाई है। चर्चा से वो भाग रहे हैं, पंचायत चुनाव में मिली हार से वो बुरी तरह बौखलाए हुए हैं। विधायक सुरेश गडिया का कहना था कि धराली आपदा से बहुत नुकसान हुआ है। हमारे लोग कष्ट में हैं।

कांग्रेस के विरोध में भाजपा विधायकों ने की विधानसभा परिक्रमा

गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा सदन के अंदर कांग्रेस के लगातार प्रदर्शन से भाजपा विधायकों ने गुस्सा जाहिर किया। कांग्रेस द्वारा सदन ना चलने देने पर भाजपा विधायकों ने विधानसभा की परिक्रमा की।

विपक्ष ने जन आकांक्षाओं का गला घोंटा हैः महाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून/गैरसैंण। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जन आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए गैरसैंण में विधानसभा सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया था। लेकिन विपक्ष ने हंगामे और सदन की कार्यवाही में बार अवरोध खड़े कर सदन की मर्यादा को तार-तार करने के साथ-साथ विपक्ष की भूमिका निभाने में भी असफल रहा है।

महाराज ने कहा कि सदन में विपक्ष का जो आचरण रहा है वह घोर निंदनीय था। विपक्ष कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा चाहता था, लेकिन खुद नियम-कानून का पालन करने को तैयार नहीं था। निकाय चुनाव और हाल ही में संपन्न राज्य के 10 पंचायत निकायों के चुनावों में भाजपा को मिले जनादेश से विपक्ष निराशा और हताशा में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने पहाड़ के हितों एवं जन आकांक्षाओं के अनुरूप मानसून के दौरान गैरसैंण में विधानसभा सत्र आयोजित किया लेकिन विपक्ष ने प्रदेश की जनता के हितों को तिलांजलि देकर सदन को नहीं चलने दिया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

स्ट्रेस्ड परिसंपत्ति प्रबंधन शाखा, नई दिल्ली
यूनिट संख्या 603 बी, कनेक्टस टावर, भावभूति मार्ग,
नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने, अजमेरी गेट साइड, नई दिल्ली 110001
ईमेल: ubin0906069@unionbankofindia.bank

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ताओं को सूचना

प्रति: **दिनांक-06-08-2025**

उधारकर्ताओं/गारंटर/बंधककर्ताओं को:

1. **न्यूजेन इकोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड,** (वर्तमान में सीआईआरपी प्रक्रियाधीन और रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा प्रतिनिधित्व) (पूर्व में मैसर्स नवयुग इंडस्ट्रीज)
एससीएफ 43, प्रथम तल, हुडा मार्केट पार्ट-II, सेक्टर-19, फरीदाबाद, हरियाणा-121002.
इसके अलावा: न्यूजेन इकोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में मेसर्स नवयुग इंडस्ट्रीज)
कार्यालय संख्या 2सी, प्रथम तल, प्लॉट संख्या 5बी सेक्टर-15ए क्राउन प्लाजा मॉल नीलम चौक अजरौंदा मेट्रो स्टेशन फरीदाबाद, हरियाणा-121007.
यहां भी: न्यूजेन इकोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (तत्कालीन एम/एस नवयुग इंडस्ट्रीज)
कार्यालय सं.- 2सी, 4जे, द्वितीय तल सेक्टर-15ए, प्रथम तल प्लॉट नं. 5बी सेक्टर-15ए क्राउन प्लाजा मॉल नीलम चौक अजरौंदा मेट्रो स्टेशन फरीदाबाद, हरियाणा-121007.
इसके अलावा: न्यूजेन इकोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (तत्कालीन एम/एस नवयुग इंडस्ट्रीज) प्लॉट नं. 20, 56, 57, 58 और 59 सेक्टर-7, IIE, रानीपुर सिडकुल जिला हरिद्वार, उत्तराखंड-249403.
इसके अलावा: न्यूजेन इकोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में मेसर्स नवयुग इंडस्ट्रीज)
यूनिट II: प्लॉट संख्या 223, IIE, सेक्टर-7 सिडकुल, हरिद्वार, उत्तराखंड-249403
इसके अलावा: न्यूजेन इकोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में मेसर्स नवयुग इंडस्ट्रीज)
एलजी-89, एनआईटी फरीदाबाद, हरियाणा-121001.
2. **श्री अनुपम गुलाटी,** फ्लैट संख्या 701, सातवीं मंजिल, टावर पेट्रोनास ओमेक्स हाइट्स, सेक्टर-86 एस्कॉर्ट्स नगर, फरीदाबाद, हरियाणा-121002.
3. **श्री मधुर गुलाटी,** मकान संख्या 1381, सेक्टर-14 एस्कॉर्ट्स नगर, फरीदाबाद, हरियाणा-121007
इसके अलावा: फ्लैट संख्या 701, सातवीं मंजिल, टावर पेट्रोनास ओमेक्स हाइट्स, सेक्टर-86 एस्कॉर्ट्स नगर, फरीदाबाद, हरियाणा-121002.
4. **श्री मदन गोपाल बंगा,** मकान संख्या 1105 जिमखाना क्लब के पास, सेक्टर 4, अर्बन एस्टेट, गुरुग्राम, हरियाणा-122001

प्रिय महोदय/महोदया,

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम-2002 (जिसे आगे 'अधिनियम' कहा जाएगा) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना।

हम, **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** (पूर्ववर्ती कॉर्पोरेशन बैंक के सागनुदेशिती और उत्तराधिकारी सहित), **स्ट्रेस्ड एसेट मैनेजमेंट ब्रांच,** 603बी, कनेक्टस टॉवर, भवभूति मार्ग, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने, अजमेरी गेट साइड, नई दिल्ली 110001 (इसके आगे बैंक), सुरक्षित ऋणदाता के रूप में, उपरोक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत, SARFAESI अधिनियम, 2002 और के प्रावधानों के अनुसार नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के माध्यम से यह सूचना जारी करते हैं। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 यह कहा गया है कि:

1. आप, यहाँ प्राप्तकर्ता क्रमांक 1, ने हमारी विश्वास नगर शाखा से निम्नलिखित ऋण सुविधाएँ प्राप्त की हैं और बकाया/किस्त/ब्याज का भुगतान करने/खाते/खातों का संतोषजनक संचालन करने में विफल रहे हैं, इसलिए, आय पहचान और विवेकपूर्ण लेखा मानदंडों के संबंध में RBI के दिशानिर्देशों के अनुसार, आपके खाते/खातों को 25.04.2023 तक गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 31.03.2025 तक आपके खातों में रु. **22,95,97,987.80 (रु. बाईस करोड़ पंचानवे लाख सत्तानवे हज़ार नौ सौ सत्तासी और अस्सी पैसे मात्र)** की राशि और उस पर लागू ब्याज बकाया है।

उपरोक्त खाते/खातों के संबंध में प्राप्तकर्ता क्रमांक 1 से बैंक को देय राशि का विवरण निम्नानुसार है: (राशि रुपए में)

क्र. सं.	सुविधा का प्रकार	एनपीए की तिथि तथा 25.04.2023 तक बकाया राशि	26.04.2023 से 31.03.2025 तक लागू नहीं किया गया ब्याज	बैंक द्वारा वहन की गई लागत/शुल्क	कुल बकाया 31.03.2025 तक
1.	CCGEN-CC-GENERAL (06281310000098)	13,17,14,972.91	4,12,61,305	15,36,040	17,45,12,317.91
2.	नकद ऋण (12261310000256)	24,99,055.51	-	-	19,17,333.69
3.	GCLEI- (06281699000060)	4,22,00,000.00	71,26,753	-	4,93,26,753
4.	Term Loan (06283010009929)	29,13,451.20	9,28,132	-	38,41,583.20
	कुल	**17,93,27,479.62**	**4,93,16,190**	**15,36,040**	**22,95,97,987.80**

बैंक को देय संभावित धनराशि की अदायगी सुनिश्चित करने के लिए, उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर ने 08-11-2021 को निम्नलिखित दस्तावेज़ निष्पादित किए और सुरक्षा हित सृजित किया:
नीचे वर्णित अचल संपत्तियों का बंधक:

क्र.सं.	बंधक संपत्ति का विवरण	बंधककर्ता
1.	खसरा संख्या 1788, मौजा-छाता, तहसील-छिट्टा, जिला मथुरा में स्थित 4880 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले आवासीय भूखंड का ऋणपत्र श्री अनुपम गुलाटी (गारंटर/बंधककर्ता) के नाम पर। सीमाएँ: उत्तर अन्य भूमि, दक्षिण सड़क, पूर्व खाली भूखंड, पश्चिम खाली भूमि	

अत: आपसे वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अनुसार, आपके द्वारा निष्पादित ऋण दस्तावेजों की शर्तों के अनुसार संविदात्मक दर पर अतिरिक्त ब्याज और शुल्कों सहित रु. **22,95,97,987.80 (रु. बाईस करोड़ पंचानवे लाख सत्तानवे हज़ार नौ सौ सत्तासी और अस्सी पैसे मात्र)** की राशि का भुगतान करने और इस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर अपनी देनदारियों का पूर्ण भुगतान करने का अनुरोध किया जाता है। ऐसा न करने पर, हम उक्त अधिनियम के तहत दिए गए किसी या सभी अधिकारों का प्रयोग करके उपरोक्त प्रतिभूतियों को लागू करने के लिए बाध्य होंगे।

अधिनियम की धारा 13(13) के अनुसार, इस सूचना की प्राप्ति पर आपको बैंक की सहमति के बिना उपरोक्त प्रतिभूतियों का निपटान या लेन-देन करने से रोका/रोका जाता है।

आपका ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों के मोचन हेतु उपलब्ध समय के संबंध में SARFAESI की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

भवदीय,
प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

महिलाओं, युवाओं व भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण को बनेगी अलग नीति

धामी कैबिनेट में लगी कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर, अपराध से पीड़ित सहायता (संशोधन) योजना 2025 मंजूर

शाह टाइम्स संवाददाता

गैरसैंण। उत्तराखंड की ग्रीष्मकाल.ीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद धामी सरकार ने कैबिनेट बैठक कर कई महत्वपूर्ण फैसले लिये।

बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित हुई कैबिनेट में महिलाओं, युवाओं और भूतपूर्व सैनिकों के रोजगार के साधन बढ़ाने, कौशल विकास, सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी प्रदान करने के लिए तीनों वर्गों के लिए अलग-अलग नीति बनाने का निर्णय लिया गया है। जिस के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी जैसे सरकारी सेवा, नीट, नर्सिंग, विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि के क्षेत्र में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। बृहद स्तर पर युवा महोत्सव और रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्कूल आपसी समन्वय से कार्य करेंगे। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए अल्पकालिक, माध्यकालिक और दीर्घकालिक योजना के तहत कार्य किए जाएंगे। युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मौन पालन, एप्पल मिशन और बागवानी के लिए हर ब्लॉक में प्रारंभिक चरण में 200 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्वैच्छिक चकबंदी योजना जल्द शुरू की जाएगी। राज्य के स्थानीय उत्पादों फल, सब्जी, दूध की खरीद के लिए कृषि विभाग और आईटीबीपी के बीच उवन किया गया है। इसी तरह एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ भी उवन किया जाएगा, जिससे राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। निजी क्षेत्रों में भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग विभाग के माध्यम से मार्केट लिंकेज की व्यवस्था की जाएगी।

भूतपूर्व सैनिकों राज्य में उपनल के माध्यम से कार्य करते हैं, उनको रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा और विभिन्न संस्थानों में उनकी योग्यता पर आधारित सेवाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा उत्तराखण्ड अपराध से पीड़ित सहायता (संशोधन) योजना, 2025 को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। सचिव गृह शैलेश बगोली ने बताया कि उत्तराखण्ड अपराध से पीड़ित सहायता योजना, 2013 (यथासंशोधित 2014 एवं 2016) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-357 (क) के अधीन अधिसूचित की गयी थी। पोक्सो न्यायालयों की और से लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत पीड़ितों को क्षतिपूर्ति भुगतान को आदेश पारित किये जाते रहे हैं, मगर वर्तमान योजना में पोक्सो पीड़ितों के लिये कोई स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण विभाग को व्यावहारिक कठिनाई का सामना करना पड़ता रहा। इसी कठिनाई के निराकरण और न्यायालय के आदेशों के अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से योजना में संशोधन कर उत्तराखण्ड अपराध से पीड़ित सहायता (संशोधन) योजना, 2025 अधिसूचित की जा रही है। इस संशोधन के तहत पोक्सो पीड़ितों के लिए न्यूनतम एवं अधिकतम क्षतिपूर्ति राशि निर्धारित करते हुए नए प्रावधान अनुसूची-2 के रूप में सम्मिलित किये गये हैं। इसके माध्यम से पीड़ितों को समयबद्ध एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध करायी जा सकेगी। उत्तराखण्ड सरकार साक्षी संरक्षण योजना, 2025 को भी मंजूरी दी गई है। न्याय व्यवस्था को सशक्त एवं निष्पक्ष बनाने के लिए राज्य सरकार ने उत्तराखण्ड साक्षी संरक्षण योजना, 2025 को मंजूरी प्रदान कर दी है, जो साक्षियों की सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित करेगी। इस योजना का उद्देश्य साक्षियों को किसी भी प्रकार के भय, दबाव अथवा प्रतिशोध से मुक्त रखकर उन्हें न्यायालय के समक्ष स्वतंत्रतापूर्वक एवं सत्यनिष्ठा से गवाही देने हेतु सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर पहचान गोपनीयता, स्थान परिवर्तन, सम्पर्क विवरण में बदलाव, भौतिक सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता जैसी सुरक्षा उपायों का प्रावधान किया गया है। सभी निर्णयों में गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए राज्य साक्षी संरक्षण समिति गठित की गई है, जिसमें न्यायपालिका, पुलिस एवं जनपद स्तर के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हैं। यह समिति साक्षियों की सुरक्षा आवश्यकता का आकलन कर समयबद्ध रूप से उपयुक्त संरक्षण उपाय सुनिश्चित करती है।

बारातघर आपदा की भेंट चढ़ा, दो परिवार खतरे में , कई मकानों को नुकसान

■ लगातार बारिश से थौडकी गांव में भूधंसाव, खेती-बाड़ी और पेयजल लाइनें भी प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगा मुआयना और पीड़ित परिवारों को मुआवजा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। विकासखंड प्रतापनगर की पट्टी रौणद रमोली स्थित ग्राम पंचायत थौडकी में आपदा का कहर बरपा है। गांव का बारातघर भारी बारिश और भूधंसाव की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया है। बारातघर के नीचे लगातार हो रहे भूधंसाव के कारण दो परिवारों के मकान सीधे खतरे की जद में आ गए हैं, वहीं 15 से अधिक परिवारों के घरों और खेतीबाड़ी को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मौके पर आकर आपदा से हुए नुकसान का आकलन करने और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता बलवेंद्र बरवाण ने बताया क बीते चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण स्थिति विकराल हो गई है। बारातघर के क्षतिग्रस्त होने और भूधंसाव से शूरवीर लाल, दिनेश लाल, बिचपाल, कुंवर लाल, धनवीर, किशोर, रमेश, गणेश, नत्थी और पुणसा के घरों के आंगन टूट गए हैं, जिससे उनके मकान खतरे में आ गए हैं। ग्रामीण दहशत के माहौल में रातें गुजारने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि भारी बारिश से गांव के आसपास के संपर्क मार्ग भी जगह-जगह टूट रहे हैं। पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिससे आने वाले दिनों में गंभीर पेयजल संकट खड़ा हो सकता है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर हुए भूधंसाव ने गांव के कई किसानों की जिंदगी पर सीधा असर डाला है। दयालू, पूर्ण लाल, सतपाल, रमेश, कुंवर, बच्चीराम, शूरवीर, बलबीर, मनोज, छुमा देवी, मोहन लाल, बुद्धि लाल और बैशाखू लाल जैसे ग्रामीणों की खेतिहर भूमि बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।खेतों में लहलहाती मोटे अनाज की फसलें और नगदी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। ग्रामीणों ने तहसीलदार प्रतापनगर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि गांव में हुए व्यापक नुकसान का तत्काल मौका मुआयना किया जाए और प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

कलगड़ी में बैली ब्रिज का निर्माण पूर्ण होने पर छोटे वाहनों के लिए खोला गया

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। गढ़वाल और कुमाऊं को जोड़ने वाले बुआखाल-धुमाकोट-रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पाबौ के निकट कलगड़ी में नवनिर्मित बैली ब्रिज को छोटे वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया गया है। पुल बनने से पौड़ी जिले के पैठाणी, थलीसैंण, चाकीसैंण, त्रिपालीसैंण, भरसार, बीरोंखाल और धुमाकोट क्षेत्र का जिला मुख्यालय से तथा पौड़ी का कुमाऊं मंडल के रामनगर क्षेत्र से एक बार फिर सीधा यातायात संपर्क स्थापित हो गया है।

कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग खंड) धुमाकोट के अनुसार लगभग पांच दिन में पुल को बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए भी पूर्ण रूप से खोल दिया जाएगा। गौरतलब है कि 6 अगस्त की सुबह भारी बारिश के कारण कलगड़ी में वर्ष 1970 में बना पुराना पुल ध्वस्त हो गया था, जिससे कई क्षेत्रों का संपर्क पूरी तरह कट गया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आपदाग्रस्त क्षेत्र में स्वयं पहुंचकर दिए गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के नेतृत्व में पीडब्लूडी एनएच डिवीजन ने तत्परता और समर्पण के साथ नए पुल का निर्माण कार्य शुरू किया और रिकॉर्ड समय में इसे पूरा किया।

पीडब्लूडी के सहायक अभियंता प्रमोद नेगी के अनुसार कलगड़ी में 45 मीटर स्पान का बैली ब्रिज बनाया गया है। मंगलवार की रात विभागीय वाहनों को गुजारकर पुल की टेस्टिंग की गई। सारे पहलुओं को देखने के बाद बुधवार को प्रथम चरण में इसे छोटे वाहनों के लिए खोल दिया गया है और जल्द ही भारी वाहनों की आवाजाही भी सुचारू हो जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पुल न केवल आवा. जाही की सुविधा बहाल करता है, बल्कि पहाड़ की जीवनरेखा को भी जोड़ता है। हमारी प्राथमिकता थी कि लोगों को जल्द से जल्द राहत मिले। टीमवर्क, तेज निर्णय और जनता के सहयोग से यह संभव हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि पीडब्लूडी को पुल पर गुणवत्ता के साथ जल्दी से जल्दी बड़े वाहनों के लिए भी खोलने के निर्देश दिये गये हैं।

रानीहाट में बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता 27 अगस्त से

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं स्वर्गीय पंडित जगतराम गौड़ की स्मृति के अवसर पर कीर्तिनगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत राणीहाट में माध्यमिक वर्ग बालिका का सीजन (8) क्रिकेट टुर्नामेंट 27 अगस्त से खेला जायेगा। क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजक माध्यमिक वर्ग बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता के संस्थापक देवेन्द्र गौड़ ने कहा कि इस प्रतियोगिता मे बारह से पंद्रह विद्यालय की टीम प्रतिभाग करेंगी। कहा कि दो दशक पूर्व इस प्रतियोगिता को प्रारंभ किया था। जिसका प्रतिफल यह हुआ कि अब सुदूरवर्ती गांव के विद्यालयों की छात्राएं भी क्रिकेट प्रतियोगिता बढचढ भाग ले रही हैं और जिसके बेहतरीन परिणाम निकल रहें है। बताया कि प्रतियोगिता के बदौलत बालक सरकारी खेल प्रशिक्षण संस्थान मे खेल प्रशिक्षण ले रही हैं तो दो बालिकाएं राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट मे चयनित हुई हैं। कहा कि उनके द्वारा इसकी नींव रखी थी वह धीरे-धीरे बटवृक्ष का रूप ले रहा है और आने वाले समय मे हमारे पहाड़ की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर एक्कीस साबित होंगी। क्रिकेट प्रतियोगिता पहले दिन 27 अगस्त को जिलाधिकारी टिहरी निर्ि. कता खण्डेलवाल बतौर मुख्य अतिथि मौजूद होंगी। जिलाक्रिडा अधिकारी टिहरी दीपक रावत ने कहा राष्ट्रीय खेल दिवस पर होने वाली तीन दिवसीय माध्यमिक वर्ग बालि. का को खेल विभाग पूरा सहयोग और समर्थन करेगा ।तथा जो भी संभव होगा उसकी पूरी भरपाई की जायेगी।

श्रीनगर से पैडुल हाईवे चौड़ीकरण को मिली स्वीकृति

■ लम्बे समय से वन मंत्रालय के पेंच में फसा था चौड़ीकरण का मामला

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। कोटद्वार-पौड़ी-श्रीनगर हाईवे के अंतर्गत श्रीनगर से पैडुल के बीच 43 किमी हाईवे चौड़ीकरण के कार्य को वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गयी है। जिसके बाद अब हाईवे के चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ हो जायेगा।

हाइवे के चौड़ीकरण होने से अब पर्यटकों को जाम से निजात मिलेगी के साथ ही दुर्घटनाओं की संभावनाओं कम होगी और दूरी घटने से समय कि भी बचत होगी। दरअसल कोटद्वार-पौड़ी-श्रीनगर नेशनल हाईवे-534 को डबल लेन किया जाना है।

जिसके लिए सड़क परिवहन मंत्रालय ने तो अपनी वित्तीय स्वीकृति दे दी थी, लेकिन वन मंत्रालय ने डेन्स फॉरेस्ट लेंड होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तांतरित नहीं की। जिसके कारण विभाग रोड चौड़ीकरण कार्य शुरू नहीं कर पा रहा था।

वन मंत्रालय ने तीन बार भूमि हस्तांतरण को बिना स्वीकृति के ही एनएच लोक निर्माण विभाग को वापस भेज दिया था, लेकिन हार ना मानते हुए विभाग चौथी बार फिर वन भूमि हस्तांतरण के लिए वन मंत्रालय से पत्राचार किया तो इसमें एनएच लोनिवि को सफलता मिली और वन मंत्रालय ने श्रीनगर से पैडुल को चौड़ीकरण की स्वीकृति प्रदान कि। यहां 23 गांवों के 3,529 लोगों की 9.772 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की गई है। इन्हें 3.59 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। हालंकि अभी इस पर अपने पेड़ों का कटान होना बाकि है।

पेड़ों का काटन होते ही चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो जायेगा।

वहीं श्रीनगर से पैडुल तक चौड़ीकरण होने वाले इस हाईवे में गडोली से घोड़ीखाल तक लगभग 3.5 किमी लंबी सुरंग का निर्माण भी शामिल है। नेशनल हाईवे चौड़ीकरण का कार्य जल्द शुरू होने से पौड़ी आने वाले पर्यटकों के लिए आवागमन का मार्ग सुगम और सरल हो जाएगा।

> "श्रीनगर से पैडुल के बीच 43 किमी हाईवे चौड़ीकरण के कार्य को वन मंत्रालय के ओर से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गयी है। 176 करोड़ की लागत से पैडुल से श्रीनगर हाईवे का चौड़ीकरण किया जायेगा। पौड़ी के आठ किलोमीटर के आबादी के क्षेत्र में चौड़ीकरण नहीं होगा उसे पक्का किया जाने का कार्य किया जायेगा। हाईवे के चौड़ीकरण को लेकर टेंडर प्रक्रिया पुरी हो गयी है। पेड़ों कि कटाई होने के बाद मोटरमार्ग के चौड़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया जायेगा।
> **" मो. तहसीन, सहायक अभियंता, एनएच लोनिवि श्रीनगर गढ़वाल।**

एक नजर ....

स्व. सुनीत बिष्ट फुटबॉल प्रतियोगिता आरसीडी पब्लिक स्कूल ने की अपने नाम

कोटद्वार । कोटद्वार फुटबाल महासंघ की ओर से स्व. सुनीत बिष्ट की स्मृति में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता आरसीडी पब्लिक स्कूल ने जीत ली है। फाइनल में आरसीडी पब्लिक स्कूल ने टाई ब्रेकर में बाल भारती पब्लिक स्कूल को 5-4 से पराजित किया। इस दौरान प्रतियोगिता में अव्वल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। मंगलवार देर शाम को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मोटाढांक स्थित मिनी स्टेडियम में खेला गया। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ फुटबाल कोच महेंद्र रावत व प्रधानाचार्य गिरिराज सिंह ने खिलाड़ियों का परिचय लेकर किया। तत्पश्चात खेले गए फाइनल मैच के निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। अंत में ट्राई ब्रेकर में आरसीडी ने बाल भारती को 5-4 से पराजित कर प्रतियोगिता अपने नाम की। प्रतियोगिता में आरसीडी के मिडफील्डर संचित रावत को सर्वोच्च खिलाड़ी व विनय मोहन को सर्वोच्च गोलकीपर घोषित किया गया। प्रतियोगिता में विजेता व उपविजेता टीमों को मेडल व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नरेश शर्मा, भारत सिंह नेगी, धीरेंद्र कंडारी और सिद्धार्थ रावत सहित बड़ी संख्या में फुटबाल प्रेमी मौजूद रहे।

राशन कार्ड को अपडेट करवाने के लिए आय प्रमाण पत्र की बाध्यता समाप्त करने की मांग

कोटद्वार । नगर निगम के पार्षदों ने राशन कार्ड को अपडेट करवाने के लिए आय प्रमाण पत्र की बाध्यता को समाप्त करने की मांग की है। कहा कि वर्तमान में लोगों का पूरा दिन आय प्रमाण पत्र बनाने की लाइन में ही बीत रहा है। जनता के हित को देखते हुए आय प्रमाण पत्र की बाध्यता को समाप्त किया जाना चाहिए। बुधवार को पार्षदों ने तहसील परिसर में पहुंचकर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उमेश चंद्र पांथरी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में राशन कार्ड के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में उपभोक्ताओं से आय प्रमाण पत्र के साथ ही अन्य दस्तावेज मांगें गए हैं। आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को ई-डिस्ट्रिक में आकर लाइन लगानी पड़ रही है। जिससे उनका समय बर्बाद हो रहा है। जनहित में राशन कार्ड बनवाने के लिए आय प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को समाप्त किया जाना चाहिए, साथ ही घर-घर जाकर लोगों की वास्तविक स्थिति को देखते हुए राशन कार्डों को सत्यापित किया जाना चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को किए श्रद्धासुमन अर्पित

कोटद्वार । कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 81 वीं जयंती पर पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज के दिन पर जन्मे स्व. राजीव गांधी एक दूरदर्शी नेता थे। अप्रत्याशित घटनाक्रम में 31 अक्टूबर 1984 में अपनी मां इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद उन्होंने देश की बागडोर संभाली। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था का विकास करने के साथ ही दलबदल विरोधी कानून बनाया। साथ ही पंचायती राज में महिलाओं के लिए आरक्षण व्यवस्था, मतदान की उम्र को 21 से 18 साल करने, जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना करने सहित कई अन्य दूरदर्शी फैसलों को लागू करने का श्रेय उन्हीं को जाता है ।देश की सुरक्षा के लिए उन्होंने पृथ्वी, त्रिशूल व अग्नि आदि मिसाइलों का विकास किया।

13 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

रुद्रप्रयाग। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग के तत्वाधान में जिला जज, रुद्रप्रयाग की अध्यक्षता में जिला न्यायालय परिसर एवं बाहय न्यायालय ऊखीमठ में 13 सितंबर को प्रात: दस बजे से 'राष्ट्रीय लोक अदालत' का आयोजन किया जाना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव पायल सिंह के ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तर्गत आपसी सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जायेगा। जिसमें अपराधिक शमनीय वाद, 138 एनआई एक्ट बैंक रिकवरी वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, अन्य दीवानी वाद, श्रम विवाद वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, बिजली एवं पानी से संबंधित वाद (अशमनीय वादों को छोडकर), वेतन भत्ते एवं अन्य सेवानिवृति से सम्बन्धित सेवा लाभ, राजस्व वाद, अन्य दीवानी वाद (किराया, सुखाधिकार, निशेधाज्ञा वाद, विनीर्दिष्ट अनुतोश आदि) इत्यादि विचारधीन वाद एवं प्री-लिटिगेशन मामलो का निस्तारण पक्षकारों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने क्षेत्रीय जनता से उक्त 'राष्ट्रीय लोक अदालत' में आपसी सुलह-समझौते के अधार पर मामलों का निस्तारण कराकर लाभ प्राप्त करने की अपील की गयी।

वन विभाग ने किया वृक्षारोपण, सैकड़ों नागरिकों ने लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल के विकासखंड हिंडोलखाल स्थित डंडा मायाली घड़ियाल धार में वन विभाग उत्तराखंड के तत्वावधान और जिलाधिकारी नीतिका खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में 'लक्ष्य सोसाइटी' द्वारा भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने न केवल क्षेत्रवासियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता जगाई, बल्कि सामूहिक प्रयासों की शक्ति को भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर क्षेत्र के 400 से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत डंडा मायाली घड़ियाल धार की हरी-भरी धरती पर इस वर्ष 750 पौधों का रोपण किया गया। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में पिछले दो वर्षों के दौरान लगभग 5000 पौधे लगाए जा चुके हैं, जो धीरे-धीरे हरे-भरे जंगल का स्वरूप धारण कर रहे हैं। लगातार हो रहे इन प्रयासों ने इस क्षेत्र को पर्यावरणीय दृष्टि से सशक्त बनाने की दिशा में नई उम्मीदें जगाई हैं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी नीतिका खण्डेलवाल ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़कर उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसे केवल प्रशासन या संस्थाओं के माध्यम से नहीं, बल्कि जनता की सामूहिक भागीदारी से ही सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे पौधों को केवल रोपित न करें, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण को भी अपनी जिम्मेदारी मानें।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट, खंड विकास अधिकारी हिंडोलखाल, वन क्षेत्राधिकारी माणिक नाथ, क्षेत्र के 15 ग्राम प्रधानों सहित कुल 427 नागरिकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी से इस अभियान को सफल बनाया। इस सामूहिक प्रयास ने एक बार फिर साबित किया कि जब समाज एकजुट होकर कार्य करता है तो पर्यावरण संरक्षण जैसी बड़ी चुनौती भी सरल हो जाती है।

दूरस्थ क्षेत्र से राइंका फाटा आने वाले छात्रों के लिए बस सेवा शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। त्रियुगीनारायण वार्ड से नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी ने राइंका फाटा में पढ़ने वाले दूरस्थ क्षेत्र बड़ासू, खोली, तरसाली सहित अन्य गांवों के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क बस सेवा शुरू की है। मैखंडी की इस पहल का क्षेत्रीय जनता एवं अभिभावकों ने स्वागत करते हुए धन्यवाद किया है।

दरअसल, कई दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं राइंका फाटा में पढ़ने के लिए आते हैं, लेकिन आवाजाही का साधन न होने और बरसात के समय छात्रों की परेशानियों को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी ने अपनी ओर से नि:शुल्क बस सेवा शुरू की है। जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी ने कहा की छात्रों के सामने यह परेशानी लम्बे समय से थी। बरसात के मौसम में छात्रों को अधिक परेशानी होती है और अभिभावक भी चिंतित रहते हैं। अभिभावक संघ अध्यक्ष जसपाल राणा ने जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी की इस पहल का स्वागत करते हुए धन्यवाद दिया है। ग्रामीण अमित सेमवाल, देवेंद्र सेमवाल, संतोष राणा, संदीप मैखंडी, संतोष राणा, बुद्धिबलभ जमलोकी ने कहा कि पहली बार किसी जनप्रतिनिधि ने बच्चों के भविष्य को लेकर सराहनीय पहल की है।

शिक्षा के उन्नयन को लेकर यूओयू का योगदान सराहनीय: डॉ त्रिपाठी,

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग में उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय हल्द्वानी की ओर से प्रचार-प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक डॉ प्रियंका जोशी, डॉ लता व डॉ मनोज पांडे ने यूओयू के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी विद्यार्थियों को दी, जबकि यूओयू के महाविद्यालय समन्वयक डॉ जगमोहन सिंह ने इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। शिक्षक श्रीकांत नौटियाल ने विभिन्न प्रश्नों के साथ उनके उत्तर विद्यार्थियों को प्रदान करने का कार्य किया।

दर्जाधारी ने लिया मदमहेश्वर घाटी के आपदा प्रभावित क्षेत्र का जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सीमांत अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट ने मदमहेश्वर घाटी के अकतोली से छ: किमी की पैदल दूरी तय कर द्वितीय केदार मदमहेश्वर यात्रा के आधार शिविर गौण्डार-बणतोली के मध्य आपदा से क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग का जायजा लिया और जन समस्याएं सुनी। उनके मदमहेश्वर घाटी आगमन पर नवनिर्वाचित जनप्रति. निधियों ने उनसे शिष्टाचार भेंट की तथा दर्जाधारी ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए सभी से क्षेत्र के विकास के लिए एक मंच पर आने का आहवान किया।

क्षेत्रीय जनता ने उन्हें क्षेत्र मे फैली अनेक समस्याओं से रूबरू करवाकर निराकरण की मांग की, जिस पर

उन्होंने मदमहेश्वर घाटी के जनमानस व नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आश्वासन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सीमांत क्षेत्रों के चहुंमुखी विकास के लिए दर्जनों जन-कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश सरकार सीमान्त क्षेत्र के हर व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंच. ाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता को निर्देश देते हुए कहा कि द्वितीय केदार मदमहेश्वर यात्रा के आधार शिविर गौण्डार-बणतोली के मध्य सेडूग के निकट आपदा से क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग की जगह वैकल्पिक मार्ग शीघ्र बनाया जाए, जिससे मदमहेश्वर धाम की यात्रा समय पर सुचारू हो सके। प्रधान अनूप पंवार ने बताया कि मूसलाधार बारिश होने से गौण्डार-बणतोली के मध्य सेडूग नाम स्थान पर पचास मीटर पैदल मार्ग भूस्खलन की भेंट चढ़ने से आवाजाही बाधित हो गयी थी तथा प्रशासन व ग्रामीणों के सहयोग से 161 तीर्थ यात्रियों का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा वैकल्पिक मार्ग बनाने के लिए आठ मजदूरों को लगाया गया है, मगर क्षेत्र में लगातार बारिश होने तथा आपदा प्रभावित क्षेत्र में बार-बार भूस्खलन होने से वैकल्पिक मार्ग बनाने में बाधा पहुंच रही हैं तथा मदमहेश्वर धाम की यात्रा बन्द होने से घाटी का तीर्थाटन, पर्यटन व्यवसाय खासा प्रभावित हो गया है। बताया कि 14 अगस्त 2023 में मोरखंडा नदी पर बना लोहे का गार्डर पुल नदी की तेज धाराओं में समा गया था तथा वर्तमान समय में तीर्थ यात्री व ग्रामीण जान हथेली पर रखकर ट्राली के सहारे आवाजाही करने के लिए विवश बने हुए हैं। वन पंचायत सरपंच फते सिंह पंवार ने बताया कि गौंडार गांव व बणतोली के निचले हिस्से में नदी के कटाव से खतरा बना हुआ है।

यदि समय रहते दोनों स्थानों के निचले हिस्सों में सुरक्षा दीवालों का निर्माण नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस मौके पर ज्येष्ठ प्रमुख राकेश नेगी, प्रधान बुरूवा मदन भट्ट, उनियाणा विशाम्बरी देवी, कुंवर सिंह नेगी, शिव सिंह नेगी, धर्म सिंह पंवार, मनजीत सिंह पंवार सहित लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग के अधिकारी, विभिन्न गांवों के जनप्रति. निधि व ग्रामीण मौजूद थे।

संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में खुलेगा उत्तराखंड मुक्त विवि का केंद्र, छात्रों को मिलेगा नया अवसर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्व. विद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का केंद्र जल्द ही स्थापित होने जा रहा है। इस केंद्र के खुलने से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने वाला है। खासतौर पर संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए यह कदम रोजगार और शिक्षा के नए द्वार खोलेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस पहल से प्रदेश में उच्च शिक्षा का कायाकल्प होगा और छात्रों को अपने भविष्य को बेहतर बनाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

बुधवार को उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के बाद कौशल-आधारित शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ा है और मुक्त विवि इसी दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के बाद उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय दूसरा बड़ा संस्थान है, जो बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहा है।कुलपति ने कहा कि इस विवि की खासियत यह है कि किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति, चाहे वह खेती करता हो, मजदूरी करता हो या नौकरी करता हो, कहीं से भी शिक्षा प्राप्त कर सकता है। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होते ही विद्यार्थियों के घर पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में केंद्र खुलने से टिहरी जिले का पूर्वी भाग, पौड़ी जिले का बड़ा हिस्सा और श्रीनगर का निकटवर्ती क्षेत्र सीधा लाभान्वित होगा।उन्होंने यह भी बताया कि उत्तराखंड में होम स्टे व्यवसाय लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए मुक्त विवि ने 'होम स्टे मैनेजर' नामक कोर्स भी शुरू किया है, जो स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। इसके अलावा परिसर के छात्र संस्थागत शिक्षा के साथ ही मुक्त विवि से दूरस्थ शिक्षा में दूसरी डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

शिक्षकों की चाक डाउन हड़ताल तीसरे दिन भी रहीं जारी

कोटद्वार । राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रांतीय नेतृत्व के आहवान पर शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रथम चरण के आंदोलनात्मक कार्यक्रम के तहत जनपद के अधिकांश विद्यालयों के शिक्षक तीसरे दिन बुधवार को भी चाक डाउन हड़ताल पर रहे। पूर्व जिलामंत्री मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश के लगभग 90 प्रतिशत विद्यालय स्थाई प्रधानाचार्य विहीन हैं। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक शिक्षण कार्य के साथ-साथ प्रभारी प्रधानाचार्य, लिपिक एवं अन्य कार्य दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, जिसके कारण शिक्षण कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

बर्ड फ्लू संक्रमण की आशंका होने पर शीघ्र करें कार्रवाई: जैन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग में बर्ड फ्लू की रोकथाम और बचाव को लेकर बैठक, जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश,

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में बर्ड फ्लू से बचाव और रोकथाम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी संबंधित विभागों को जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि बर्ड फ्लू से बचने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा। किसी भी जगह अगर संक्रमण की आशंका हो तो तुरंत कार्रवाई की जाए।

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने पशुपालन विभाग को मुर्गी फार्म और दुकानों की निगरानी करने, मृत पक्षियों को सही तरीके से निपटाने और किसी भी लक्षण की तुरंत सूचना देने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में निगरानी कक्ष बनाने, लोगों को बीमारी के लक्षणों की जानकारी देने और इलाज की पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। वन विभाग को पक्षियों पर नजर रखने और अगर कोई मृत पक्षी दिखे तो तुरंत सूचना देने को कहा गया। नगर निकाय और ग्राम पंचायतों को सफाई पर विशेष ध्यान देने और मृत पक्षियों के निपटाने की व्यवस्था तुरंत करने को कहा गया। शिक्षा विभाग को स्कूलों में बच्चों को बर्ड फ्लू से जुड़ी जानकारी देने और जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, आम लोगों को भी जागरूक किया जाए कि अगर कहीं मृत पक्षी दिखे तो तुरंत संबंधित विभाग को खबर दें। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी रुद्रप्रयाग कल्याणी, रुद्रप्रयाग मुख्य विकास अधिकारी राजेद्र सिंह रावत, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आशीष रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी राम प्रकाश, सीओ रुद्रप्रयाग प्रबोध घिल्डियाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

नगर निगम ने फॉगिंग व लार्वीसाइडल स्प्रे अभियान किया शुरू

नगर आयुक्त नमामि बंसल व सहायक नगर आयुक्त चौहान ने किया रेसकोर्स का निरीक्षण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर निगम ने मच्छरों से उत्पन्न बीमारियों डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए एक विशेष सघन अभियान की शुरुआत की है। नगर आयुक्त नमामि बंसल ने बताया कि यह अभियान नगर निगम के सभी 100 वार्डों में व्यवस्थित एवं चरणबद्ध ढंग से चलाया जा रहा है । नगर निगम का उद्देश्य है कि शहरवासियों को एक स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और बरसात के मौसम में मच्छरों से होने वाले संक्रमणों को नियंत्रित किया जा सके।जिसके लिए नगर आयुक्त नमामि बंसल ने अभियान के अंतर्गत बुधवार को रेसकोर्स में निरीक्षण किया, जिसमें वार्ड में पार्षद रोहन चंदेल और वीरेंद्र बिष्ट, सहायक नगर आयुक्त

राजबीर सिंह चौहान ,मुख्य सफाई निरीक्षक मनीष दरियाल , सफाई निरीक्षक राजेश बहुगुणा आदि उपस्थित रहे । इसके अलावा कुछ मुख्य बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। नगर आयुक्त नमामि बंसल ने बताया कि अभी तक.फॉगिंग अभियान के तहत नगर निगम ने मुख्य सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, पार्कों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में 4 बड़ी मशीनों की सहायता से फॉगिंग कार्य प्रारंभ किया।

देहरादून को मच्छर-मुक्त एवं स्वस्थ नगर बनाने का लक्ष्यःनमामि बंसल

नगर आयुक्त नमामि बंसल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों एवं आस-पड़ोस में पानी जमा न होने दें।गमलों, टायरों, कूलरों एवं छतों पर रुके हुए पानी को नियमित रूप से साफ करें। खुले में कचरा न फेंके और नालियों की सफाई पर ध्यान दें। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे फॉगिंग एवं स्प्रे अभियानों में सहयोग करें। यह व्यापक अभियान नागरिकों के सहयोग एवं जागरूकता के बिना सफल नहीं हो सकता। नगर निगम का संकल्प है कि देहरादून को एक मच्छर-मुक्त एवं स्वस्थ नगर बनाया जाए।

इसका उद्देश्य था कि शहर के प्रमुख यातायात मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मच्छरों की संख्या नियंत्रित की जा सके। 16 अप्रैल से अब तक सभी 100 वार्डों में 100 छोटी मशीनों की सहायता से मोहल्ला-स्तर पर फॉगिंग की जा रही है। यह कार्य नियमित रूप से सुबह एवं शाम के समय किया जाता है ताकि मच्छरों की संख्या न्यूनतम स्तर तक लाई जा सके। लार्वीसाइडल स्प्रे अभियान के तहत 17 अप्रैल से 30 अप्रैल तक शहर की प्रमुख नदियों, बड़े नालों एवं जलभराव वाले स्थलों पर 05 टैंकरों की मदद से लार्वीसाइडल स्प्रे किया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से मच्छरों के अंडों एवं लार्वा को नष्ट किया गया।

नगर आयुक्त ने बताया कि 1 मई से अब तक सभी 100 वार्डों में 20 टैंकरों की मदद से निरंतर लार्वीसाइडल स्प्रे अभियान संचा. लित है। वार्डवार सूची तैयार कर प्रत्येक गली, मोहल्ले, नाली एवं जलभराव वाली जगहों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निगम सुनिश्चित कर रहा है कि आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में रसायनों का भंडारण एवं उपयोग समयबद्ध तरीके से किया जाए। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम आगे की कार्ययोजना बरसात के मौसम में जलभराव को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान चलाया जाएगा।नगर निगम की टीमें वार्ड स्तर पर लगातार निगरानी एवं सर्वेक्षण करेंगी।

स्वास्थ्य विभाग एवं आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों एवं बस्तियों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नजीबाबाद-कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग दिसम्बर तक होगा पूरा

राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने दी जानकारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। गढ़वाल के लिए बहुप्रतीक्षित नजीबाबाद कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग दिसम्बर तक पूर्णतया आरामदायक होने जा रहा है।

राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा सदन में उठाए अंतरांकित प्रश्न 3152 के जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानक. ारी दी। उन्होंने बताया कि नजीबा. बाद से कोटद्वार तक 15.56 किलोमीटर लंबी यह सड़क पैडल शोल्डर के साथ दो लेन की बन रही है। 107.43 करोड़ की कुल लागत से बनने वाली इस सड़क का 40 फीसदी कार्य अब तक पूरा हो गया है। अब विभाग का लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक इस राजमार्ग निर्माण कार्य को पूर्ण कर, पूरी तरह से यातायात के लिए सुचारु किया जाए। उन्होंने बताया कि 5.95 किलोमीटर लंबा 4 लेन कोटद्वार बाईपास हाईवे भी प्रस्तावित है। जिसमें पूर्व में टेंडर भी खोला गया था लेकिन भूमि हस्तांतरण में समय अधिक लगने से इस प्रक्रिया को निरस्त किया गया है। लिहाजा इस तकनीकी दिक्कत के दूर होने के बाद इस कार्य को दोबारा अलग से बोली लगाकर पूरा कराया जाएगा।

10 बीघा भूमि अवैध प्लॉटिंग पर चली एमडीडीए की जेसीबी

नियमों के खिलाफ निर्माण कार्यों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रहेगीः तिवारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड में सरकारी जमीनों पर कब्जा, अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए हो रही प्लॉटिंग के खिलाफ मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार को एमडीडीए की टीम ने शिमला बाईपास स्थित हिन्दुवाला क्षेत्र में राशिद द्वारा की जा रही लगभग 10 बीघा भूमि पर अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, अवर अभियंता नितेश राणा व सिद्धार्थ सेमवाल, सुप.

रवाइजर समेत पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) क्षेत्रान्तर्गत किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण या अवैध प्लॉटिंग को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों के खिलाफ हो रहे निर्माण कार्यों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही बिना किसी दबाव और प्रभाव के जारी रहेगी। एमडीडीए ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य से पूर्व नियमानुसार नक्शा स्वीकृत कराएं, अन्यथा अवैध निर्माण व प्लॉटिंग पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीजीसी विश्वविद्यालय मोहाली के रूप में रूपांतरण की घोषणा

देहरादून। चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, झंजेड़ी ने आधिकारिक रूप से सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली के रूप में अपने रूपांतरण की घोषणा की है। यह घोषणा जे. डब्ल्यू. मैरियट, चंडीगढ़ में एक प्रेस सम्मेलन के दौरान की गई। सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली का लक्ष्य भारत को एआई आधारित विकास, तकनीक-प्रथम अध्ययन और नवाचार का नया केंद्र बनाना है। यहां 50:50 शिक्षा मॉडल लागू है। एस. रशपाल सिंह ढालीवाल ने कहा कि "यह विश्वविद्यालय समाज के प्रति मेरी प्रतिबद्धता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कुछ विशेष लोगों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर व्यक्ति का अधिकार है।

महिला का अपहरणकर्ता बंदी, महिला व उसका बच्चा बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून/सेलाकुई। एक महिला का अपहरण कर ले जाने वाले एक अपहरणकर्ता को सेलाकुई पुलिस ने गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर अपहृत महिला और उसके बेटे को बरामद करने के साथ-साथ उसके पास से महिला के लाखों के जेवरात भी बरामद कर लिए।

स्थानीय थाने पर अभियोग पंजीकृत करवाते हुए सेलाकुई निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी का अब्बू साले उर्फ तालिक ने अपहरण कर लिया और उसके तीन साल के लड़के को भी अपने साथ ले गया। दूसरे समुदाय के व्यक्ति द्वारा महिला और उसके पुत्र का अपहरण कर लिए जाने का अभियोग पंजीकृत हो जाने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए

थानाध्यक्ष पी.डी.भटट ने महिला और उसके लड़के को बरामद करने के लिए अपहरणकर्ता के मोबाइल नंबर को सर्विलांश पर लगाकर उसकी तलाश प्रारंभ कर दी।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी विक. ासनगर भाष्कर लाल शाह ने स्थानीय पुलिस को मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे घटनाक्रम पर से शीध्र पर्दा उठाने के निर्दे दिए थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। उन्होंने बताया कि दूसरे समुदाय की महिला और उसके पुत्र का अपहरण कर ले जाने वाले विशेष समुदाय के व्यक्ति के समबंध में जानकारी एक. की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों के आदेश पर एसआ. ेजी की टीम ने भी मामले का खुलासा करने के लिए सेलाकुई पुलिस का सहायोग करना प्रारंभ किया।

इस दौरान सोशल मीडियां के माध्यम से भी अपहरणकर्ता का सुराग लगाने के प्रयास किये गए।इस दौरान जानकारी मिली की आरोपी महिला और उसके तीन साल के बच्चे का अपहरण कर रूड़की में किसी स्थान पर छिपा हुआ है। खबर मिलने के बाद अपहृत महिला और उसके बच्चे को बरामद करने के लिए पुलिस की एक टीम को रूड़की रवाना किया गया। पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस को साथ लेकर गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुनहरा से अपहरणकर्ता अब्बू साले उर्फ तालिब पुत्र मुमताज निवासी ग्राम साकीन करिआर थाना डगरवा जिला पूर्णिया बिहार को गिरफ्तार कर उसके पास से महिला और उसके लड़के को बरामद कर लिया। पकड़े गए अपहरणकर्ता से सेलाकुई लाकर पूछताछ की गई तो उसके पास से महिला से लूटे गए जेवरात भी बरामद कर लिए गए। पुलिस ने पकड़े गए अपहरणकर्ता को संबंधित न्यायालय में पेश किया जहां से उसे चौदह दिन की न्यायिक अभिरक्षा में सुद्धेवाला जेल भेज दिया गया।

विपक्ष का काम केवल हंगामा करनाः बंसल

कांग्रेस समेत विपक्ष ने देशभर में बना ली है यह परंपरा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डा. नरेश बंसल ने संसद के मानसून सत्र में गतिरोध जारी रखने पर विपक्ष की आलोचना की और सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने विपक्ष को सच्चाई सुनने की ताकत न होने की बात कही और विरोध करने के तरीके सीखने की सलाह दी।उन्होने कहा कि विपक्ष के गलत तरीको से पूरा सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया।

डा. नरेश बंसल ने कहा कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालना विपक्ष की आदत हो गई है, विपक्ष का हंगामा नियमों के खिलाफ है।उन्होंने कहा कि विपक्ष सदन को नहीं चलने दे रहा है जबकी सरकार चर्चा कराना चाहती है। भाजपा सांसद ने स्पष्ट रूप से कहा कि विपक्ष में सच्चाई सुनने की ताकत नहीं है।डा. नरेश बंसल ने कहा कि सदन मे जब मैं भाषण दे रहा हूं और बगल में कोई आकर नारेबाजी करेगा तो यह लो. कतांत्रिक नहीं है। यह सदन में काम करने का तरीका नहीं होता।डा. नरेश बंसल ने कहा कि यह जनता के पैसे की बरबादी व लोकतंत्र की हत्या है। डा. नरेश बंसल ने कहा की यही उत्तराखंड विधान सभा मे भी यही देखने को मिला जिसमे कांग्रेस विधायको ने सदन मे तोड़फोड़ की व हाउस को बंधक बनाने का प्रयास किया जो अलोकतांत्रिक है।डा. नरेश बंसल ने कहा कि सदन को किसी भी हाल मे बंधक नहीं बनने दिया जाएगा। डा. नरेश बंसल ने कहा कि बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल में यह चर्चा हुई कि बिल पारित कराए जाएंगे,पर पूरे सत्र मे विपक्ष की भूमिका अपनी बात के उल्ट रही।डा. नरेश बंसल ने इस पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद दुखद और अलोकतांत्रिक बताया। डा. नरेश बंसल ने कहा कि सदन में जनता के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन विपक्ष ने कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने का काम किया।

कहा - चुनावों में भाजपा को जनता का लगातार मिला आशीर्वाद

देहरादून। डा. नरेश बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5315 करोड़ का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया गया है। इस बजट के माध्यम से भाजपा सरकार ने युवाओं को नए अवसर, महिलाओं का सशक्तिकरण, किसानों को सहारा और दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया है। डा. नरेश बंसल ने कहा कि उत्तराखंड समेत देश भर मे पंचायत चुनाव, लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को जनता का लगातार आशीर्वाद मिला है। यही वजह है कि कांग्रेस बौखला रही है और ईवीएम, चुनाव आयोग और सरकार पर आरोप लगाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए काम कर रही है और विपक्ष को भी सदन मे जनता के हितों पर केंद्रित करना चाहिए।

बंद मकान से लाखों के जेवरात चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून/सेलाकुई। मकान में चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाने वाले तीन शातिर चोरों को सेलाकुई पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी किए गए लाखों रुपये के जेवरात बरामद किए है। पकड़े गए चोर नशे की पूर्ति करने के लिए मकानों को निशाना बनाकर वहां पर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

भाऊवाला निवासी शशांक गुरूंग पुत्र सूरज गुरूंग ने थानाध्यक्ष सेलाकुई पी.डी.भटट को जानकारी देते हुए बताया था कि वह विगत कुछ समय पूर्व मकान के ताले बंद कर अपने परिजनों के साथ बाहर गया हुआ था। जब वह मकान पर पहुंचा तो मकान के ताले टूटे देखकर उसके होश फाख्ता हो गए। मकान के अंदर जाकर देखा तो वहां पर सारा सामान बिखरा हुआ था और अलमारी के ताले तोड़कर चोरों द्वारा लाखों रुपये के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि शशांक की तहरीर पर धारा 305/ए के तहत अभियोग पंजीकृत कर चोरों की तलाश करने के लिए उनके द्वारा पुलिस टीम का गठन कर दिया गया था। इस दौरान पुलिस टीम ने बंद मकान में हुई चोरी की वारदात वाले स्थान के समीप निवास करने वाले लोगों से पूछताछ की औरचोरी की वारदातों में पूर्व में प्रकाश में आए चोरों के संबंध में जानकारी एकत्र करनी प्रारंभ कर दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनके द्वारा गठित की गई पुलिस टीम में शामिल अधीनस्थों ने एक सूचना के बाद शशांक गुरूंग के मकान में चोरी करने वाले तीन चोरों को चौकिंग के दौरान हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष पी.डी.भटट ने बताया कि थाने लाकर हिरासत में लिए गए तीनों चोरों से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने नाम सूर्य प्रताप पुत्र भजनसिंह निवासी निगम रोड,गौरव सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी सिलथाम जनपद पिथौरागढ़ और अंकित पवार पुत्र दर्शन सिंह निवासी रतनपुर कोतवाली पटेलनगर बताए। पकड़े गए चोरों से पुलिस ने लाखों के जेवरात और अन्य सामान बरामद किया। पकड़े गए तीनों चोरों ने बताया कि वह नशा करने के आदि है और अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए वह चोरी की वारदातों को अंजाम देते है।

बिस्मिलाह चौक के लोगों की सहायता में जुटा प्रशासन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दून यूनिवर्सिटी से बिस्मिलाह चौक तक निमार्ण कर्यो से सड़क मार्ग में जगह-जगह गढ्ढों से हो आमजन को हो रही परेशानी के चलते राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में टूटी सड़के एवं नालों सहित क्षतिग्रस्त हुए मकानो की मरम्मत को लेकर जिलाधिकारी के नेतृत्व में प्रशासन गंभीरता के साथ अपने काम में लगा है।पटेल नगर थाना क्षेत्र के बिस्मिल्लाह चौक पर बारिश के चलते टूटी सड़के एवं नालों की मरम्मत के लिए प्रशासन ने अपनी टीमों को भेज कर जहां कार्यो को तेजी दिलाई है वही आपदा के चलते टूटे मकान को लेकर भी मकान मालिकों को आर्थिक सहायता दी गई है।

एसडीम कुमकुम जोशी के निर्देशन में प्रशासनिक टीम सड़कों एवं नालों की मरम्मत में के कार्यों में जुटी है।एडीएम के के मिश्रा ने बताया कि नगर के अलग-अलग हिस्सों मैं जाकर जहां सड़के वह मकान टूटने की सूचना मिली उन्हें चिन्हित करके दुरुस्त करने में प्रशासन की टीम अपने कार्य में जुटी है और आपदा से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है। प्रशासन उन लोगों को आर्थिक सहायता मुवईया भी कर रहा है जिनके मकान या दुकान भारी बारिश के चलते टूट गया है। मुख्यमंत्री के आदेशों के चलते जिला अधिकारी की टीम लोगों की सहायता के आगे बढ़ती नजर आ रही है।दूसरी और देखा जाए तो आपदा के चलते कुछ लोग राजनीति की रोटियां सेखने में भी लगे हैं और प्रशासन के द्वारा किए गए कामों में रोडा अटाकने का काम कर रहे हैं यह मामला भी लोगों की जबान पर चर्चाओं का विषय बना हुआ है। एसडीएम सदर हरि गिरि ने बताया कि दून यूनिवर्सिटी मार्ग पर सीवर लाईन डाले जाने से क्षतिग्रस्त मार्ग की सत्ह वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय जनता के साथ-साथ विश्व विद्यालय में आवगमन कर रहे विद्यार्थियों को आवागमन में अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

प्रदेश की शांत वादियों में कहां से आ रहे विदेशी हथियार

अपराध की दुनियां में नाम कमाने के लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश के युवा कर रहे फायरिंग, हत्या

मयूर गुप्ता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य की शांत वादियों में पश्चिम उत्तर प्रदेश के युवाओं द्वारा छात्रों और दूनवासियों में अपना वर्चस्व और दबदबा दिखाने तथा कायम रखने के लिए मामूली बातां में विदेशी हथियारों का प्रदर्शन कर जान से मारने की नीयत से फायर करना इतना ही नहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश वाली अपनी बादशाहत को दून के लोगों और छात्रों पर कायम करने के लिए उन पर गोली चलाकर उन्हे घायल करना आम बात हो गई है। देहरादून के अंदर कुछ दिनों में दो ऐसी वारदाते घटित हो भी गई और पुलिस ने एक हमलावर के पास से विदेशी पिस्टल भी बरामद की, जबकि दूसरे के पास से कुंट्रीमेड पिस्टल बरामद की। पश्चिम उत्तर प्रदेश के युवा शिक्षा लेने के लिए देहरादून के स्कूलों, कॉलेजों और इंस्टीटयूटों में आते तो है लेकिन पढ़ाई-लिखाई से दूर रहकर वह मात्र अपना वर्चश्व कायम रखने के लिए हथियारों का प्रदर्शन और उनकों चलाने का काम करते है।

प्रदेश के हद्रय कलाए जाने वाले देहरादून में इन दिनों यह बात काफी चर्चाओं में है कि दून की वादियां में मौजूद कॉलेज, स्कूलों और इंस्टीटयूटों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आने वाले पश्चिम उत्तर प्रदेश के युवा वहां पर अध्यनरत अन्य छात्र-छात्रों में अपना वर्चश्व कायम करने के लिए विदेशी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे है। पश्चिम उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर और जनपद सहारनपुर के युवा देशी और विदेशी हथियारों को लाकर उनका खुलेआम प्रदर्शन कर अपने प्रतिद्वदियां को डराने धमकाने का काम कर रहे है। बाहरी राज्यों से आए युवाओं के हाथों में विदेशी हथियार देखकर वहां पर अध्यनरत अन्य छात्र-छात्राओं में दहशत का माहौल व्याप्त हो जाता है। हाल ही के दिनों में कुछ ऐसी वारदातें घटित हुई जिससे शांत देहरादून में निवास करने वाले लोगों और विभिन्न कॉलेजों, स्कूलों तथा इंस्टीटयूटों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के दिलों-दीमांग पर दहशत का माहौल व्याप्त है।ध् कुछ समय पूर्व प्रेमनगर थाना क्षेत्र में हिन्दू संगठन के युवा नेता रोहित नेगी की विगत 5 जून को मामूली विवाद के बाद जनपद मुजफ्फरनगर के पुरकाजी निवासी दो युवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

हालांकि बाद में अगले दिन 6 जून को देहरादून पुलिस की दोनों हत्याभियुक्तों मोहम्मद अजहर त्यागी पुत्र अब्दुल रब निवासी प्रधान पटटी बरला छपार और आयुष कुमार उर्फ सिकंदर पुत्र विजय कुमार निवासी मालैन्डी जनपद शामली के साथ हरिद्वार के मंगलौर कोतवाली क्षेत्र की नारसन बॉर्डर पर मुठभेड़ हो जाने के बाद दोनों हत्यारोपियां के हाथ और पैरों को पुलिस की गोलियों ने छलनी कर दिया था। इसी वर्ष 25 अप्रैल को प्रेमनगर के बैंक कॉलोनी पौंधा में छात्रों के दो गुटों के बीच चली आ रही रंजिश के कारण छात्रों के एक गुट ने एक छात्र को कंट्रीमेड पिस्टल से गोली मारकर घायल कर दिया था। बाद में पुलिस ने छात्र को गोली मारकर घायल करने वाले जनपद सहारनपुर के देवबंद के गांव कुरलली निवासी अनमोल देशवाल पुत्र प्रदीप कुमार देशवाल को गिरफ्तार कर उसके पास से कंट्रीमेड पिस्टल 315 बोर बरामद कर लिया था। वहीं विगत 8 अगस्त को राजपुर थाना क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट के बाहर एक बार फिर छात्रों के दो गुटटों में किसी बात को लेकर कहा सुनी के बाद जनपद मुजफ्फरनगर के नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के सबसे चर्चित गांव साहवली निवासी गौतम अहलावत पुत्र पवन सिंह अहलावत ने संजय गुरूंग नाम के के छात्र के चेहरे पर गोली मारकर उसे मरणासन्न की स्थिति में पहुंचा दिया। हमलावर छात्र का परिवार साहवली गांव के काफी रूतबे वाला परिवार है और हमलावर की राजनीति पहुंच भी अच्छी है। हमलावर गौतम अहलावत ने जिस हथियार से संजय गुरूंग को गोली मारी थी वह विदेशी हथियार 32 बोर का है पुलिस ने उक्त हथियार को आईटी पार्क के समीप जंगलों से बरामद होना दर्शाया था। सवाल यह उठता है कि आखिरकार प्रदेश की शांत वादियों में विदेशी और देशी हथियारों का पश्चिम उत्तर प्रदेश के युवाओं द्वारा खुलेआम प्रदर्शन किया जाना और अपनी बात को ऊपर रखने के लिए किसी भी युवक और लोगों का उक्त हथियारों का निशाना बनाकर उनकी जान से खिलवाड़ करना इतना हौसला और हथियार कहां से लाने का काम करते है पश्चिम उत्तर प्रदेश के युवा।

राजपुर थानाध्यक्ष सरकारी फोन उठाने की जहमत नहीं उठाते

देहरादून। राजपुर के जिस रेस्टोरेंट के बाहर जनपद मुजफ्फरनगर की नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव साहवली निवासी गौतम अहलावत नामक युवक द्वारा विदेशी पिस्टल से अपने प्रतिद्वंदी छात्र को गोली मारकर घायल किया गया आखिरकार उक्त विदेशी हथियार गौतम कहां से लाया और उसकों उक्त हथियार सप्लाई करने वाला व्यक्ति कौन है। इस संबंध में जब हमने राजपुर थानाध्यक्ष से रविवार की देर रात्रि उनके सरकारी नंबर पर फोन कर जानकारी करने का प्रयास किया तो उन्होंने काफी फोन किये जाने के बाद सरकारी मोबाइल नंबर को उठाना तक गवारा नहीं समझा। इसके बाद सोमवार की प्राप्त उन्हे एक बार फिर फोन कर गौतम अहलावत के पास से बरामद किए गए विदेशी पिस्टल के संबंध में जानकारी की गई तो वह इधर-उधर की बाते करने लगे लेकिन बाद में जब सोमावार की दोपहर को उनसे पूरे मामले में विस्तृत जानकारी करने के लिए उनके सरकारी नंबर पर फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

कार्यालय मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ट्रॉसपोर्ट नगर सहारनपुर रोड़ देहरादून।

पंत्राक 278/ सम्पत्ति/2025-26 दिनांक 20/8/2025

निविदा सह नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की विभिन्न रिक्त दुकानों की निविदायें दिनांक 01-09-2025 को 11 बजे तक स्वीकार की जायेगी, तथा उसी दिन 12.30 बजे अपराह्व उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी, इच्छुक निविदादाता निविदा प्रपत्र एवं शर्ते किसी भी कार्यदिवस में प्राधिकरण के सम्पत्ति अनुभाग से नकद धनराशि जमा कर प्राप्त कर सकतें हैं।

सह प्रभारी सम्पत्ति

ग्राम स्तर पर स्वस्थ पोषण दिवस को प्रभावी बनाने को बैठक सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास विभाग, महिला बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से ग्राम स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस को प्रभावी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

सचिव ग्राम्य विकास, सचिव स्वास्थ्य और सचिव महिला बाल विकास के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, पारिवारिक पोषण और स्वास्थ्य कार्य कार्यक्रम को तीनों विभाग मिलकर एक एकीकृत कार्ययोजना बनाकर संचालित करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग उन ग्रामीण क्षेत्रों की सूची खंड विकास स्तर पर साझा करे, जहां अभी भी कुपोषण और घर पर प्रसव हो

रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक कार्ययोजना बनाकर असुरक्षित घरेलू प्रसव को शून्य करना है। इसके साथ ही, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय फेडरेशन की शत-प्रतिशत भागीदारी हो। बैठक में पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल और हैंड वाश के महत्व के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक स्तरीय संचालन समिति की बैठकें, खंड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाएं, और शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में के. एन. तिवारी (परियोजना निदेशक), सुश्री नलनीत घिल्डियाल (सहायक परियोजना निदेशक), अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी और सभी ब्लॉक मिशन प्रबंधक उपस्थित थे।

पहचान छुपाकर शादी का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर किया मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने एक व्यक्ति पर ब्लैकमेल व पहचान छुपाकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है । माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पथरी एसओ मनोज नौटियाल ने बताया कि पथरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने माननीय न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया की सालों पहले एक व्यक्ति से मुलाकात हुई थी। व्यक्ति ने अपनी पहचान छुपाकर महिला से दोस्ती कर ली और दोनों के बीच धीरे धीरे बातचीत होने लगी। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया है कि उसने उसके साथ अपनी पहचान छुपाकर शादी का झूठा झांसा देकर शारीरिक संबंध के वक्त चुपके से मोबाइल से वीडियो बना लिया और विडियो वायरल करने की धमकी देते हुए कई बार शारीरिक संबंध बनाएं और ब्लैकमेल करने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि शादी का वादा किया और महिला अपने पति को छोड़कर तीन बच्चों को साथ लेकर उसके साथ रहने लगी। आरोपी व्यक्ति ने कनखल थाना क्षेत्र के गांव जगजीतपुर में उसे किराये के मकान पर रख लिया। जब महिला ने शादी का दबाव बनाया तो व्यक्ति ने उसे शादी करने से साफ इन्कार कर दिया। उसके बाद पीड़ित महिला को पता चला की व्यक्ति मुस्लिम समुदाय से हैं तो उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया प्रार्थना पत्र देकर व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

पथरी एसओ मनोज नौटियाल ने बताया कि माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार फरीद मलिक उर्फ सोनू मलिक पुत्र महबूब निवासी सुल्तानपुर आदमपुर कोतवाली लक्सर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है मामले की जांच कर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यातायात पुलिसकर्मियों ने छात्रों को दी नियमों की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। यातायात पुलिस ने अचीवर्स होम पब्लिक स्कूल कनखल में यातायात जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी में यातायात पुलिसकर्मियों छात्र छात्राओं को यातायात नियमों, ट्रैफिक साइन, ट्रैफिक सिग्नल, गुड सेमिरिटन स्कीम आदि के संबंध में जानकारी देने के साथ दुपहिया वाहन चलाने के दौरान हमेशा हेलमेट पहनने, ट्रिपल राइडिंग ना करने, मोबाइल फोन का प्रयोग ना करने, शराब पीकर वाहन न चलाने के संबंध में जागरुक किया गया। छात्रों को सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों की गोल्डन आवर के भीतर मदद करने के लिए प्रोत्साहित करने के पश्चात टीम द्वारा छात्र छात्राओं को रानीपुर मोड़ चद्राचार्य चौक पर लाकर सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए

चौक पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक संचालन की जिम्मेदारी भी दी गई।

नए अनुभव से गदगद छात्र-छात्राओं ने ग्राउंड जीरो की कार्यवाही को लाभप्रद बताते हुए यातायात पुलिस कर्मियों का आभार जताया तथा यातायात नियमों का पालन करने और अपने परिजनों व परिचितों को भी प्रोत्साहित करने का वादा किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा देवपुरा चौक स्थित पं.गोविंद वल्लभ पंत पार्क में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि राजीव गांधी संचार क्रांति के जनक के साथ ही आधुनिक भारत के निर्माता भी थे। पूर्व प्रदेश महासचिव वरुण बालियान और वरिष्ठ नेता सोम त्यागी ने कहा कि आज राजीव गांधी की जयंती पर हम यह संकल्प लें कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश को मजबूत बनाने का काम करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज सैनी और पूर्व पार्षद राजीव भार्गव

ने कहा कि राजीव गांधी ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए 18 वर्ष की आयु में वोट का अधिकार दिया। महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता जोशी और महानगर कांग्रेस महासचिव तरूण व्यास ने कहा कि राजीव गांधी ने जिस संचार क्रांति के माध्यम से देश के आधुनिकीकरण की नींव रखी आज उसी का फल है पूरे विश्व में भारत का नाम है। पार्षद हिमांशु गुप्ता और विवेक भूषण विक्की ने कहा कि राजीव गांधी ने 73, 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से गांवों और शहरों को सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। वरिष्ठ श्रमिक नेता विकास सिंह और पूर्व पार्षद उदयवीर सिंह चौहान ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को पूरे विश्व में अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई। गोष्ठी में मुख्य रूप से चौधरी बलजीत सिंह, पार्षद प्रतिनिधि ऋषभ वशिष्ठ, पुनीत कुमार, अकरम अंसारी, पार्षद सोहित सेठी, ओम मलिक, पूर्व पार्षद सुहैल कुरैशी, शुभम जोशी, हिमांशु राजपूत, दिव्यांश अग्रवाल, प्रहलाद चौहान, सरदार रमणीक सिंह, मोहित गर्ग, इंद्रजीत ठाकुर, अशोक धींगान, संजय वाल्मीकि, सोनू शर्मा, विजेंद्र सिंह आदि सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

जन मुद्दों पर सजग रहने के बजाए विपक्ष का सदन में सोना दुखदः महेन्द्र भट्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा ने कांग्रेस पर स्वार्थपरक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जन मुद्दों पर सजग रहने के बजाय विपक्ष सदन में सो गया और उसकी निंद्रा नहीं टूटी। विपक्ष का सड़क से सदन के भीतर जन मुद्दों पर लड़ने की बात भी शिगूफा ही साबित हुआ।

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने निशाना साधा कि आपदा के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय विपक्षी नेताओं ने अपने ऊपर लगे मुकद्दमों को लेकर हंगामा किया। वहीं सत्र समाप्ति को उचित बताते हुए कहा, सदन सिर्फ हंगामा करने, नींद लेने और राजनीति के लिए ही नही चलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने गैरसैण सत्र में विपक्षी विधायकों द्वारा सदन में की गई तोड़फोड़ और अराजकता की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में शासन प्रशासन जनता के सहयोग से राहत बचाव कार्यों के संचालन और प्रभावितों को मदद पहुंचाने में लगा है। ऐसे में सहयोग के हाथ बढ़ाने के बजाय कांग्रेस पार्टी लगातार नकारात्मक राजनीति कर रही है।

उन्होंने सरकार द्वारा संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए, सदन द्वारा तय कार्यवाही एजेंडे को पूर्ण करने पर खुशी जताई। विपक्ष के तमाम अवरोधों के वावजूद सत्र में अनुपूरक बजट समेत अन्य विधेयकों की मंजूरी के लिए उन्होंने प्रदेशवासियों की तरफ से सीएम धामी का आभार व्यक्त किया। साथ ही सत्र को लेकर विपक्ष की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कहा, सिर्फ हंगामा करने और राजनीति के लिए ही सदन नहीं चलाया जा सकता है। विधानसभा कार्यमंत्रणा समिति द्वारा जो भी सदन का बिजनेस निर्धारित किया गया था उसे पूरा किया गया। ऐसे में सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना ही एकमात्र उचित विकल्प था। उन्होंने सीधे आरोप लगाया कि विपक्ष का मकसद जनता के मुद्दों को सदन में उठाने से रोकना था। वे नहीं चाहते थे कि धर्मांतरण कानून को अधिक कठोर करने पर चर्चा हो, अवैध मदरसों पर कार्रवाई के विधेयक पर चर्चा न हो और आपदा पीड़ितों और बचाव राहत पर बात न हो। वहीं सदन की कार्रवाई को लेकर विपक्ष पर व्यंग कसते हुए कहा, कांग्रेस के पास जनहित को लेकर कोई सवाल नहीं थे, इसलिए उनके विधायक सदन में नींद पूरी करते की। वहीं आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता यशपाल आर्या तक अपने केस हटाने और अपने निजी फायदे के लिए अपनी भूमिका का दुरुपयोग करते नजर आए। एक कड़वा सच सामने आया है कि कांग्रेस नेता सपनों की दुनिया में बाहर खोए और सदन में सोए रहते हैं। कांग्रेसी विधायकों ने सदन में इस मर्तबा विपक्षी राजनीति का विकृत रूप पेश किया है। दिनभर सदन में हंगामा और तोड़फोड़ और रात में उसी सदन में खर्राटे भरना, लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए बेहद शर्मनाक है।

स्व. राजीव गांधी की जयंती पर कोर्ट परिसर में दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर आज कोर्ट परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता राव फरमान अली ने साथियों सहित राजीव गांधी को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वरिष्ठ अधिवक्ता राव फरमान अली ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने का सपना देखा था। सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के क्षेत्र में उनके किए गए प्रयास आज भी देशभर में याद किए जाते हैं और प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता भी कहा जाता है। वे भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने थे और राष्ट्र की प्रगति के लिए दूरदर्शी नीतियां लागू कीं।

वरिष्ठ अधिवक्ता राव शाहबाज अली ने भी स्व. राजीव गांधी को याद कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को मजबूत बनाया और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया। उनका योगदान भारत कभी नहीं भूल सकता। अधिवक्ता राव यावर अली ने भावुक शब्दों में कहा कि "जब तक सूरज-चाँद रहेगा, राजीव गांधी का नाम रहेगा।" श्रद्धांजलि देने वालों में एडवोकेट मुहम्मद आरिफ हुसैन, एडवोकेट अदिति सिंह पंवार समेत अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब कनखल एवं ब्लड वालंटियर ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान में आपका छोटा सा योगदान किसी परिवार में खुशीयां लौटा सकता है : डा. विशाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रोटरी क्लब कनखल एवं ब्लड वालंटियर हरिद्वार द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सिडकुल स्थित होटल में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में रक्त वीरों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं की हौसला अफजाई करते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष हरपाल सिंह एवं सचिव राजीव अरोड़ा ने कहा कि रक्तदान अमूल्य है। रक्तदान कर आप किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने में योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती है, बल्कि शरीर में नए रक्त का संचार होने से कई रोग दूर होते हैं। आपातकालीन स्थिति में किसी को भी रक्त की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए रक्तदान के प्रति लोगों को जागरुक करना चाहिए। चेयरमैन डा.विशाल गर्ग ने बताया कि रक्तदान के प्रति समाज में जो भ्रांतियां थी। वह दूर हो रही हैं और बड़ी संख्या में लोग रक्तदान के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिविर 103 रक्त वीरों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं में सिडकुल के कई कर्मचारी भी शामिल हैं। डा.विशाल गर्ग ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान और पुण्य कार्य नहीं है। रक्तकोष में कमी ना आए। इसके लिए युवा पीढ़ी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। आपका छोटा सा योगदान किसी परिवार में खुशीयां लौटा सकता है। इस दौरान गौरव शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, चेतन घई, आशीष सपरा, अशोक सपरा, मनोज चावला, ज्योति, अक्षय अग्रवाल, अनुभव गर्ग, सिमरन कौर, विक्रम

सुबुद्धि, प्रदीप अग्रवाल, केशव जोशी, साहिल चावला, गौरव शर्मा, प्रवीण जीत सिंह ने रक्तदान शिविर के आयोजन में सहयोग किया।

यूपी के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने दी ब्रह्मलीन स्वामी राजेंद्रानन्द श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विश्नोई आश्रम भीमगोड़ा पहुंचकर आश्रम के ब्रह्मलीन महंत स्वामी राजेंद्रानन्द को श्रद्धांजलि अर्पित। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ब्रह्मलीन महंत स्वामी राजेंद्रानंद के उत्तराधिकारी स्वामी प्रणवानंद सें भेंट कर संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि महंत स्वामी राजेंद्रानन्द महाराज का समूचा जीवन देश ओर सनातन को समर्पित रहा। उन्होंने युवाओं को नशा से दूर रहने और शिक्षा ग्रहण की प्रेरणा दी। उत्तर प्रदेश में जन्मे ब्रह्मलीन महंत स्वामी राजेंद्रानन्द ने विश्नोई समाज को शिखर तक पहुंचाया और उत्तर

प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया। उनके असमय ब्रह्मलीन होने से देश, समाज ओर सनातन संस्कृति को बड़ी क्षति हुई है। ऐसे संत दुर्लभ हैं। जो गौ, गंगा, गीता, देश ओर समाज के लिए कार्य करते है। रामेश्वर आश्रम सन्यास रोड़ कनखल के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती ने भी ब्रह्मलीन स्वामी राजेंद्रानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि ब्रह्मलीन स्वामी राजेंद्रानंद महाराज दिव्य संत थे। गौ सेवा में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

नाबालिग किशोरी भगा ले गया युवक, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के एक गांव से किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगाकर ले गया। किशोरी की माता की तहरीर पर पुलिस आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक व किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार पथरी थाना क्षेत्र के एक गांव से एक महिला ने तहरीर देकर बताया कि 11 अगस्त दोपहर को गांव का ही रहने वाला युवक उनकी 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर कर अपने साथ ले गया है। किशोरी के परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नही चला। जिसके बाद परिजनों को पता चला कि गांव ही रहने वाला एक युवक उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। किशोरी की मां ने मामले में नामजद पुलिस को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक और किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

पथरी थाना अध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी युवक सोनू के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

दिल्ली से लक्सर पहुंचे तीन नाबालिगों को पुलिस ने परिजनों से मिलवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। लावारिस घूमते मिले तीन नाबालिगों को लक्सर पुलिस ने परिजनों से मिलवा दिया। दिल्ली से लोकल ट्रेन में बैठकर तीनों नाबालिग लकसर पहुंचे थे। मंगलवार को लकसर कोतवाली के पुलिसकर्मियों को 8 से 12 वर्ष के 3 नाबालिग बच्चे लावारिस हालत मे भटकते मिले। पुलिसकर्मियों ने बच्चों से पूछताछ कर उनके परिजनो के सम्बन्ध में जानकारी लेने की कोशिश की। लेकिन डरे सहमे होने के कारण बच्चे अपना पता स्पष्ट नही बता पा रहे थे। जिस पर पुलिसकर्मी तीनों को अपने साथ कोतवाली ले आए और खाना खिलाया। बच्चे जब कुछ सामान्य हुए तो पूछताछ करने का प्रयास किया गया। लेकिन बच्चो के पास उनके परिजनों व परिचितो के सम्पर्क नम्बर नही थे। जिस कारण पुलिस को परिजनों तक पहुचने में कडी मेहनत करनी पड़ी। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने जानकारी जुटाकर बच्चों के परिजनों से संपर्क किया। जानकारी मिलने पर बच्चे लकसर कोतवाली पहुंचे। परिजनों ने बताया कि तीनों बच्चो में से 2 बच्चे सगे भाई व एक उनका दोस्त है, जो 18 अगस्त को दिल्ली से लोकल ट्रेन में बैठकर लकसर पहुंचे गए थे। आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने बच्चों को उनके परिजनों के हवाले कर दिया। बच्चों को सकुशल पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

सुभाष नगर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ली शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सुभाष नगर स्थित एक बैंक्विट हॉल में गैर राजनीतिक व्यापार मंडल सुभाष नगर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सुभाष नगर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने सामूहिक शपथ ग्रहण किया और सुभाष नगर व्यापार मंडल में व्यापार और वाणिज्य का प्रचार एवं प्रसार पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी, सत्य निष्ठा से करने का संकल्प लिया।

व्यापार मंडल की संरक्षक राखी सजवाण ने कहा कि जैसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वोकल फॉर लोकल की बात करते हैं। इसी तरह हम सब व्यापारी भी परस्पर पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से एक दूसरे के व्यापार व अपने निकटतम व्यापारी की दुकान से सामान खरीदेंगे। जिससे व्यापार व वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगां। रवि कुमार और विकास सेठिया ने कहा कि हम सब मिलकर सरकार द्वारा व्यापार और वाणिज्य के लिए चलाई जा रही योजनाओ के प्रति जागरूक कर मुद्रा लोन और एमएसएमई योजनाओं से अधिक से अधिक व्यापारियों को जोड़ेंगे।

मुख्य अतिथि एडीएम प्रशासन पीआर चौहान ने व्यापारियों से संवाद करते हुए आवाहन किया कि सभी व्यापारी पूर्ण दस्तावेजों के साथ व्यापार करें और समस्त सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। सरकारी योजनाएं व्यापारी हितों के लिए ही लागू की जाती हैं। उन्होंने समस्त योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई। प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। पंजाब नेशनल बैंक से आए विशिष्ट अतिथी दिनेश गुप्ता एलडीएम ने मुद्रा लोन और व्यापार करने के लिए लोन की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई। ड्रग इंस्पेक्टर अनीता भारती ने बताया कि समस्त केमिस्ट शॉप्स और अन्य दुकानों पर व्यापार स्थापित करने के लिए संपूर्ण दस्तावेजों का होना पूर्ण आवश्यक है। यदि कोई किराए पर दुकान लेकर दुकान चलाता है, तो मकान मालिक को यह सत्यापित करवाना बहुत आवश्यक है कि किस तरह का व्यापार कर रहा है और उसे व्यापार में क्या-क्या चीज इस्तेमाल हो रही है। नारकोटिक्स दवाइयां में नशे के खिलाफ एक बहुत बड़ा अभियान है चल रहा है। सुरेश्वरी देवी मंदिर समिति से आशीष मारवाड़ी द्वारा सभी कार्यकारिणी सदस्यों और अतिथि गणों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विक्की सेठिया, रोबिन, नरेन्द्र नेगी, सुरेश मोहन, अर्जुन बत्रा, वासुदेव त्यागी, प्रशात लामा, संजीव कक्कड़, गौरव चौहान, शिवदत्त शर्मा, सुरेंद्र प्रकाश, बलजोर सिंह, शेर सिंह, शुभम प्रजापति, शुभम धीमान, शुभम कुमार, सोनू ठाकुर, मोहनीश, आफताब, प्रदीप कुमार प्रजापति, सतीश कुमार, आबूल अली, रवि कुमार, अश्विनी शर्मा, विक्की सेठिया, प्रसाद लामा, संजीव कक्कड़, गौरव चौहान, शिवदत्त शर्मा, सुरेंद्र प्रकाश, बलजोर सिंह, शेर सिंह, शुभम प्रजापति, शुभम धीमान, शुभम कुमार, सोनू ठाकुर, मोहनीश, आफताब, प्रदीप कुमार प्रजापति, सतीश कुमार, आशीष गर्ग, साहिल, शंकर तोमर, सचिन धीमान, बीके सिंह, प्रिया सेमवाल, भावना, अनुराग, डा.एसके शर्मा, भारत रावत आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने अवैध चाकू के साथ आरोपी किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र से पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने व्यक्ति के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार थाने में पर तैनात उप निरीक्षक रोहित कुमार हेड कांस्टेबल सचिन रावत सोमवार देर रात्रि गश्त के दौरान भट्टा तिराहा पथरी के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। जिसको रोककर उन्होंने उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम रविंद्र उर्फ बिन्दर पुत्र फूलसिंह निवासी बहादुरपुर जट थाना पथरी बताया है। पथरी एसओ मनोज नौटियाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्पलेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
ब्यूरो चीफ/जिला प्रभारी
डी. एस. वर्मा
मो.: 9411100741

एसएसबी महानिरीक्षक ने सीमा सुरक्षा का लिया जायजा

महानिरीक्षक अमित कुमार ने इंडो-नेपाल सीमा चौकियों का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय रानीखेत के महानिरीक्षक अमित कुमार ने 57 बटालियन सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकियों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा दिया। इस दौरान उन्होंने इंडो-नेपाल सीमा स्थित सीमा चौकियों नारायण नगर, सिसैया एवं मेलाघाट का दौरा कर जवानों से मुलाकात किया तथा उनके मनोबल को बढ़ाया साथ ही सीमा सुरक्षा की जानकारी ली।

महानिरीक्षक अमित कुमार ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए जवानों को सीमा सुरक्षा में और अधिक सतर्कता एवं सक्रियता बरतने के निर्देश दिए। सीमा चौकी सिसैया में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए उन्होंने जानकारी प्राप्त किया। महानिरीक्षक ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल अपने आदर्श वाक्य सेवा, सुरक्षा व बंधुत्व को आत्मसात करते हुए दिन-रात पहाड़ से लेकर तराई तक हर मौसम और हर परिस्थिति में राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित है। कठोर भौगोलिक परिस्थितियों, खुले सीमाई इलाकों और चुनौती पूर्ण हालात के बावजूद भी एसएसबी के जवान पूरी निष्ठा, अनुशासन पराक्रम के साथ देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। एसएसबी सीमा पर प्रहरी होने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों का मित्र, सहयोगी और सुरक्षा कवच भी है। इस दौरान महानिरीक्षक अमित कुमार ने जवानों की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन की प्रशंसा की। इस अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय पीलीभीत के उपमहानिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, 57 बटालियन सितारगंज के कमांडेंट मनोहर लाल, उप कमांडेंट अनिल कुमार यादव, दीपा तोमर, निरीक्षक मोहर सिंह, सुशील कुमार, सहायक उप निरीक्षक राजू कुमार सिंह सहित अन्य जवान उपस्थित रहे।

निर्विरोध निर्वाचित ग्राम प्रधानों संग जिलाधिकारी करेंगे संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में निर्विरोध निर्वाचित ग्राम प्रधानों का सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम कल जिला पंचायत सभागार में दोपहर 12:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में "कॉफी पर चर्चा" के माध्यम से ग्राम स्तर की समस्याओं, प्राथमिकताओं और विकास की संभावनाओं पर सीधा संवाद होगा। 'यह पहल राज्य में अपनी तरह की पहली और अनूठी पहल है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा निर्विरोध प्रतिनिधियों को न केवल सम्मानित किया जा रहा है बल्कि उन्हें नीति-निर्माण की दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। गौरतलब है कि जनपद की 82 ग्राम पंचायतों में निर्विरोध प्रधान चुने गए हैं।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी नवनिर्वाचित प्रधानों का सम्मान करेंगे तथा उनसे जमीनी स्तर की चुनौतियों और सुझावों को साझा करने का आग्रह करेंगे। जिलाधिकारी का कहना है किख्र

निर्विरोध निर्वाचित प्रतिनिधि समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग की मिसाल पेश करते हैं। पंचायत स्तर पर सामाजिक सद्भाव और विकास की गति को तेज करने में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशासन चाहता है कि इन जनप्रतिनिधियों के अनुभवों और विचारों को सुनकर योजनाओं को धरातल पर अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। इस संवाद में ग्राम पंचायतों से संबंधित मुद्दों जैसे पेयजल आपूर्ति, सड़क एवं संपर्क मार्ग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, मनरेगा, महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्द्धन पर विशेष चर्चा की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि गांवों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए।

एक नजर

दीपक जोशी राष्ट्रीय राजमार्ग डिविजन लोहाघाट के होंगे नए अधिशासी अभियंता

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। दीपक जोशी राष्ट्रीय राजमार्ग डिविजन लोहाघाट के नए अधिशासी अभियंता होंगे श्री जोशी यहां से चार माह पूर्व स्थानांतरित किए गए, आशुतोष कुमार का स्थान ग्रहण करेंगे। श्री जोशी वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग डिवीजन अल्मोड़ा में तैनात है। लोहाघाट में वरिष्ठ सहायक अभियंता डीएस जरमाल प्रभारी अधिशासी अभियंता के रूप में कार्य कर रहे हैं। नए अधिशासी अभियंता के आने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य में और तेजी आएगी।

आईफैड सुपरविजन मिशन दल 21 व 22 अगस्त को चंपावत में

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि द्वारा वित्त पोषित व उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास समिति उत्तराखण्ड शासन द्वारा जनपद में संचालित ग्रामोत्थान परियोजना रीप के अंतर्गत परियोजना क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की प्रगति समीक्षा हेतु दिनांक 21 व 22 अगस्त को चंपावत जनपद के बनबसा , चंपावत, लोहाघाट व बाराकोट में तीन सदस्यीय आईफैड सुपरविजन मिशन के सदस्यों द्वारा भ्रमण कर कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

जिला परियोजना प्रबंधक शुभंकर कुमार झा के अनुसार सुपर विजन मिशन द्वारा परियोजना क्षेत्र में रीप व यूएसआरएलएम द्वारा संचालित गतिविधियों का आंकलन कर समीक्षा की जाएगी। जिसमें संकुल संघ संचालन प्रक्रिया, संघ के दस्तावेज निरीक्षण, उपार्जन प्रक्रिया, संघ की व्यवसायिक गतिविधियां, मूल्य श्रंखला, अल्ट्रा पुवर पैकेज, माइक्रो इंटरप्राइजेज आदि पर चर्चा कर प्रगति समीक्षा की जायेगी, साथ ही परियोजना क्षेत्र के चयनित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा।

सीजीसी झंजेड़ी अब बना सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, झंजेड़ी ने आधिकारिक रूप से सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली के रूप में अपने रूपांतरण की घोषणा की है। यह घोषणा चंडीगढ़ में एक प्रेस सम्मेलन के दौरान की गई। सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली का लक्ष्य भारत को एआई आधारित विकास, तकनीक-प्रथम अध्ययन और नवाचार का नया केंद्र बनाना है। यहां 50:50 शिक्षा मॉडल लागू है। एस. रशपाल सिंह ढालीवाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय समाज के प्रति मेरी प्रतिबद्धता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कुछ विशेष लोगों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर व्यक्ति का अधिकार है। सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली इसी वादे पर आधारित है कि हर छात्र, चाहे उसका कोई भी पृष्ठभूमि हो, उसे सीखने, बढ़ने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। अर्श ढालीवाल, प्रबंध निदेशक, सीजीसी विश्वविद्यालय, मोहाली ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही वेतन-आधारित प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा।

विधायक अरोरा ने उठाया फाजलपुर महरौला में हाईकोर्ट के 2017 स्थगन आदेश का मामला

बोले स्थगन आदेश पर सरकार की ओर से उच्च न्यायलय में मजबूत पैरवी व नीति बनाकर हजारों परिवारों पर आए संकट से दिलाई जाए राहत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। गैरसैंण विधानसभा सत्र के दूसरे दिवस विधायक शिव अरोरा ने नियम 53 के अन्तर्गत फजालपुर महरौला के अत्यंत महत्वपूर्ण विषय जिसमे हाई कोर्ट के 2017 के स्थगन आदेश के बाद हजारों परिवार पर आये संकट को देखते हुए सदन में इस विषय को रखा।

उन्होंने कहा रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत फाजलपुर महरौला क्षेत्र जिसने हजारों परिवार अनेको वर्ष से वहां निवास करते हैं और उन परिवारों ने अपने भू-खण्ड की रजिस्ट्री, सीलिंग सर्टिफिकेट, दाखिल खारिज, बिजली कनेक्शन आदि सभी मानक पूर्ण करते हुए अपने अपने भू-खण्ड पर आवास बनाकर निवास कर रहे हैं। विधायक अरोरा ने सदन के माध्यम से अवगत करवाया की उच्च न्यायलय के स्थगन आदेश के बाद से फजालपुर महरौला क्षेत्र में यह मकानों के न नक्शे पास हो रहे है, न मकान खरीद व बेच सकते हैं, न बिजली कनेक्शन मिल रहा है न ही उक्त भू-खण्ड पर परिवारों को बैंक द्वारा लोन मिल पा रहा है, जिससे हजारों परिवारों को बेहद गंभीर कठिनाई का समाना करना पड़ रहा है।

विधायकने सदन के माध्यम से सरकार से मांग की उक्त गंभीर विषय पर जिसमे हजारों परिवारों के आशियाने पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं ऐसे में वह यह मांग करते हैं कि जिला प्रशासन, न्याय विभाग, राजस्व विभाग हाईकोर्ट के 2017 के आदेश पर विस्तार से अध्ययन करें क्या यह आदेश सम्पूर्ण फाजलपुर महरौला क्षेत्र के लिए लागू होता है या कुछ सीमित क्षेत्र के लिए लागू होता है, जो वास्तव में सीलिंग की जमीन है या जो नियम विरुद्ध है निश्चित रूप से ऐसे सीलिंग की भूमि कोई कब्जा निर्माण पाया जाता है, उन पर कार्यवाही होनी चाहिए ओर सरकार को वह भूमि अपने कब्जे में लेनी चाहिए।

मगर जिन हजारों परिवारों ने जमीन खरीद कर नक्शा पास करवा कर रजिस्ट्री करवा के सीलिंग सर्टिफिकेट लेकर अपने अपने भू-खण्ड पर निर्माण किये है ऐसे परिवारों पर कोई कार्यवाही न कि जाए।

विधायक शिव अरोरा ने सदन के माध्यम से सरकार से कहा इस जनकल्याण के विषय में सरकार कि ओर से हाईकोर्ट में मजबूत सशक्त पैरवी की आवश्यकता है साथ ही नीति बनाकर इनका स्थाई समाधान निकाला जाना जो हजारों परिवारों के लिए जनहित में उचित होगा।

आजादी के बाद कफललेक एवं खेतीगाड़ गांव के लोगों को पहली बार हुआ आजादी का अहसास

सड़क मार्ग बनने की उम्मीदों ने पलायन कर चुके गांव के लोग पुनः पूर्वजों की माटी का तिलक लगाने के लिए हो गए हैं तैयार

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। मानेसर से कफललेक एवं खेतीगाड़ के लिए सड़क बनाने का मार्ग खुलने के साथ यहां के लोगों की खुशियों का इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां से पलायन कर चुके सभी परिवार अपने पूर्वजों की हाड़तोड़ मेहनत से तैयार की गई सोना उगलने वाली भूमि को आबाद करने के लिए अभी से प्लानिंग करने में लग गए हैं।

सड़क निर्माण की मांग करते थक एवं सिस्टम से हार चुके यहां के लोगों के पास जिलाधिकारी मनीष कुमार द्वारा उनकी भावनाओं का जो सम्मान किया गया है, उसे देखते हुए यहां के बुजुर्गों का कहना है कि यदि ऐसे डीएम पहले मिले होते तो हंसता-खेलता धन-धान्य से पूर्ण यह गांव वीरान नहीं होता। गत वर्ष यहां के तारा मोहन के पिता का निधन होने के बाद वह वार्षिकी तक तो गांव में रहे, उसके बाद चार महीने पहले ही उनके गांव से पलायन करने से यह गांव खामोशी की आगोश में बंध गया। सड़क बनने की बाधा दूर होने से यहां के बुजुर्गों की उम्र बढ़ने के साथ युवाओं के भविष्य की उम्मीदों में भी पंख लग गए हैं।

खेतीगाड़ ऐसा गांव है, जहां चारों ओर पर्याप्त पानी एवं सोना उगलने वाली ऐसी जमीन है, जो इससे पहले सब्जी, फल-फूल, धान, गेहूं, दूध आदि के उत्पादन के लिए अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए थी। बहरहाल यहां के लोग अब अच्छे दिन आने की उम्मीद कर रहे हैं। कफललेक गांव में अभी तक रह रहे सात परिवार जो पलायन की तैयारी में थे, सड़क बनने की उम्मीद में अब उनके पांव घर में ही बंध गए हैं।

यहां के चंद्रशेखर, राम नारायण, पवन जोशी, मथुरा दत्त, राजेश पचौली, किशन बिष्ट का कहना है कि कौन ऐसी वसुंधरा जमीन, शुद्ध आबो हवा, घर का दूध, सब्जी को छोड़कर कौन नगर में भीड़ का हिस्सा बनना चाहेगा? निवर्तमान ग्राम प्रधान रमेश सिंह पांडे का कहना है कि जिलाधिकारी महोदय के कारण हमारे यहां दो माह पहले ही दीपावली जैसा खुशी का माहौल बन गया है।

तीन माह में ही प्रथम चरण का काम हो जाएगा पूर्णः अधिशासी अभियंता

चंपावत। लोगों की खुशी के साथ अपनी खुशियां जोड़ते हुए लोनिवि के लोहाघाट के अधिशासी अभियंता हितेश कांडपाल का कहना है कि वह तीन माह के भीतर प्रथम चरण का कार्य पूरा कर देंगे तथा आगे की कार्रवाई भी युद्ध स्तर पर जारी रहेगी।

जिला बार एसोसिएशन के संजीव फोगाट बने अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

जसवंत सचिव, बिट्टा उपाध्यक्ष और कुलवीर कोषाध्यक्ष निर्वाचित

रुद्रपुर। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में मतगणना के बाद संजीव फोगाट अध्यक्ष, जसवंत सिंह सचिव इंद्रजीत सिंह बिट्टा उपसचिव मनोज सावंत, कोषाध्यक्ष पद पर कुलवीर सिंह ने जीत हासिल की। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में 10 पदों के लिए मतदान हुआ। इस बार कुल 604 मतदाता थे। इनमें से 572 मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया था।

अध्यक्ष पद पर संजीव फोगाट, चरनजीत सिंह व धर्मेंद्र कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष पद पर इंद्रजीत सिंह बिट्टा व जयंत दास, सचिव पद पर जसवंत सिंह,रघुवीर सिंह रावत व सर्वजीत कुमार सिंह एवं कोषाध्यक्ष पद पर कुलवीर सिंह, राजीव कुमार शर्मा, सतपाल सिंह कालरा एवं सुखदर्शन सिंह चुनाव मैदान में थे। मंगलवार को सुबह 11 बजे मतगणना की शुरुआत हुई जो रात करीब 9 बजे तक चली। मुख्य चुनाव अधिकारी नवीन चन्द्र, सहायक चुनाव अधिकारी भूपेंद्र सिंह, उमेश नाथ पांडे के मुताबिक 11 राउंड की मतगणना के बाद देर रात परिणाम घोषित किए गए। इसमें अध्यक्ष पद पर संजीव फोगाट 337 मत लेकर विजयी हुए। जबकि प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी चरनजीत सिंह 191 व धर्मेंद्र शर्मा को 37 मत मिले। उपाध्यक्ष पद पर इंदरजीत बिट्टा ने 297 मत लेकर अपने प्रतिद्वंदी 246 मत लेने जयंत दास को 51 मत से हराया। जबकि सचिव पद पर जसवंत सिंह ने 210 मत लेकर अपने प्रतिद्वंदी 184 मत लेने वाले सर्वजीत को 26 मतों से हराया। रघुवीर को 165 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर कुलवीर सिंह ने 208 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। जबकि, सुखदर्शन को 173, सतपाल को 128 व राजीव को 53 मत मिले। उपसचिव पद पर मनोज सामंत ने 225 मतों के साथ जीत दर्ज की। इस सीट पर अन्य प्रत्याशी दिनेश गुप्ता को 116, रवि रविन्द्र सिंह को 106 व हरबंश लाल को 43 मत मिले। इसके अलावा गिरिराज कुमार लेखा परीक्षक, गिरीश चंद्र चतुर्वेदी पुस्तकालय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। जबकि शाहिद हुसैन, जगदीश बिष्ट वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य और अंकित सिडाना, अभिषेक गुप्ता,लालू प्रसाद कनिष्ठ सदस्य चुने गए। जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया।

लंबित वादों का समय से किया जाए निस्तारणः जिलाधिकारी

मासिक स्टाफ बैठक में राजस्व वसूली में इजाफा के साथ ही बड़े बकायेदारों से सख्ती से वसूली करने के निर्देश दिए

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में मासिक स्टाफ बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व, परिवहन,आबकारी, पूर्ति आदि विभागों के अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों को लेकर समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तहसील स्तर पर लंबित विभिन्न वादों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि लंबित वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को राजस्व वसूली में इजाफा करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश देने के साथ ही राजस्व वसूली में की गई कार्यवाही की रिपोर्ट उपलब्ध करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को जनपद अंतर्गत कूड़े का उचित निस्तारण करने हेतु अभियान चलाकर गधेरो, बाजारों एवम् पार्कों में डाले जाने वाले कूड़े आदि की साफख्रसफाई करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवम् आबकारी, पुलिस विभाग को जनपद व जनपद अन्तर्गत पर्यटक क्षेत्रों में अवैध शराब पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने आपदाकाल को देखते हुए जिला

आपदा प्रबंधन अधिकारी व समस्त उपजिलाधिकारियों को आपस में सामंजस्य बनाते हुए कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया की मुख्यमंत्री घोषणा के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावित कार्यों को शुरू करने हेतु प्रक्रिया की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा की आपदा के दौरान सही समय पर सही सूचना का पहुंचना अत्यंत आवश्यक है जिस हेतु सूचना तंत्र को दुरुस्त करने की जरूरत है उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों में तैनात उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वह आपदा के दृष्टिगत स्थानीय आई टी बी पी, एसएसबी, बीआरओ एवं आर्मी के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने आपदा प्रबंधन हेतु प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों की जांच कर एवं उन्हें सुचारू रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक तहसील में एक कक्ष रिजर्व कर ले जहां पर सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कनेक्टिविटी हेतु पर्याप्त उपकरण उपलब्ध हो।

साथ ही आपदा के समय सीमा पर तैनात आईटीबीपी, एसएसबी, बीआरओ एवं आर्मी के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बैठक लेते हुए कानून व्यवस्था, राजस्व वसूली, वाद निस्तारण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दियें कि वे वादों का त्वरित निस्तारण करें तथा पुराने वादों में जल्द डेट लगाकर प्राथमिकता से निस्तारण करना सुनिश्चियत करें। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान देने के साथ ही वसूली में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये, ताकि शतप्रतिशत वसूली समय से हो सके तथा बड़े बकायेदारों से सख्ती से वसूली करने के निर्देश भी दिये।

जिलाधिकारी ने पेंशन ,आडिट आपत्ति, सूचना अधिकार, चरित्र सत्यापन, मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्व परिषद, शासन न्यायालय के संदर्भों पर त्वरित कार्यवाही कर निस्तारण करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अंत में जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को हर माह एक रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए जिसमें उनके क्षेत्र में जो भी कार्य किए गए हैं उनका ब्यौरा हो।बैठक में एडीएम योगेन्द्र सिंह, एसडीएम धारचूला, एसडीएम सदर मंजीत सिंह, एसडीएम बेरीनाग आशीष जोशी, एसडीएम डीडीहाट खुशबू पाण्डेय, तहसीलदार पिथौरागढ़ विजय गोस्वामी, तहसीलदार डीडीहाट पिंकी आर्य, अन्य तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित कलेक्ट्रेट के कार्मिक अधिकारी उपस्थित रहे।

नालियों पर हुए अतिक्रमण को हटाने को लेकर दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल रामनगर के कार्यकर्ताओं ने रामनगर के मोहल्लों में सड़कों के दोनों ओर नालियों पर हुए अतिक्रमण को हटाने को लेकर एक ज्ञापन नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम को दिया। बुधवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल रामनगर के कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम को दिए गए ज्ञापन में कहा कि रामनगर के मोहल्ला गूलरघट्टी खताड़ी, बंबाघेर,लखनपुर, पम्पापुरी,इंदिरा कॉलोनी, हनुमान गड़ी मुख्य बाजार आदि क्षेत्रों में सड़को के दोनों ओर नालियों पर लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में वाहनों के आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।छोटी बड़ी गाड़ियां नहीं निकल पाती हैं। उन्होंने बताया कि इन मोहल्ले में रहने वाले लोगों के द्वारा अपने वाहन भी घरों के सामने ही खड़ा करते हैं, जबकि अपने वाहनों को पार्किंग में खड़ा करना चाहिए।किसी की तबियत खराब होने पर एंबुलेंस भी नहीं जा सकती है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने की मांग की है। अतिक्रमण नहीं हटने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने जल्द कार्य करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान हृदेश शर्मा, सुनील वर्मा, भूपेंद्र मेहरा, नीरज वर्मा,कमल जोशी,प्रशांत तिवारी,अजय आदि मौजूद रहे।

सोमांश बने सुपर डांसर में मॉनिटर, मां कंचन को मिली राजमाता की कुर्सी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर शहर के एक नन्हे बालक सोमांश सिंह डंगवाल नें रामनगर का नाम रोशन किया है।उनके पिता पूर्व सैनिक और माता ग्रहणी हैं।वह एक शहीद दादा का पौता है, कहा जाए तो एक सैनिक परिवार का लाल जो लगातार अपनें कारनामों से आकाश की बुलंदियों को छू रहा है।

बता दें कि रामनगर के लिटिल चौंप बॉलीवुड कलाकार सोमांश सिंह डंगवाल जो पिछले 6 वर्षों से मुंबई में रह कर कई सीरियल, मूवी, गाने आदि कर चुके है।वह आज किसी परिचय के मोहताज भी नहीं हैं।हर कोई उन्हें जानता पहचानता है।आजकल सोमांश सुपर डांसर सीजन 5 मे अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे है,वैसे तो सोमांश अपनें डांस की वजह से खासा प्रसिद्ध है लेकिन सोनी टीवी मे चल रहे सुपर डांसर सीजन 5 मे सोमांश अपनी बातो को बेबाक तरीके से रखने के लिए जज गीता,फिल्म अभिनेत्री शिल्पा सेट्ठी और मर्जी सर के खासे चहेते बने हुए है।सोमांश की अपनी बहुत अच्छी फैन फॉलोइंग है, तब भी वह एक सामान्य बच्चे के भांति सबके बीच पहुंच जाते है,सुपर डांसर के मंच पर पहुंचे नन्हे कलाकारों मे सोमांश का अपना एक परिचय है।सभी जज सोमांश को हीरो कह कर बुलाते है।जो टैग उनके उज्ज्वल भविष्य को रेखांकित करता है और आगे चलकर उनके कैरियर पर एक मील का पत्थर साबित होगा।सोमांश के इन्ही कारनामो और डांस के उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण सोमांश को सुपर डांसर बच्चों के मॉनिटर का खिताब दिया गया है उनकी माता कंचन डंगवाल जो स्वयं इस कार्यक्रम मे अपनी पहचान बनाने मे सफल हुई है। इनको राजमाता का खिताब मिला है, जिससे वह खासा उत्साहित है। उनकी इस उपलब्धि पर सोमांश के पिता भुवन सिंह डंगवाल बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि सोमांश एक बहु प्रतिभागी वाला बालक है।जब से वह पैदा हुआ है।वह कृष्ण की भांति कुछ नई प्रतिभावों से हमें गौरवान्वित कराता रहा है।उसके कार्यो को देखकर कई बार मन मे भगवान कृष्ण के बाल्यकाल की यादे ताजा हो जाती है, उसकी प्रतिभा से मात्र मेरा परिवार नहीं बल्कि पूरा उत्तराखंड गौरव महसूस करता है। वह अभी बालक है उसे नहीं पता की वह किस उम्र मे ऐसे कार्य कर रहा है, जिस उम्र को हम बच्चों के खेलने कूदने की उम्र कहते है, वह बड़ो से ज्यादा समझदार और अपनें कार्यों मे निपुण है सोमांश के परिजन उससे काफी खुश हैं।सोमांश की वजह से उनके परिजन कई बार नेशनल टीवी के कार्यक्रमों मे अतिथि स्वरूप जा चुके हैं। उनके पिता भुवन डंगवाल ने बताया कि सोमांश को उत्तराखंड सरकार द्वारा उत्तराखंड गौरव प्रशंसा पत्र सरकार द्वारा जल्द दिया जाए।इस पर भी सरकार से उन्होंने अपील की है।ताकि सोमांश भविष्य मे उत्तराखंड को नई ऊचाईया प्रदान कर विश्व पटल पर गौरवान्वित कर सके।

नगर पालिका ने अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। नगर पालिका परिषद रामनगर द्वारा काशीपुर रोड पर किए जा रहे अस्थाई अतिक्रमण, गंदगी के खिलाफ अभियान चलाया गया।

नगर पालिका परिषद रामनगर के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने बताया कि बुधवार को काशीपुर रोड पर अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण और गंदगी करने पर छह लोगों पर कार्यवाही करते हुए कुल 3000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

बता दे कि बीते दिन मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल रामनगर के कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका प्रशासन और एसडीएम प्रमोद कुमार को काशीपुर रोड पर अतिक्रमण हटाने को लेकर ज्ञापन दिया था।इस दौरान नगर पालिका परिषद रामनगर के सफाई निरीक्षक लल्ला मियां,कर टैक्स निरीक्षक संजय मनराल आदि मौजूद रहे।

दुपट्टे से गला घोंटकर ज्योति मेर को मारा

योगा ट्रेनर हत्याकांड का खुलासा, अवैध सम्बंध बने हत्या की वजह

घटना की रात भर पीटा और फिर दुपट्टे से घोंट दिया था गला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुखानी क्षेत्र में हुई महिला योगा ट्रेनर ज्योति मेर की हत्या से पुलिस ने 20 दिन बाद पर्दा उठा दिया। ज्योति हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी अभय कुमार उर्फ राजा को नगला से गिरफ्तार किया। ज्योति जिस योगा सेंटर में काम करती थी, उसके मालिक अजय रघुवंशी से ज्योति से अवैध संबंध थे। ये राज अजय के छोटे भाई अभय के सामने फाश हो चुका था। जिसके बाद से दोनों भाइयों में दूरियां बढ़ गईं, इतनी की अजय ने अभय को न सिर्फ घर से निकाल दिया, बल्कि व्यापार भी उसके हाथ से निकलने लगा था। अभय ने इन सबका जिम्मेदार ज्योति को मान लिया था और इसी वजह से उसने ज्योति को पहले तो बेरहमी से पीटा और दुपट्टे से गला घोंट कर उसे मार दिया। पकड़े गए आरोपी के पास से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल करने वाला दुपट्टे भी बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। बुधवार को एसएसपी पीएन मीणा ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि मुखानी थानाक्षेत्र के जेके पुरम में किराए पर रहने वाली 35 वर्षीय ज्योति मेर की लाश उसी के कमरे में 31 जुलाई को मिली थी। एसएसपी ने बताया कि 3 अगस्त को मुखानी थाने में मृतका की मां दीपा मेर निवासी हल्दुचौड़, तुलारामपुर, लालकुआं ने मुखानी थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उनकी बेटी ज्योति मेर पत्नी कमल सबलानी, मूल निवासी जोधपुर, राजस्थान, जेके पुरम घर की तीसरी मंजिल पर रहती थी और पास ही स्थित अजय योगा एंड फिटनेस सेंटर में योगा ट्रेनर थी। दीपा ने सेंटर मालिक अजय यदुवंशी और उसके छोटे भाई अभय यदुवंशी उर्फ राजा पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि ज्योति मेर हत्याकांड को लेकर विशेष टीम का गठन किया और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और इसकी स्कैनिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक कैमरे में ज्योति के कमरे की दिशा से निकलता दिखाई दिया। हाव-भाव और स्थानीय इनपुट से उसकी पहचान अभय कुमार उर्फ राजा निवासी गोल चौक, वाल्मीकि नगर, पश्चिमी चंपारण बिहार के तौर पर हुई, जो वर्तमान में योगा सेंटर के परिसर में रहता था। इधर, मामले के तूल पकड़ने से पहले अभय फरार हो गया। लंबे समय तक वह नेपाल में ही छिपा रहा और इधर, लगातार पुलिस उसकी तलाश में दबिशें देती रही। तभी पुलिस ने बीते मंगलवार की रात्रि उसे नगला तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने बताया कि चन्दन डायग्नोसिस के टॉप फ्लोर पर उसके बड़े भाई का अजय फिटनेस योगा सेन्टर नाम से एकेडमी है। जिसे अभियुक्त का बड़ा भाई अजय व अभय चलाते थे। योगा सेन्टर में मेनेजमेन्ट के सारे काम अभय ही देखता था। सेन्टर में ज्योति मेर भी काम करती थी। इसी दौरान ज्योति और अजय की बीच अवैध संबंध के चलते अजय ने अपने भाई अभय को खर्चा देना बंद कर दिया और उसको अपने घर से निकाल दिया। आक्रोश में आकर अभय ने ज्योति के कमरे में रखे उसके दुपट्टे से पीछे से जाकर गला दबाकर हत्या कर दी और हत्या करने के बाद टैक्सी से बनबसा पहुंचा और वहां से नेपाल चला गया। गुडवर्क करने वाली टीम को एसएसपी पीएन मीणा ने ढाई हजार का ईनाम देने की घोषणा की। टीम में मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चंद्र जोशी, एसआई विरेंद्र चंद्र, एसआई बिरेन्द्र सिंह बिष्ट, एसआई नरेन्द्र कुमार, एसआई हरजीत सिंह, कांस्टेबल सुनील आगरी, रोहित कुमार, सुरेश देवड़ी, रविंद्र खाती, बलवंत सिंह, धीरज सुगड़ा, शंकर सिंह, राजेश, अरविंद, अनूप तिवारी, प्रवीण सिंह, गंगा मठपाल शामिल थे।

ज्योति के जख्मों ने बयां की थी हैवानियत

हल्द्वानी। अभय की हैवानियत ज्योति की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने बयां कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ज्योति के सिर के बाएं हिस्से पर गहरा घाव, दाहिने हाथ की कोहनी के पास घाव, पैरों के निचले हिस्से पर घाव और पीठ के ऊपरी हिस्से पर त्वचा फटी हुई थी। जबकि अंदरूनी चोटों की बात करें तो ज्योति की खोपड़ी में फ्रैक्चर था, मस्तिष्क में खून के थक्के जम चुके थे। पसलियों में भी चोट व अंदर खून जमा था और पेट के अंदर के अंगों जैसे लीवर में चोट और रक्तस्राव हुआ था।

पहचान छिपाने के लिए मुंडवा लिया था सिर

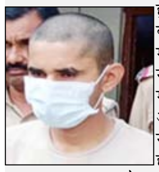

हल्द्वानी। पुलिस के चंगुल से बचने के लिए हत्यारोपी अभय ने अपना हुलिया तक बदलने की कोशिश की। उसने ज्योति को मौत के घाट उतारने से पहले अपना सिर मुंडवाया ताकि वारदात को अंजाम देने के बाद वो सीसीटवी कैमरों में कहीं पर भी अपने असल रूप में न दिखाई दे। हत्या के दिन उसने अपने चेहरे और सिर को ढक लिया था, ताकि अगर सीसीटीवी में नजर भी आए तो उसकी पहचान न हो सके। हालांकि अपनी चाल-ढाल को वह बदलना भूल गया और पुलिस की नजर में आ गया। पुलिस ने उसका फोटो बिहार तक के थानों तक पहुंचा दी थी। अभय जानता था कि पुलिस उसके पीछे है। उसने पुलिस को चकमा देने के लिए अपना सिर मुंडवा लिया था।

कांग्रेस नेता प्रदीप नेगी सड़क हादसे में घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक प्रदीप नेगी रविवार रात गाजियाबाद में सड़क हादसे में घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में उपचार देने के बाद डिस्टार्च कर दिया है। इलेक्ट्रिक बस के डिवाइडर पर चढ़ने से हादसा हुआ। कांग्रेस नेता प्रदीप नेगी ने बताया कि रविवार रात 11 बजे वह हल्द्वानी से दिल्ली के लिए रवाना हुए। सुबह करीब साढ़े चार बजे के आसपास डासना, गाजियाबाद के पास एकाएक बस डिवाइडर के ऊपर चढ़ गई। जिस कारण प्रदीप समेत बस में सवार सात से आठ लोग घायल हो गए। कांग्रेस नेता के नाक और हाथ में चोट आई। उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के बाद डिस्टार्च कर दिया गया। वह किसी निजी कार्य से दिल्ली जा रहे थे। सूचना मिलने के बाद परिजन हल्द्वानी से उनका हालचाल जानने दिल्ली चले निकल गए।

'पहाड़ी स्टोर' का भ्रमण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विकासखंड हल्द्वानी में आईएफएडी दिल्ली की टीम ने एसएचजी समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने कटघरिया के पास खुले एक आउटलेट 'पहाड़ी स्टोर' का भी भ्रमण किया। इसके पश्चात विकासखंड हल्द्वानी में समूह के क्लस्टर की महिलाओं के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में टीम द्वारा महिलाओं को वित्तीय समावेशन के बारे में जानकारी दी गई और उनके उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही महिलाओं से उनके उद्योग को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी मांगे गए। कार्यक्रम के समापन पर अभिजीत कुमार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए नैनीताल जनपद में चल रही गतिविधियों पर संतोष जताया। टीम में विजय तुली, अभिजीत कुमार और संपत चित्ती शामिल रहे, जबकि जनपद स्तर से तमंच की टीम के सदस्य अविनाश कुमार उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त हल्द्वानी ब्लॉक की टीम से एनआरएलएम के बीएमएम जानकी डसीला, खंड विकास अधिकारी तनवीर असगर और विकासखंड हल्द्वानी के सभी ग्राम विकास अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

यूओयू ने वृद्धाश्रम में बिखेरी खुशियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा 6वाँ राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह के अवसर पर भावनात्मक और शिक्षाप्रद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में विभाग के छात्र-छात्राओं ने हल्द्वानी स्थित श्री आनंद वृद्धाश्रम, रामपुर रोड का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने बुजुर्गों के लिए सांगीतिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे वृद्धाश्रम का वातावरण भावनाओं और प्रसन्नता से भर गया। बुजुर्गावस्था में स्वास्थ्य संरक्षण और निवारक उपाय विषय पर विभागीय संकाय द्वारा व्याख्यान भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर वृद्धाश्रम की संस्थापिका व तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित कनक चन्द और पर्यावरण संरक्षक मदन मोहन बिष्ट की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को प्रेरणादायी बना दिया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. रेनू प्रकाश के मार्गदर्शन में हुआ, जबकि राज्य समन्वयक एनएपीएसडब्ल्यूआई डा. नीरजा सिंह ने राज्य भर में ऐसे आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसका विषय था मानव स्वास्थ्य में सामाजिक सेतुओं का महत्व।

मनोज-दीपक की जोड़ी ने जीती ट्राफी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एसके बैडमिंटन आकादमी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में मनोज-दीपक की जोड़ी ने कमल गुरूरानी-नन्द किशोर की जोड़ी को फाइनल मुकाबले में 20-19 से हराकर ट्राफी पर कब्ज़ा जमा लिया। इससे पूर्व खेले गए क्वार्टरफाइनल के मुकाबलों में कमल गुरूरानी-नन्द किशोर ने गुड्डू-अक्षत की जोड़ी को, रोबिन-मुकेश ने संतोष-प्रीतम को, रचना-अमृत ने कमलेश-तुषार को तथा मनोज-दीपक की जोड़ी ने विक्रांत-अभिषेक को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई। सेमीफाइनल का पहला मैच नन्द किशोर-कमल तथा रचना-अमृत के बीच खेला गया। जिसमें 13 के मुकाबले 21 अंक लेकर कमल गुरूरानी-नन्द किशोर की टीम ने फाइनल में अपना स्थान बनाने में कामयाबी हासिल की। इसी प्रकार मनोज-दीपक तथा रोबिन-मुकेश के बीच खेले गए दूसरे मैच में 17 के मुकाबले 21 अंक प्राप्त करते हुए मनोज-दीपक ने फाइनल में प्रवेश किया। इस अवसर पर विजेता तथा प्रतिभागियों को अकादमी के निदेशक भरत दास, डा. प्रवीन्द्र कुमार रौतेला, मनमोहन सिंह, अरविन्द पाण्डेय तथा जगदीश जोशी ने पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए। खेल के दौरान अकादमी के निदेशक भरत दास, भास्कर कांडपाल, पंकज बिष्ट, कमल गुरुरानी, महेश जोशी, दीपक कठायत, तपन पाण्डेय, अमृत नेगी, पायल रावत, मुकेश अधिकारी, मनोज तिवारी, नन्द किशोर, भानु पन्त, अक्षत जोशी, ममता बिष्ट, नागेन्द्र गंगोला, रोबिन, कमलेश जोशी, चेतन रावत, समेत तमाम खेल प्रेमी तथा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सैलरी नहीं मिली, भीख मांगने लगे उपनल कर्मी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊं मंडल के सबसे बड़े डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय और राजकीय मेडिकल कॉलेज में कार्यरत 659 उपनल कर्मचारी पिछले 6 महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज हैं। इसीलिए इन दिनों सभी उपनल कर्मचारी अलग-अलग तरीकों से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार 20 अगस्त को उपनल कर्मचारी प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे और जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उपनल कर्मचारी ने भीख मांग कर प्रदर्शन भी किया। उपनल कर्मचारियों का हंगामा बढ़ता देख राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरुण जोशी भी उनको आश्वासन देने की कोशिश की, लेकिन हड़ताली कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि पिछले 6 महीना से उनका वेतन

नहीं मिला है। उनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब हो चुकी है। कर्मचारियों का कहना है कि अपनी मांगों को लेकर कॉलेज प्रशासन के साथ-साथ मुख्यमंत्री और शासन स्तर पर भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। उपनल कर्मचारियों ने बुधवार को मेडिकल कॉलेज प्राचार्य के कार्यालय भी पहुंचकर धरने बैठ गए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जमकर हंगामा भी हुआ। कर्मचारियों को मनाने के लिए मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य भी पहुंचे, लेकिन कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। हड़ताली कर्मचारियों ने मांग की है कि गैरसैंण में विधानसभा सत्र चल रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री को चाहिए कि कर्मचारियों को मांगों को देखते हुए विधानसभा में इसकी घोषणा करनी चाहिए। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरुण जोशी का कहना है कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर शासन स्तर पर वार्ता चल रही है। जल्द समाधान निकालने की उम्मीद जताई जा रही है। बजट मिलते ही कर्मचारियों का भुगतान कर दिया जाएगा।

एमबीबीएस में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमबीबीएस में दाखिले के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गयी है। पहले दिन बुधवार को छात्र अपने अभिभावकों के साथ कॉलेज पहुंचे। कॉलेज प्रशासन ने दाखिला प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए एकल खिड़की प्रणाली लागू की है।

इसके तहत छात्रों के दस्तावेजों की जांच, शपथ पत्र तैयार करना और मेडिकल जांच जैसे कार्य एक साथ किए जा रहे हैं। प्राचार्य डा. अरुण जोशी ने बताया कि राज्य कोटे की 109 एमबीबीएस सीटों पर दाखिले होंगे। पहले दिन 32 छात्रों ने दाखिला लिया। दाखिला प्रक्रिया अगले दो दिन तक चलेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'

स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363

R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656

मोबाइल-9720007290

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई: नगर आयुक्त

हल्द्वानी। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम ने मैजिक जीनी एजेंसी के साथ बैठक कर सख्त निर्देश जारी किए हैं। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने एजेंसी को निर्देश दिए कि सभी वाहन पूरी तरह चालू स्थिति में रखे जाए और उनमें लगी जीपीएस प्रणाली काम करती रहे। उन्होंने एजेंसी को दस दिनों के भीतर सभी वाहनों की फिटनेस जांच अनिवार्य रूप से पूरी करने को कहा है। इसके अलावा नगर निगम कार्यालय में शिकायत प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए एजेंसी को दो कर्मियों की तैनाती करने और दो हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए गए है। यह हेल्पलाइन नंबर वार्ड 1 से 33 तक की शिकायतों को सुनेंगे व समस्याओं का समाधान भी कराएंगे। साथ ही कर्मचारी नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का रजिस्टर भी संधारित करेंगे जिसका समय-समय पर परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एजेंसी को घर-घर और वाणिज्यिक क्षेत्रों से समय पर कचरा संग्रहण करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एजेंसी के प्रोजेक्ट हेड जसवीर सिंह, निर्भय सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (एसडब्ल्यूएम) से विवेक यादव मौजूद रहे।

गैरसैंण स्थायी राजधानी घोषित हो

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गैरसैंण को स्थाई राजधानी बनाए जाने की मांग को लेकर बुधवार को उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के पदाधिकारियों ने एसडीएम राहुल साह के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने सीएम को भेजे ज्ञापन में कहा कि उत्तराखंड राज्य बने 25 वर्ष पूरे होने के बावजूद स्थायी राजधानी का मुद्दा अब भी अनसुलझा है। जो राज्य आंदोलनकारियों का अपमान है। इस संबंध में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति ने गैरसैंण को स्थायी राजधानी घोषित करने की पुरजोर मांग उठाई, और कहा यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलनकारी जन आंदोलन की राह अपनाएंगे। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक राजनीतिक मांग नहीं, बल्कि जनभावनाओं से जुड़ा विषय है। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट, डीके जोशी, हेम चन्द्र पाठक, डीएस बिष्ट, दीपक रौतेला, भुवन चन्द्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला निंदनीय: सुमित हृदयेश

हल्द्वानी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले को लेकर हल्द्वानी के विधायक सुमित हृदयेश ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को बेहद निंदनीय करार देते हुए कहा कि लोकतंत्र में असहमति और वैचारिक मतभेद तो स्वाभाविक हैं, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

कार्यालय नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक, जनपद-पौड़ी गढ़वाल

प्रथम तल, पंचायत भवन, लक्ष्मणझूला-पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड-249302

Email-conpjonk@gmail.com

संख्या:- 350/निविदा/Legacy Waste/2025-26 दिनांक: 20 अगस्त, 2025

ई-निविदा सूचना (E-Tendering)

नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक, जनपद-पौड़ी गढ़वाल द्वारा 'नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक के कूड़ा निस्तारण स्थल पर एकत्रित Legacy Waste के निस्तारण का कार्य' हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2025 के प्राविधानों के अनुसार संस्था/फर्म/कम्पनी/ठेकेदार का चयन किया जाना है। इस हेतु उत्तराखण्ड शासन के पोर्टल https://uktenders.gov.in के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचना निम्नलिखित विवरण के अनुसार https://uktenders.gov.in पर उपलब्ध होंगी। निविदा से सम्बन्धित किसी भी परिवर्तन से सम्बन्धित सूचना भी https://uktenders.gov.in पर उपलब्ध होगी। निविदा कार्यवाही की तिथियाँ एवं समय-सारिणी निम्नवत् है:-

क्र0सं0	समय-सारणी	
1	निविदा ऑनलाईन प्रसारण की तिथि	दिनांक: 20-08-2025 को 15:00 बजे से
2	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि	दिनांक: 20-08-2025 को 16:00 बजे से
3	प्री-बिड बैठक की तिथि	दिनांक: 25-08-2025 को 10:00 बजे से 14:00 बजे तक
4	निविदा ऑनलाईन जमा करने की प्रारम्भ एवं समाप्ति तिथि	दिनांक: 27-08-2025 को 11:00 बजे से दिनांक: 10-09-2025 को 16:00 बजे तक
5	निविदा दस्तावेज एवं निविदा शुल्क कार्यालय में दस्ती जमा करने की अन्तिम तिथि	दिनांक: 11-09-2025 को 17:00 बजे तक
6	तकनीकि निविदा खोलने की तिथि	दिनांक: 12-09-2025 को 12:00 बजे
7	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	TBC
8	निविदा प्रपत्र शुल्क	रु. 5,900-00 (रु. पाँच हजार नौ सौ मात्र)

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम जौंक जनपद-पौड़ी गढ़वाल।

अध्यक्ष, नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम जौंक जनपद-पौड़ी गढ़वाल।

यूजेवीएन लिमिटेड

मुख्यालय : "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006, दूरभाष 0135-2763808, फैक्स नं0: 0135-2763508, सी.आई.एन. नं0 - U40101UR2001SGC025866, वेबसाईट : www.ujvnl.com

प.सं. 584 **निविदा सूचना** दि0: 20.08.2025

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (उत्पादन), रामगंगा जल विद्युत गृह, कालागढ़ (पौड़ी-गढ़वाल) इच्छुक निविदा दाताओं से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:-

नि0सं0-03/अधि0अभि0(उत्पादन)/केएलजी/2025-26

कार्य/आपूर्ति का नाम: 75 एम0वी0ए0, 11/143 के0वी0 जनरेटर ट्रांसफार्मर की ओवरहॉलिंग का कार्य।

अनुमानित लागत : रू0 24,90,000.00 (जीएसटी अतिरिक्त)

वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि : 21.08.2025

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 12.09.2025 ,16.00 बजे तक

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाइट "www.ujvnl.com" से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

"बिजली के दुरूपयोग से बचें" अधिशासी अभियन्ता (उत्पा0)

यूजेवीएन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी० एम० एस० रोड, देहरादून-248006 दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स : 0135-2763508 सी0आईएन0 सं0: U40101UR2001SGC025866, वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्र सं0: 582 दिनांक: 20/08/2025

अल्पकालिन ई-निविदा समय विस्तार सूचना-1

अपरिहार्य कारणों से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (आई0सी0एण्ड सी०एम0), यूजेवीएन लि0, गंगा भवन, यमुना कालोनी, देहरादून द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सं0: 02/अ0अ0(आई0सी0एण्ड सी०एम0)/2025-26 को निम्नानुसार विस्तारित किया जाता है-

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 27.08.2025, 16:00 बजे तक

मूल प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि : 28.08.2025, 16.00 बजे तक

निविदा खुलने की तिथि : 29.08.2025, 12:00 बजे

अन्य जानकारी हेतु कृपया वैबसाईट http://uktenders.gov.in देखें।

अधिशासी अभियन्ता (आई0सी0 एण्ड सी०एम0)

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

न्यायालय : न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, टिहरी गढ़वाल।

मूल वाद संख्या-73 सन-2025

बिनोद सिंह रावत

बनाम

श्रीमती सुचिता देवी

प्रेषिती,

श्रीमती सुचिता देवी पत्नी बिनोद सिंह रावत निवासी ग्राम व पो० खवाडा पट्टी बासर, तहसील बालगंगा, थाना घनसाली, जिला टिहरी गढवाल। हाल मायका ग्राम चंगोरा पट्टी आरगढ, पो० ओ० भनेडी, तहसील बालगंगा जिला टिहरी गढ़वाल।

बिनोद सिंह रावत ने आप के विरूद्ध अंतर्गत धारा (22(2) समान नागरिक संहिता सपठित 10(2) हिन्दू विवाह अधिनियम) के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 06-09-2025 को दिन में 10:30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए हाजिर होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं हाजिर हों। न्यायालय में आपकी उपस्थिति के लिए जो दिन नियत किया गया है, वह काउंसलिंग के लिए, वाद के अन्तिम निपटारे के लिए तथा दावे का उत्तर देने के लिए नियत दिन है, इसलिए आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है, और यदि आप ऊपर बताई गयी तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 20-08-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से प्रबन्धक/रीडर कुटुम्ब न्यायालय टिहरी गढ़वाल

टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

TATA पंजीकृत पता: 11वीं मंजिल, टावर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, गणपंत राव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013. CIN No. U67190MH2008PLC187552

डिमांड नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रत्यावर्तन) नियम, 2002 ("नियम") के नियम 3 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रत्यावर्तन अधिनियम, 2002 ("अधिनियम") की धारा 13(2) के अधीन

जैसाकि टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (टीसीएचएफएल) के अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम के अधीन और नियमों के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत अधिकारो का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए विवरण अनुसार इसमें सूचीबद्ध कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटरों (सभी को अकेले या एक साथ "बाध्यताधारी" कहा गया है) कानूनी वारिसों/कानूनी प्रतिनिधियों को संबंधित नोटिसों की तिथियों से 60 दिन के अंदर मांग सूचना मे निर्दिष्ट राशि का भुगतान करने की अपील करते हुए अधिनियम की धारा 13(2) के अधिन विस्तृत मांग सूचना दिनांक जारी किए गए थे. कथित सूचना की प्रतियां पंजीकृत डाक ए. डी. द्वारा तामील की गई हैं और अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास उपलब्ध हैं और यदि कथित बाध्यताधारी/कानूनी वारिस/कानूनी प्रतिनिधि चाहें तो किसी भी कार्यालय दिवस को सामान्य कार्यावधि के दौरान अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त कर सकते है। उपर्युक्त संबंध में एतद द्वारा कथित बाध्यताधारीयों/कानूनी वारिसों/ कानूनी प्रतिनिधियों को एक बार पुन: सुचित किया जाता है कि कथित बाध्यताधारियों द्वारा निष्पादित ऋण के करार एवं अन्य दस्तावेजों/विलेखों के साथ पठित नीचे कॉलम (डी) में संबंधित तिथि से भुगतान और/या वसुली की तिथि तक आगामी ब्याज सहित इसमें उनके संबंधित नामों के समक्ष निर्दिष्ट राशि संबंधित सूचना की तिथियों से 60 दिन के अंदर टीसीएचएफएल को भुगतान करें. **कथित बाध्यताधारियों द्वारा निम्नलिखित सुरक्षित आस्तियां कर्ज के देय भुगतान की सुरक्षा के रुप में टीसीएचएफएल के लिए गिरवी रखी गई है।**

ऋण खाता नम्बर	बाध्यताकारी का नाम/ कानूनी उत्तराधिकारी (एस) कानूनी प्रतिनिधि (ओं)	नीचे दी तिथि तक कुल बकाया देय (रु.)	मांग सूचना तिथि एनपीए की तिथि
TCHHF03 74000100 094938 & TCHIN037 40001003 04924 & TCHIN037 40001001 97416 & TCHIN037 40001000 95129	श्री राज कुमार तारिका (उधारकर्ता) और श्रीमती किरण देवी और मैसर्स मोबाइल गुरु इसके मालिक के माध्यम से (सह-उधारकर्ता)	05.08.2025 तक देय धनराशि रू. 17,28,717/- (रु. सत्रह लाख अट्ठाईस हजार सात सौ सत्रह मात्र) ऋण खाता TCHHF03 74000100094938 के तहत तथा आपके द्वारा देय धनराशि रू. 1,63,495/- (रु. एक लाख तिरेसठ हज़ार चार सौ पंचानवे मात्र) ऋण खाता TCHIN037 40001000 95129 के तहत तथा आपके द्वारा देय धनराशि रू. 2,61,060/- (रु. दो लाख इकसठ हज़ार साठ मात्र) आपके ऋण खाता TCHIN03740001003 04924 के अंतर्गत देय यानी कुल मिलाकर रू. 26,43,957/- (रु. छब्बीस लाख तैंतालीस हज़ार नौ सौ सत्तावन मात्र)	05-08-2025 & 01-08-2025
सुरक्षित संपत्तियों/अचल संपत्तियों/बंधक संपत्तियों का विवरण:- वह सभी टुकड़े और पार्सल पर डबल स्टोरी दुकान संपत्ति नंबर 721/663, खसरा नंबर 206 मिन में शामिल, एरिया क्षेत्रफल 16.10 वर्ग मीटर में निर्मित मौज़ा अजबपुर कलां, परगना पछवा दून, जिला देहरादून, उत्तराखंड **बिक्री विलेख में उल्लिखित सभी सामान्य सुविधाओं के साथ। सीमाएँ:- पूर्व:** सड़क, **पश्चिम:** संपत्ति श्री भंडारी, **उत्तर:** हरिद्वार रोड, **दक्षिण:** संपत्ति श्री बिष्ट।			
TCHHL0 73100010 0141302 & TCHIN07 3100010 0142610	श्री मोहम्मद रहीसु (उधारकर्ता) और श्रीमती जसामिन (सह-उधारकर्ता)	06.08.2025 तक देय धनराशि रू. 10,79,050/- (रु. दस लाख उनासी हज़ार पचास मात्र) ऋण खाता TCHHL0 731000100141302 के तहत आपके द्वारा देय धनराशि तथा रू. 75,237/- (रु.पचहत्तर हज़ार दो सौ सैंतीस मात्र) आपके ऋण खाता TCHIN07 31000100142610 के अंतर्गत देय यानी कुल मिलाकर रू. 11,54,287/- (रु. ग्यारह लाख चौवन हज़ार दो सौ सत्तासी मात्र)	06-08-2025 & 03-08-2025
सुरक्षित संपत्तियों/अचल संपत्तियों/बंधक संपत्तियों का विवरण:- वह सभी टुकड़े और पार्सल पर प्लॉट नंबर 25 के एक भाग पर निर्मित आवासीय भवन, क्षेत्रफल 322 वर्ग फीट अर्थात 29.92 वर्ग मीटर (साईट - पूर्व 14 फीट, पश्चिम 14 फीट, उत्तर 23 फीट और दक्षिण 23 फीट), कुल ढका हुआ क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट अर्थात 55.76 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 1514 में शामिल, **ग्राम ज्वालापुर, नगर निगम सीमा के बाहर, परगना ज्वालापुर, तहसील और जिला हरिद्वार - 249407 (उत्तराखंड), बिक्री विलेख में उल्लिखित सभी सामान्य सुविधाओं के साथ। सीमाएं: पूर्व:** अन्य भूमि, **पश्चिम:** रास्ता 15' चौड़ा, **उत्तर:** बेबी का घर, **दक्षिण:** विक्रेता की संपति।			
1040 4637	श्री इंद्रबीर तोमर (उधारकर्ता) और श्रीमती रेखा तोमर (सह-उधारकर्ता)	08.08.2025 तक देय धनराशि रू. 10,83,135/- (रु. दस लाख तिरासी हज़ार एक सौ पैंतीस मात्र)	08-08-2025 & 03-08-2025
सुरक्षित संपत्तियों/अचल संपत्तियों/बंधक संपत्तियों का विवरण:- वह सभी टुकड़े और पार्सल पर क्वार्टर नंबर 3, ब्लॉक नंबर 41, नगर पालिका नंबर 250, **क्षेत्रफल 73.33 वर्ग मीटर, निर्मित क्षेत्रफल 55.13 वर्ग मीटर (छत अधिकार के बिना), चुक्खूवाला देहरादून उत्तराखंड, बिक्री विलेख के अंतर्गत सभी सामान्य सुविधाओं सहित। सीमाएँ: पूर्व:** रोड, **पश्चिम:** माधव निवास, **उत्तर:** राजीव लावा, **दक्षिण:** बबलू अरोड़ा।			

संबंधित मांग सूचना दिनांक में विशेष रुप से निदिष्ट दर पर आगामी ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, अदायगी और/या वसूली की तिथि तक उठाया गया आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क इत्यादि. यदिजैसा की ऊपर कहा गया है कथित बाध्यताधारी टीसीएचएफएल को भुगतान नहीं करेंगे तो टीसीएचएफएल खर्च एवं परिणाम के रुप में पूरी तरह से कथित बाध्यताधारीयों/कानूनी वारिसों/कानूनी प्रतिनिधियों के जोखिम पर कथित अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपर्युक्त सुरक्षित आस्तियों / अचल संपत्तियों के लिए कार्यवाही करेगा। कथित बाध्यताधारी/कानूनी वारिस/कानूनी प्रतिनिधि टीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना उपर्युक्त सुरक्षित आस्तियों/अचल संपत्तियो को बिक्री, पट्टा या अन्य किसी भी रुप में हस्तांतरित करने के लिए कथित अधिनियम के अधीन प्रतिबंधित हैं.अधिनियम के प्रावधानों या उसके अधीन बने नियमों का उल्लंघन या उल्लंघन करने के लिए उकसाने वाला व्यक्ति अधिनियम के अंतर्गत यथा विहित सजा और/या दंड का पात्र होगा।

दिनांक: 21.08.2025, स्थान: देहरादून

एसडी/-अधिकृत अधिकारी टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड।

रैंकिंग से रोहित-कोहली के नाम गायब

वनडे बैटर्स रैंकिंग

पिछले हफ्ते टॉप-5 में शामिल थे दोनों भारतीय बल्लेबाज, शुभमन गिल टॉप पर कायम

मुंबई, वार्ता। एशिया कप के लिए उपकप्तान नियुक्त किए जाने से यह तो तय हो गया है कि इस बल्लेबाज ने ऊंची छलांग लगाई है।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा के समय चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर से पूछा गया कि क्या शुभमन गिल की सभी प्रारूपों के कप्तान के रूप में ताजपोशी शुरू हो चुकी है, प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगरकर के साथ सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में यह सवाल थोड़ा अजीब लग रहा था, लेकिन फिर यही हकीकत लगती है, या यूं कहें कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य। भारतीय क्रिकेट में गिल युग की अच्छी और सही शुरुआत हो गई है, भले ही वह वर्तमान में केवल ट्वेंटी-20 प्रारूप में ही उप-कप्तान हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद, चयनकर्ताओं के अध्यक्ष ने इस युवा खिलाड़ी की जमकर सराहना करते हुए कहा कि हमें उनमें नेतृत्व के गुण नजर आते हैं, और इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन वैसा ही रहा जैसी हमें उम्मीद थी। उन्होंने हमारी सभी उम्मीदों को पार कर दिया। एक कप्तान के तौर पर जब आप पर इतना दबाव होता है, तब उन्होंने अपने बल्ले से जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह एक बेहतरीन संकेत है। गिल ने आखिरी बार एक साल से भी ज्यादा समय पहले (जुलाई 2024 में श्रीलंका में) टी-20 मैच खेला था, और मंगलवार (19 अगस्त) को चयन बैठक से कुछ घंटे पहले तक ऐसा लग रहा था कि वह एशिया कप में नहीं खेलेंगे। फिर भी, वह टीम के उप-कप्तान हैं, सूर्यकुमार के बाद टीम के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण सदस्य हैं, और टीम प्रबंधन का हिस्सा हैं जो अहम फैसले लेगा। अब यह तय लग रहा है कि गिल शीर्ष क्रम पर-पहले, दूसरे या तीसरे नंबर पर-बल्लेबाजी करेंगे, जिससे संजू सैमसन (अभिषेक शर्मा के साथ मौजूदा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सलामी बल्लेबाज) और तिलक वर्मा (तीसरे नंबर पर बल्लेबाज) की जगह खतरे में पड़ जाएगी। अगरकर ने संकेत तो दिए, लेकिन यह पुष्टि नहीं की कि टेस्ट कप्तान, जो आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए ओपनिंग करते हैं, एशिया कप में भी ऐसा ही करेंगे या नहीं। चयन समिति के अध्यक्ष ने कहा कि संजू इसलिए खेल रहे थे क्योंकि शुभमन और यशस्वी उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने आगे कहा कि वह (गिल) पिछली बार टी-20 क्रिकेट खेलते समय उप-कप्तान थे। अब जब वह उपलब्ध हैं, तो बल्लेबाजी क्रम चुनना उनका सिरदर्द है। 15 खिलाड़ियों को चुनना हमारा सिरदर्द है। हमारे पास काफी गहराई है। अगरकर ने आगे स्पष्ट किया कि अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अछूते हैं। अभिषेक के प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें बाहर रखना मुश्किल है। आईपीएल में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 650 रन बनाने वाले गिल के शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने की पूरी संभावना है। सूर्यकुमार ने बल्लेबाजी क्रम का खुलासा नहीं किया।

केशव महाराज वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में फिर बने नंबर-1

- **महाराज केर्न्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच में पहली बार पांच विकेट लेने के बाद रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे**

दुबई, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे केशव महाराज पुरुष एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में एक बार फिर से नंबर एक गें. दबाज बन गए है। महाराज मंगलवार को केर्न्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में पहली बार पांच विकेट लेने के बाद एक बार फिर से शीर्ष रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। बाए हाथ के स्पिन गेंदबाज महाराज ने दो स्थान की छलांग लगाकर श्रीलंकाई स्पिनर महेश दीक्षाना (दूसरे) और भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव (तीसरे) को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज ने पहली बार नवंबर 2023 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के हालिया संस्करण के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पछाड़ते हुए नंबर वन एकदिवसीय गेंदबाज रैंकिंग हासिल की थी। तब से वह स्पिनर रैंकिंग में शीर्ष पांच स्थानों में अपनी जगह बनाए हुए है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में सीरीज के दौरान 10 विकेट लेकर 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर जगह बनाई है, जबकि पाकिस्तान के अबरार अहमद तीन मैचों की सीरीज के दो मेचों में तीन विकेट लेकर 15 पायदान ऊपर चढ़कर 39वें स्थान पर है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी एडन मारक्रम (चार स्थान ऊपर 21) और टेम्बा बावुमा (पांच स्थान ऊपर 23) दोनों ने ऑस्ट्रेलिया के साथ चल रही श्रृंखला के शुरुआती मैच में अर्द्धशतक लगाने के बाद एकदिवसीय बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में बढ़त हासिल की है।

संक्षिप्त खेल समाचार

जैनिक सिनर ने यूएस ओपन मिश्रित युगल से नाम वापस लिया

न्यूयॉर्क, वार्ता। इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर बीमारी का हवाला देते हुए सिनसिनाटी ओपन के फाइनल मैच से रिटायर होने के बाद यूएस ओपन मिश्रित युगल से अपना नाम वापस ले लिया है। यूएस ओपन 2025 ने मंगलवार को पुष्टि की कि जैनिक सिनर ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ अपने निर्धारित मिश्रित युगल के पहले दौर से नाम वापस ले लिया है। सिनर और सिनियाकोवा की जोड़ी को लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में बेलिंडा बेनसिक व ज्वेरेव की मिश्रित युगल जोड़ी से मुकाबला करना था लेकिन सिनर के इस टूर्नामेंट से हटने के बाद अब उनकी जगह वैकल्पिक टीम में डेनियल कॉलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को जगह दी गई है।

टाटा मुंबई मैराथन 2026 के लिए पंजीकरण अब शुरू

मुंबई, वार्ता। अपने 20वें संस्करण की ऐतिहासिक सफलता के बाद, एशिया की सबसे प्रतिष्ठित टाटा मुंबई मैराथन, देश को एकजुट करने वाली अजेय 'मुंबई स्पिरिट' का जश्न मनाने के लिए नए जोश के साथ लौट रही है।

प्रवर्तक प्रोकैम इंटरनेशनल ने घोषणा की है कि 21वें संस्करण के लिए पंजीकरण आज, बुधवार, 20 अगस्त 2025 को शुरू हो गए हैं। 389,524 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस, रविवार, 18 जनवरी, 2026 को छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से शुरू होगी। टाटा मुंबई मैराथन सिर्फ एक दौड़ से कहीं ज्यादा, भारत का सबसे बड़ा सहभागी खेल मंच है,जहां हर क्षेत्र के लोग अपनी सीमाओं को पार करने, नई शुरुआत करने और एकजुट होकर दौड़ने के लिए एक साथ आते हैं।

हीरो एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, वार्ता। हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जायेगा। एफआईएच हॉकी विश्वकप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट में भारत को जापान, चीन और कज़ाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा, उसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाकिस्तान से भिड़ेगा। इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम की कप्तान करेंगे। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी भरोसेमंद कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे।

डिफेंस में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रो. हिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह भी शामिल होंगे, जो रक्षात्मक पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह शामिल हैं। आक्रमण की अगुवाई मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह करेंगे, जो विपक्षी डिफेंस को परेशान करने के लिए भरपूर क्षमता प्रदान करेंगे।

सौरभ-सुरुचि ने मिश्रित टीम में जीता ब्रॉन्ज

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप

- **भारत के सौरभ और सुरुचि की जोड़ी ने चीनी ताइपे की टीम को 17-9 से हरा कर यह उपलब्धि हासिल की**

श्यामकेंट, वार्ता। कजाकिस्तान के श्यामकेंट शहर में चल रहे एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारत के सौरभ चौधरी और सुरुचि इंदर सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस जोड़ी ने चीनी ताइपे की टीम को 17-9 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले मंगलवार को भारत की स्टार निशानेबाज और दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

क्वालिफिकेशन राउंड में पांचवें स्थान पर रहे सौरभ और सुरुचि ने क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 578 अंक हासिल किए और पां. चवें स्थान पर रहकर मेडल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। सुरुचि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली सीरीज में परफेक्ट 100 अंक स्कोर किए। हालांकि, दूसरी सीरीज में उनका स्कोर 94 रहा, लेकिन तीसरी सीरीज में उन्होंने 98 अंक बनाकर वापसी की। दूसरी ओर, सौरभ ने तीनों सीरीज में क्रमशः 95, 96 और 95 अंक बनाए। दोनों ने मिलकर क्वालिफिकेशन राउंड में 578 अंकों के साथ आठ टीमों के मेडल राउंड में जगह बनाई। मनु ने सुरुचि सिंह और पलक गुलिया के साथ मिलकर टीम इवेंट में भी भारत को ब्रॉन्ज दिलाया। 17 साल की सुरुचि इस सीजन में शानदार फार्म में हैं।

उन्होंने इस साल चार वर्ल्ड कप मेडल जीते हैं और इस चैंपियनशिप में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया मेडल राउंड में सौरभ और सुरुचि ने चीनी ताइपे की लियू हेंग-यू और सिंएह सियांग-चेन की जोड़ी को 17-9 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने एशियाई निशानेबा. जी चैंपियनशिप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की।

इंग्लैंड श्रीलंका के साथ सीमित ओवर मुकाबले में भिड़ेगा

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम 2026 की शुरुआत में टी-20 विश्व कप से पहले सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने श्रीलंका के साथ तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों वाले दौरे के कार्यक्रम की घोषणा कर दी हैं। श्रीलंका के दौरे पर इंग्लैंड 22,24 और 27 जनवरी को तीन एकदिवसीय मैच खेलगा। इसके बाद इसके बाद 30 जनवरी, एक फरवरी और तीन फरवरी को टी-20 मैच खेले जाएंगे। मैचों के स्थल अभी तय नहीं हुए हैं। यह टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले विश्वकप की तैयारी का हिस्सा होगी।

एडम जम्पा को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार

- **एडम जम्पा को खिलाड़ियों और सहयोग स्टाफ के लिए आचार संहिता का उल्लंघन करते पाया गया**

दुबई, वार्ता। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को मंगलवार को केर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। जम्पा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-3 का उल्लंघन करते पाया गया, जो 'अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लीलता के प्रयोग' से संबंधित है। इसके अलावा, जम्पा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह

घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 37वें ओवर में हुई, जब जम्पा ने अपनी गेंद पर मिसफील्ड और ओवरथ्रो के बाद अनुचित भाषा का प्रयोग किया, जिसे स्टंप के माइक्रोफोन पर रिकॉर्ड किया गया और प्रसारित किया गया। जम्पा ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर क्रिस गैफनी और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर रिचर्ड इललगवर्थ और चौथे अंपायर डोनोवन कोच ने आरोप लगाए। स्तर 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव

शीर्ष राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय एथलीट करेंगे प्रतिस्पर्धा

- **देश के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय एथलीट डल झील पर आयोजित होने वाले पहले खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव में दांव पर लगे 24 स्वर्ण पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे**

श्रीनगर, वार्ता। देश के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय एथलीट यहां प्रतिष्ठित डल झील पर आयोजित होने वाले पहले खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव में दांव पर लगे 24 स्वर्ण पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

तीन दिवसीय इस आयोजन में 400 से अधिक एथलीट नौकायन, कैनोइंग और कयाकिंग जैसे पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव 2025 पहली समेकित ओपन-एज श्रेणी चैंपियनशिप होगी, जिसमें सभी 14 कयाकिंग और कैनोइंग स्पर्धाएँ और 10 नौकायन स्पर्धाएं ओलंपिक स्पर्धाएं होंगी। जल खेलों के रोमांच को और बढ़ाने के लिए, तीन प्रदर्शनी स्पर्धाएं होंगी - वाटर स्कीइंग, शिखर बोट स्प्रिंग और ड्रैगन बोट रेस। केआईडब्ल्यूएसएफ में 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा लेंगे। इनमें उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा और केरल के एथलीटों पर सबकी निगाहें होंगी। प्रतियोगिता प्रबंधक, पूर्व विश्व कप विजेता कैनोइस्ट और ओलंपिक जज, बिलकिस मीर ने कहा कि चूँकि सर्विसेज इन खेलों में एक टीम के रूप में हिस्सा नहीं लेगी, इसलिए यह देखना अच्छा होगा कि राज्य कैसे प्रतिस्पर्धा करते हैं और कैसा प्रदर्शन करते हैं।

कोर्स को सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और हम पूरी तरह तैयार हैं। खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल, खेलो इंडिया कैलेंडर में एक नया आयोजन है। 2025 में, दो नए कार्यक्रम जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया बीच गेम्स मई में दीव में हुए थे। खेलो भारत नीति के अनुसार, वाटर गेम्स और बीच गेम्स दोनों का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और पर्यटन को आकर्षित करना है। मध्य प्रदेश की वाटर स्पोर्ट्स एथलीट सुहानी मीना, जो नौकायन में भाग लेंगी, ने कहा कि वह कश्मीर आकर बहुत खुश हैं।

उन्होंने कहा कि यह जल-क्रीड़ा एथलीटों के लिए एक शानदार अवसर है क्योंकि हमें राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में भाग लेने के लिए साल भर में बहुत कम अवसर मिलते हैं। अब खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 हमें उत्कृष्टता हासिल करने का मौका देगा। कयाकिंग और कैनोइंग के लिए, पिछली राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं नवंबर में टिहरी (उत्तराखंड) में आयोजित की गई थीं, जिन्हें क्वालीफायर के रूप में वर्गीकृत किया गया था। एकल और युगल में शीर्ष 15 और शीर्ष आठ चार खिलाड़ी केआईडब्ल्यूएसएफ में भाग लेंगे। नौकायन में, इस वर्ष मार्च में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के शीर्ष आठ खिलाड़ी भाग लेंगे।

इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर का भी तड़का होगा। दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने वाले सेना के नौकायन खिलाड़ी अर्जुन लाल जाट मुख्य आकर्षणों में से एक होंगे। 28 वर्षीय जाट ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भाग लिया है और हांगझाऊ में 2022 एशियाई खेलों में लाइट-वेट डबल स्कल्स में रजत पदक जीता है। जाट ने कहा कि यह मेरा पहला खेलो इंडिया इवेंट है और मैं पुरुषों की सिंगल स्कल्स स्पर्धा में भाग लूंगा। मुझे उम्मीद है कि इसमें भाग लेने वाली प्रत्येक टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

चौथा कैप्टेंस कप: अनबू कॉम्बैट क्लब बना चैंपियन

- **भारत के सबसे व्यापक मार्शल आर्ट्स आयोजनों में से एक बन गया है, हर दिन लगभग 7 फाइटर्स खेल रहे**

कोलकाता, वार्ता। माइक्स मार्शल आर्ट्स द्वारा राष्ट्रीय कॉम्बैट स्पोर्ट्स फेडरेशन के सहयोग से आयोजित चौथी कैप्टेंस कप मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप कोलकाता में सफलता पूर्वक संपन्न हो गई। यह चार दिवसीय प्रतियोगिता (15 से 18 अगस्त) देशभर से आए फाइटर्स, डोजो और मार्शल आर्ट्स प्रेमियों को एक मंच पर लेकर आई, जिसने मुकाबले के जज्बे और अनुशासन की असली भावना को दर्शाया। चैंपियनशिप में काटा (फॉर्म्स), फुल कॉन्टैक्ट कराटे, किकबॉलक्सग, और ब्राजीलियन जिउ-जित्सु/ग्रैपलिंग जैसी विधाओं को शामिल किया गया, जिससे यह भारत के सबसे व्यापक मार्शल आर्ट्स आयोजनों में से एक बन गया। हर दिन लगभग 60 फाइटर्स ने 80 से अधिक कैटेगरीज में मुकाबला किया। कुल मिलाकर 14 डोजो-केरल, महाराष्ट्र, असम और पश्चिम बंगाल से-इस प्रतियोगिता का हिस्सा बने। महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जो कुल प्रतिभागियों का 39प्रतिशत थी, यह संकेत है कि कॉम्बैट स्पोर्ट्स में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। प्रतियोगिता में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें प्रमुख रहीं ऋषिका बनर्जी, जो वर्तमान में यूथ यूरोपियन ओपन फुल कॉन्टैक्ट कराटे चैंपियन हैं, और स्नेहा सामंता, जो आगामी कराटे वर्ल्ड कप (जापान, नवंबर) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

वापसी के लिए तैयार हैं उमरान मलिक

उमरान तमिलनाडु में चल रहे बुची बाबू टूर्नामेंट से ऐक्शन में वापसी करने के लिए तैयार है

चेन्नई, वार्ता। चोट और बीमारी के कारण 2024-25 का घरेलू सीजन और आईपीएल 2025 छूटने के बाद तेज गेंदबाज उमरान मलिक, तमिलनाडु में चल रहे बुची बाबू टूर्नामेंट से ऐक्शन में वापसी करने के लिए तैयार हैं। 25 साल के मलिक बुची बाबू टूर्नामेंट के पहले राउंड में नहीं खेल रहे हैं, जो 18 अगस्त को चेन्नई में शुरू हुआ। लेकिन वह दूसरे राउंड में जम्मू कश्मीर की ओर से बड़ौदा के खिलाफ 22 अगस्त से खेलेंगे। मलिक आखिरी बार आईपीएल 2024 में खेलते दिखे थे। हैमस्ट्रिंग और कूल्हे की चोट से उबरने के बाद उन्हें लगता है कि उनका शरीर घरेलू क्रिकेट की कठिनाईयों को झेलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मुझे अच्छा लग रहा है। मैंने लंबे समय से क्रिकेट नहीं खेला है। मैं सात-आठ महीने चोटिल भी था। वह एक मुश्किल दौर था। लेकिन अब वापसी करके बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने हाल ही में कश्मीर में काफी लाल गेंद की क्रिकेट और टी-20 मैच खेले हैं। वह हमारा रजिस्ट्रेशन कैंप था। हम बुची बाबू (टूर्नामेंट) के लिए चेन्नई आए। मैं अभी जितने मैच खेल सकूं, उतना अच्छा है। यह मेरे शरीर के वर्कलोड के लिए अच्छा है। मैं वापसी कर चुका हूं और इस सीजन अच्छा करूंगा। यही मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि निशांत (बोर्डोलोई, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच) मेरी मदद कर रहे थे। तुलसी (राम युवराज, फिजियो) सर और सुरेश (राठौड़, फिजियो सर और (वीवीएस, लक्ष्मण (सीओई प्रमुख) सर ने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसकी जरूरत थी। बीसीसीआई का शुक्रिया। चोट किसी भी स्पोर्ट्समैन की लजदगी का हिस्सा है। यह होना ही है। उस समय मैंने खुद को मजबूत रखा, अपना माइंडसेट सही रखा। अब सब ठीक है। मलिक ने पहली बार 2022 आईपीएल में सबका ध्यान खींचा था, जब उन्होंने 156-9 किमी/घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए 14 मैचों में 22 विकेट लिए। उसी साल उन्हें भारत की सीमित ओवर टीमों में जगह मिली, लेकिन इसके बाद से चोटों ने लगातार उनके करियर को प्रभावित किया है।

खिलाड़ियों की देखभाल और प्रदर्शन को लेकर हरियाणा स्टीलर्स और फ्रिडो ने की साझेदारी

नई दिल्ली, वार्ता। प्रो कबड्डी लीग 2025 में खिलाड़ियों की देखभाल और प्रदर्शन को नये स्तर पर ले जाने के लिए हरियाणा स्टीलर्स और फ्रिडो के बीच साझेदारी हुई है। भारत के अग्रणी डी2सी एर्गोनॉमिक ब्रांड फ्रिडो ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की टीम हरियाणा स्टीलर्स के साथ साझेदारी का ऐलान किया है। अब 29 अगस्त से शुरु हो रही प्रो कबड्डी लीग 2025 में फ्रिडो टीम का आधिकारिक साझेदार होगा। यह साझेदारी केवल स्पॉन्सरशिप नहीं है, बल्कि इसमें फ्रिडो के एडवांस ऑर्थोटिक सॉल्यूशन्स को खिलाड़ियों के प्रदर्शन और वापसी से सीधे जोड़ा गया है। कबड्डी जैसा तेज-तर्रार और हाई-कॉन्टैक्ट खेल हर रेड, टैकल और स्प्रिंट में खिलाड़ियों के घुटनों और जोड़ों पर भारी दबाव डालता है। ऐसे में चोट से बचाव और तेजी से वापसी ही तय करती है कि खिलाड़ी मैदान पर टिके रहेंगे या बाहर बैठेंगे। फ्रिडो के नीकैप सपोर्ट्स, पोस्टचर करेक्टर्स और रिस्ट ब्रेसेज खिलाड़ियों को अतिरिक्त सुरक्षा, स्थिरता और आत्मविश्वास के साथ पूरे सीजन खेलने में मदद करेंगे। इस अवसर पर फ्रिडो के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी गणेश सोनवणे ने कहा कि कबड्डी में विस्फोटक मूवमेंट और जबरदस्त लोअर-बॉडी स्ट्रेंथ की जरूरत होती है। घुटनों पर सबसे ज्यादा दबाव पड़ता है और उनकी सुरक्षा खिलाड़ियों के करियर की लंबी उम्र और प्रदर्शन दोनों के लिए अहम है। फ्रिडो में हम प्रिवेंटिव हेल्थकेयर पर विश्वास रखते हैं।

आखिर मुस्लिम हितैषी होने का दम भरने वाली कांग्रेस मुस्लिम मुद्दों पर चुप क्यों?

अल्पसंख्यक विधेयकों पर शहजाद ने उठाई आवाज

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी/ लक्सर। विधानसभा सत्र में राज्य सरकार ने कई विधेयक पास होने के लिए रखे गये जिसमें धर्मांतरण विधेयक में सजा का प्रावधान के अलावा अब दूसरा मदरसा बोर्ड की बजाय उत्तराखण्ड अल्पसंख्यत शिक्षा विधेयक भी रखा गया लेकिन अफसोस की बात है कि मुस्लिम हितों की हामी भरने वाले या यह कहें कि मुस्लिम समाज को अपना वोट बैंक समझने वाली विपक्ष कांग्रेस इन विधेयकों पर क्यों चुप्पी साधे हुए हैं। क्यों इन विधेयकों पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने आवाज नहीं उठायी इसके पीछे आखिर कांग्रेस का क्या मकसद है। यह तो विपक्ष ही जाने।

बसपा विधायक हाजी मौ. शहजाद ने धर्मांतरण व उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक पर अपना विरोध दर्ज कराते हुए इन विधेयकों पर चर्चा के लिए संसोधन प्रसंग लगाये ताकि इन पर चर्चा की जा सके ओर खामियों को सदन की प्रवर समिति को सुपुर्द किया जा सके। जिस तरह से बसपा विधायक लक्सर हाजी मौ. शहजाद ने इन मुस्लिम संबंधित विधेयकों पर विधानसभा में प्रसंग लगाये और चर्चा की मांग की बात रखी उससे यह बात साफ हो

❖उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक व धर्मांतरण विधेयक पर बसपा विधायक ने लगाया चर्चा के लिए प्रसंग

गयी कि कांग्रेस या मुस्लिम हितैषी होने का दावा करने वाले कांग्रेस विधायक आखिर इन विधेयक पर क्यों चुप रहे। क्या उनकी मंशा इन विधेयकों को बिना चर्चा के सरकार के साथ मिलकर पास कराने की है और ऐसा नहीं तो कांग्रेस या मुस्लिम कांग्रेस विधायकों ने इस पर एतराज क्यों नहीं जताया। विधानसभा में चर्चा की मांग क्यों नहीं की गयी यह एक बडा सवाल है।

बसपा विधायक हाजी मौ. शहजाद ने बताया कि सरकार जिस तरह से मुस्लिम समाज को कई मामलों में सीधा टारगेट कर रही है या यह कहें कि मुस्लिम समाज के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है और इस मामले में मुस्लिम समाज को अपना वोट बैंक कहने वाले कहां हैं क्यों मुस्लिम संबंधी विधेयकों पर चुप हैं क्या उनकी मंशा सरकार के साथ मिलकर इन विधेयकों पास कराना नहीं तो क्या है। यह तो समाज के लोगों को समझना होगा कि उनका कौन हितैषी है और कौन दुश्मन है। और कौन उन्हें वोट के लिए इस्तेमाल करता है।

लक्सर विधायक मौ शहजाद ने विधानसभा सत्र में इन विधेयकों का विरोध करने के लिए प्रसंग लगाये। धर्मांतरण विधेयक मामले में प्रश्न संख्या 22 पर संसोधन का रूप बतौर प्रस्तावक शहजाद द्वारा प्रसंग लगाया गया। वहीं प्रश्न नं0 29 में उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक में भी संसोधन का रूप बतौर प्रस्तावक नाम शहजाद का ही दर्ज कराया गया है। जिससे यह साफ हो गया है कि मुस्लिम हितैषी होने का दावा करने वाली कांग्रेस व उसके विधायक व कांग्रेस के मुस्लिम विधायक आखिर इन विधेयकों को क्यों चुपचाप पास कराना चाहते हैं क्यों उन पर चर्चा नहीं कराना चाहते। इससे साफ होता है कि विपक्षी कांग्रेस भी मुस्लिम मुददों पर भाजपा सरकार के साथ है। अब जनता को इस पर गंभीरता से गौर करना होगा कि कौन उसका हितैषी है और कौन दुश्मन है।

लक्सर विधायक मोहम्मद शहजाद के द्वारा विधानसभा में विधानसभा में क्वेश्चन उठाते हुए कहा कि जो कानून बनाए जा रहे हैं वह केवल एक समुदाय मुसलमान को परेशान करने के लिए बनाए जा रहे हैं उन्होंने कहा जो मदरसा बोर्ड के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते थे आज वह बगले झांक रहे हैं क्योंकि वह स्मार्ट मदरसे बनाने की बात करते थे आज उनके पास कहने को कुछ नहीं है उन्होंने कहा ताकतवर आदमी कमजोर आदमी को धर्मांतरण के बारे में ज्ञान दे रहे हैं उन्होंने कहा सरकार को चाहिए कि पहले अपने आप को देखें कि हम ताकतवर होते हुए कमजोर लोगों को किस तरह से परेशान कर रहे हैं। सरकार मुस्लिमों को टारगेट करन उनका सोशण कर रही है।

पुलिस से धक्का मुक्की करने पर एक गिरफ्तार

पूछताछ पर मौके से भागने लगा था संदिग्ध

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। संदिग्ध को पुलिस ने मौके पर पकड़ना चाहा तो संदिग्ध ने पुलिस से धक्का मुक्की कर दी। जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक बल प्रयोग कर संदिग्ध को पकड़ लिया। संदिग्ध का पुलिस ने शांतिभंग में चालान किया है। प्राथमिक जांच पड़ताल में पता चला कि धक्का मुक्की करने वाला पूर्व में भी जेल जा चुका है। पुलिस का कहना है कि वह अपराधी किस्म का है।

जानकारी के अनुसार गंगनहर कोतवाली पुलिस की एक टीम नहर पटरी से गुजर रही थी। तभी बिजली घर के पास कुछ वाहन पार्क दिखे। जहां पर एक संदिग्ध खड़ा दिखा। गतिविधियां संदिग्ध होने पर पुलिस ने अपना वाहन रोक और संदिग्ध से पूछताछ की। इस बीच संदिग्ध मौके से भागने लगा। अनहोनी की आशंका पर पुलिस ने संदिग्ध का पीछा किया तो संदिग्ध ने पुलिस से धक्का मुक्की कर दी। जिसके बाद पुलिस ने संदिग्ध को आवश्यक बल प्रयोग कर पकड़ लिया। इंस्पेक्टर आरके सकलानी ने बताया कि पाडली गुर्जर निवासी शहवान उर्फ शहवाज पूर्व में भी कई बार जेल जा चुका है और वह अपराधी किस्म का है।

वहीं आरोपी को पकडने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजीव उनियाल, कांस्टेबल संदीप और विशाल शामिल रहे।

राउमावि नन्हेड़ा में प्रधानाचार्य सीधी भर्ती का किया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नन्हेड़ा में आज भी प्रधानाचार्य सीधी भर्ती का विरोध किया गया। इस दरमियान शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर कार्य बहिष्कार किया जिस कारण विद्यालय में शिक्षण कार्य ठप्प रहा।

प्रभारी प्रधानाचार्य ताजीम अली ने कहा कि हम कानून के दायरे में रहकर गांधीवादी तरीकों से विरोध करेंगे सफलता मिलने तक हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा। ब्लॉक संयुक्त मंत्री जसमेंद्र कुमार ने उम्मीद जताई कि शासन स्तर पर बातचीत से कोई हल निकल आएगा। श्रीमती रूपाली वशिष्ठ ने भी कहा कि हक के लिए हक मिलने तक जंग जारी रहेगी।

डीएम व एसएसपी ने लिया कलियर उर्स की व्यवस्थाओं का जायजा

मेले की तैयारियों को समय से दुरुस्त करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह साबिर पाक के 757 वे सालाना उर्स/ मेले की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कलियर पहुंचकर मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उर्स/मेले में की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को जल्द व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए ।साथ ही उन्होंने थाने की प्रस्तावित भूमि का भी निरीक्षण किया।

पिरान कलियर दरगाह साबिर पाक का 757 वे सालाना उर्स/मेले में महज चार दिन बाकी है।उर्स की तैयारी आधी अधूरी पड़ी हुई है। उर्स को शकुशल एवं शांतिपूर्ण संम्पन कराए जाने को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां चल रही है।उर्स/मेले की तैयारीयों को परखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोभाल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचन्द्र शेट एसपी देहात शेखर चन्द्र शुयाल व सीओ रुड़की नरेंद्र पंत ने बुधवार को कलियर पहुंचकर उर्स मेले कि तैयारियों का निरीक्षण किया। उसके बाद कलियर में प्रस्तावित थाने की भूमि का भौतिक निरीक्षण किया।इस दौरान मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने यातायात व्यवस्था ,सुरक्षा,भीड़ प्रबंधन,साफ सफाई,पेयजल आपूर्ति,पथ प्रकाश,स्वास्थ्य, सहित अन्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही उन्होने यह भी निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में आने जायरीनों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए और सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी जाए।उर्स के दौरान होने वाली सभी व्यवस्था समय से पूरी की जाए।ईओ नगर पंचायत को मेला क्षेत्र की साफ सफाई व शौचालयों को समय से साफ सुथरा रखने को कहा गया है।तहसील प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर उर्स के दौरान कार्य करना है।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचन्द्र शेट ने बताया कि जल्द ही उर्स की सभी व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी।इस मौके पर एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल, सीओ रुड़की नरेंद्र पंत, थाना प्रभारी रवींद्र कुमार, दरगाह प्रबंधक रजिया, नगर पंचायत ईओ कुलदीप सिंह चौहान समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

लक्सर-बिजनौर हाईवे पर दो कारों में जोरदार भिड़ंत

पुलिया तोड़कर नाले में गिरी कार पानी में डूबी , ग्रामीण बने मददगार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर-बिजनौर हाईवे पर बुधवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब अकोढ़ा कला गांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पुलिया तोड़कर नाले में जा गिरे। एक कार पूरी तरह गहरे पानी में डूब गई।

हादसा देखकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे चालक को छत तोड़कर बाहर निकाला। दूसरी कार के लोग किसी तरह खुद बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक कार लक्सर से अमरोहा की ओर जा रही थी जबकि दूसरी रायसी से लक्सर की तरफ आ रही थी। तेज रफ्तार के कारण दोनों वाहनों का संतुलन बिगड़ा और पुलिया पर ही आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इसके बाद दोनों कारें सीधे नाले में समा गईं। ग्रामीणों ने बताया कि पानी में समाई कार का दरवाजा जाम हो गया था। काफी कोशिशों के बाद चालक को खिड़की और छत तोड़कर बाहर निकाला गया। सूचना पर पुलिस और फायर टीम भी मौके पर पहुंच गई और क्रेन बुलाकर दोनों गाड़ियों को बाहर निकाला गया। लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथान ने बताया कि हादसे में एक चालक घायल हुआ है, जिसे सीएचसी भेजा गया है। सभी सवार सुरक्षित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने वाहनों को हटाकर यातायात बहाल करा दिया है।

पुलिस ने दो नशा तस्कर किए गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा अवैध नशा बेचने वालों के खिलाफ छापेमारी करते हुए दो नशा तस्करो को गिरफ्तार किया है राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया मिशन ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 को सफल बनाने के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद को नशा मुक्त करने के लिए अवैध नशा मादक पदार्थो की तस्करी को रोकने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबीर की सूचना पर 19 अगस्त 2025 को चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से 480 अवैध नासिले कैप्सूल बरामद हुए। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा नशिली दवा को वहन भगवानपुर से लाना बताया जिस पर पुलिस द्वारा ठोस कारवाई करते हुए 20 अगस्त 2025 को मेडिकल संचालक अदनान को भी गिरफ्तार किया गया दोनों अभियुक्तगणों के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है उनके कब्जे से 480 संबंधित कैप्सूल संबंधित नंबर के बरामद हुए हैं पूछताछ करने पर उन दोनों व्यक्तियों ने अपने नाम नईम पुत्र सलीम निवासी शलियर थाना गग नहर जनपद हरिद्वार अदनान पुत्र अजरार निवासी माधवपुर थाना कोतवाली गग नहर बताएं।

राह भटके तीन नाबालिग बच्चों को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

शाह टाइम्स सम्वाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा तीन नाबालिक बच्चों जो रास्ता भटक गए थे उनको तलाश कर परिजनों के सुपुर्द किया है राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया 19 अगस्त 2025 को चेतक को लक्सर क्षेत्र में तीन नाबालिक बच्चे डरते सहमते भटकते दिखाई दिये जिस पर चेतक कर्मगण द्वारा तीनों नाबालिक बच्चे जिनकी उम्र 8 से 12 वर्ष के बीच थी जो की देखने में बहार के प्रतित हो रहे थे उन्हें पास बुलाकर और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर के निर्देशानुसार अउपनिरीक्षक रंजीत नौटियाल ने पूछताछ कर उनके परिजनों के संबंध में जानकारी की गई तीनों बच्चे डरे सहमें होने के कारण अपना पता स्पष्ट नहीं बता पा रहे थे तीनों बच्चों को अपने साथ लाकर खाना खिलाकर शालीनता प्यार से पूछताछ करने का प्रयास किया गया लेकिन तीनों नाबालिक बच्चों के पास अपने परिजनों व परिचितों के संपर्क नंबर नहीं थे जिस कारण पुलिस को परिजनों तक पहुंचने में कड़ी मेहनत करनी पड़ी तीनों बच्चों के पते में जानकारी जुटाकर उनके परिजनों से संपर्क किया।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पास्पोर्ट में मेरा नाम सद्दाम दर्ज है और मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड आदि अभिलेखों में मेरा नाम अहमद सद्दाम अंकित है। सद्दाम व अहमद सद्दाम दोनों ही मेरे नाम हैं भविष्य में मुझे सद्दाम व अहमद सद्दाम के नाम से ही जाना, पहचाना, पढ़ा लिखा, समझा व दर्ज किया जाए।

अहमद सद्दाम पुत्र अहसान नि. शीतलपुर, तह. व जिला हरिद्वार।

खोया-पाया सूचना

सूचित किया जाता है कि खसरा नं0 444 मौजा किशानपुर भगवानपुर रूडकी की गिफ्ट डीड जो कर्नल विवेक गोयल पुत्र हरि प्रसाद गोयल नि. 1/3 चंद्रपुरी रूडकी हाल नि. 38 आनंद चौक देहरादून दि. 12.11.2018 रजि. बही नं. 1 जिल्द 1479 पृष्ठ 265/282 सीरियल नं. 5219 सब रजिस्ट्रार रूडकी उपरोक्त संपत्ति ख.स. नं. 444 को कोटेक हैल्थकेयर लि. ने 03.12.2022 को खरीद लिया था जिसके दस्तावेज बही नं. 1 जिल्द 6793 के पृष्ठ 277 से 324 क्र. नं. 8809 पर दि. 03.12.2022 को रजिस्ट्रेशन किया गया है। इस रजिस्टरी की मूल प्रति हमारे पास है परन्तु भगवानपुर तह. में कार्य से जाते समय उपरोक्त गिफ्ट डीड की मूल प्रति कोटेक हैल्थकेयर से वास्तव में कहीं खो गयी है। उक्त डीट का प्रयोग किसी अन्य को अवैध होगा।

कोटेक हैल्थकेयर लि.
हर्ष तिवारी (प्रबंध निदेशक)

रुड़की में सीवर लाइन की स्थिति बताएगा जल संस्थान का रोबोट

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो अब आपके शहर की सीवर लाइन में रोबोट की जांच प्रणाली का पता चल पाएगा। प्रस्ताव बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजा जा रहा है। दावा है कि रोबोट से सीवर लाइन की वर्तमान स्थिति और समस्या समाधान का तुरंत पता लग पाएगा। जबकि समय रहते चौक हुई सीवर लाइन का भी निदान समय पर हो सकेगा। सीवर लाइनों में कर्मचारियों को उतारने से भी राहत मिल पाएगी। रुड़की में सीवर की करीब 102 किलोमीटर लंबी लाइनों का जाल बिछा है। लाइनों से वेस्ट मटेरियल, गंदा पानी और गंदगी सीवर लाइनों से मैनहोल तक पहुंचती है। अक्सर शहर में मानसून में सीवर चौक होने की समस्याओं से शहरवासियों को परेशान होना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर वेस्ट मटेरियल के सीवर लाइन के चौक होने से भी समस्या और गहरा जाती है। सीवर चौक होने से गंदा पानी ओवरफ्लो होने पर सड़कों पर बहता है। ऐसे में सीवर की गंदगी के आबादी और सड़कों पर फैलने से बीमारियों की भी आशंकाएं बनी रहती है। इन सब समस्याओं को दूर करने के लिए सीवर लाइनों की सफाई मशीन से होती है। लेकिन कई बार लाइनों की वर्तमान स्थिति का पता नहीं चल पाता है और समस्या का निदान समय पर न होने से दुविधाएं पैदा हो जाती है। लेकिन अब इन सीवर चौक और लाइनों की वर्तमान स्थिति को रखने के लिए रोबोट का सहारा लिया जाएगा। यह एक हाईटेक सीसीटीवी लैस और गहराई में उतरकर पानी के भीतर चलने वाला रोबोट है। जो सीवर लाइन में चलकर वर्तमान स्थिति का पता कर पाएगा। सीसीटीवी कैमरे का पूरा कंट्रोल रिमोट में होगा। जहां पर स्क्रीन या फिर मोबाइल में सीवर लाइन में कहां क्या दिक्कत है यह तुरंत पता चलेगा। सहायक अभियंता जुनैद गोड़ ने बताया कि रामनगर, सिविल लाइन बाजार क्षेत्र, जादूगर रोड, कृष्णा नगर और सुभाष नगर आदि में सीवर चौक होने की समस्याएं बनी रहती है। हालांकि सीवर चौटिंग मशीन से समय-समय पर लाइनों की सफाई होती है। लेकिन सीवर लाइन किस वजह और कहां से चौक हो रही है। यह पता नहीं चल पाता। रोबोट की मदद से सीवर लाइन की वर्तमान स्थिति और समस्या के निदान में काफी मदद मिलेगी। जबकि सफाई के दौरान जहरीली गैस से भी कर्मचारियों बचाया जा सकेगा।

खेत से किसान की साइकिल हुई चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बा निवासी एक व्यक्ति बुधवार को पशु चारा लेने के लिए साइकिल से अपने खेत में गया था ।खेत से चारा काट कर जैसे ही किसान जहां साइकिल खड़ी की थीं वहां आया तो वहां से साइकिल किसी अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई। कस्बा झबरेड़ा निवासी विक्रम सिंह साइकिल लेकर खेत में पशु चारा लेने के लिए गया था। किसान द्वारा अपनी साइकिल को खेत से कुछ दूरी पर चक रोड में खड़ी कर दी गई थी तथा चारा काटने के लिए कुछ ही दूरी पर स्थित अपने खेत में गया था। जैसे ही उक्त किसान पशु चारा काटकर जहां उसने साइकिल खड़ी की थी वहां पर आया तो वहां पर साइकिल नहीं मिल पाई। साइकिल को आसपास दूसरे किसानों से पता करने पर भी साइकिल का कुछ पता नहीं चल सका है।

समस्याओं को लेकर किसानों ने की एसडीएम भगवानपुर से वार्ता

अंडरपास के नीचे जल निकासी व स्मार्ट मीटर लगाने का होगा विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। अनेक समस्याओं को लेकर भाकियू के कार्यकर्ता एसडीम भगवानपुर से मिले और उन्होंने जन समस्याओं के साथ किसानों की मूलभूत समस्याओं के जल्द निस्तारण की मांग की है।

किसानों ने स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करने के अलावा अंडरपास के नीचे जल निकासी व अन्य जल निकासी के लिए नारा निर्माण की बाबत वार्ता की गई जल समस्याओं का निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। किसान यूनियन के अध्यक्ष पदम सिंह रोड एवं उनके यूनियन के प्रतिनिधि गण तथा राजस्व विभाग बिजली विभाग हाईवे विभाग गन्ना मिल इकबालपुर के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे जिसमें बैठक की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी भगवानपुर श्री देवेंद्र सिंह नेगी जी के द्वारा की गई जिसमें ग्रामीणों के द्वारा हाईवे के अधिकारियों पर कार्यों में लापरवाही एवं भूमि का मुआवजा तथा नाले निर्माण न करना अंडरपास के नीचे पानी की निकासी ना होना आदि आरोप लगाए गए तथा बिजली विभाग पर भी तरह-तरह के आरोप लगाएंगे जिसमें स्मार्ट मीटर बिल्कुल भी नहीं लगे देने के लिए किसान यूनियन ने कहा कि यदि कोई जबरदस्ती स्मार्ट मीटर गांव में लगाएगा तो हम उसके साथ कुछ भी कर सकते हैं बिजली विभाग के अधिकारियों से उनके द्वारा अनुरोध किया गया के गांव में बिना हमारी सहमति के बिना बिल्कुल भी स्मार्ट मीटर ना लगाया जाए । इब्राहिमपुर के ग्राम प्रधान के द्वारा कहा गया कि हमारे गांव में बिजली के तारों की लाइन ढीली है एवं कई जगह खंभे भी तिरछे हैं गन्ना शुगर मिल इकबाल में गाने का भुगतान कराया जाए ।वार्ता में एसडीएम देवेंद्र सिंह नेगी तहसीलदार दयाराम व नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता आदि शामिल रहे।

लिब्बरहेड़ी सहकारी गन्ना विकास समिति मंगलौर प्रबंध कमेटी की बैठक

किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से किया जाएगा हल : नीशू राठी

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। लिब्बरहेड़ी सहकारी गन्ना विकास समिति लिव मंगलौर की प्रबंध कमेटी की बैठक समिति कार्यालय में अध्यक्ष नीशू राठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बैठक में समिति के आय-व्यय का अनुमोदन, चीनी मिलों से समिति का विकास अंशदान प्राप्त कराये जाने, समिति की वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक कराये जाने, पीसीयू, भारतीय बीज सहकारी समिति, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात समिति, राष्ट्रीय सहकारी आर्गेनिक्स की सदस्यता ग्रहण किये जाने, क्षेत्र के गन्ना किसानों के प्रयोजनार्थ स्प्रे ड्रोन क्रय किये जाने, अतिवृष्टि से नष्ट हुए एवं आंशिक रूप खराब हुए गन्ने का सर्वे करवाने पर विचार किया गया, सभी प्रस्ताव उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पास किए, बैठक में उपाध्यक्ष विनोद कुमार, संचालक पवन सैनी, अनुराग राठी, अंगूरी देवी,सुनील कुमार, बीरबाला,ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक प्रमेन्द्र कुमार, सचिव प्रभारी अनंत सिंह मौजूद रहे, समिति की अध्यक्ष नीशू राठी ने कहा कि समिति की पूरी प्रबंध कमेटी क्षेत्र के गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करेगी तथा किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करेगी, किसान हित सर्वोपरि रहेगा, उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सम्मानित गन्ना किसानों ने जो जिम्मेदारी उन्हें दी है वह एवं पूरी प्रबंध कमेटी उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी, नीशू राठी ने ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक एवं सचिव को गन्ना किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करने एवं समिति क्षेत्र के प्रत्येक गांव में चौपाल लगाकर गोष्ठीयां आयोजित करने के निर्देश दिए।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 21 अगस्त 2025

निशाने पर पीएम-सीएम

केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद में एक बिल पेश किया है, जिसमें गिरफ्तारी या 30 दिन हिरासत पर पीएम-सीएम का पद समाप्त हो जाएगा। यह 5 साल से अधिक सजा वाले अपराध में लागू होगा। सरकार ने इस बिल को जेपीसी को भेज दिया है, वहीं विपक्ष ने विरोध किया है। जैसे ही गृहमंत्री अमित शाह ने इस बिल को पेश किया, तो विपक्षी सदस्यों ने वेल में आकर हंगामा शुरू कर दिया।

विपक्ष का तर्क है कि इस बिल के बहाने मोदी सरकार देश की न्याय व्यवस्था को कमजोर करना चाह रही है, जिसे वे नहीं होने देंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में इससे संबंधित तीन बिल पेश किए। तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की। ये तीनों बिल अलग-अलग इसलिए लाए गए हैं, क्योंकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और केंद्र शासित राज्यों के लीडर्स के लिए अलग-अलग प्रावधान हैं। विपक्ष ने इस बिल को महा-आपातकाल से भी बढ़कर बताया और कहा कि यह भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने वाला कदम है। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मृत्यु-घंटी है। आखिर इस बिल में ऐसा क्या है, जिसका विपक्ष विरोध कर रहा है।

केंद्र शासित प्रदेश सरकार विधेयक 2025 के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए सीएम या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे मामलों में केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन करने की जरूरत है। वहीं संविधान विधेयक, 2025 के उद्देश्यों के अनुसार, संविधान के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए ऐसे मामलों में संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में संशोधन की जरूरत है। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2025 के उद्देश्यों के अनुसार, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए ऐसे मामलों में सीएम या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करने हेतु जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन की जरूरत है। विपक्ष का कहना है कि ऐसे बिलों की आड़ में सरकार संविधान बदलना चाहती है, जिसे किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा।

पुलिस स्टेट बन जाएगा देश

संविधान संशोधन विधेयक संविधान में निहित शक्ति-विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है और जनता के जरियें चुनी हुई सरकारों के अधिकार को कमजोर करता है, इससे कार्यकारी एजेंसियों को खुली छूट मिल जाएगी कि वे मामूली आरोपों और शक के आधार पर ही जज और जल्लाद दोनों बन जाएं, यह सरकार किसी भी कीमत पर देश को पुलिस स्टेट में बदलने पर तुली हुई है, यह कदम चुनी हुई सरकारों पर सीधा हमला है और लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाला है, अगर इन विधेयकों को लागू किया गया, तो यह भारत के लोकतंत्रपर डेथ नेल (अंतिम वॉर) साबित होगा।

-असदुद्दीन ओवैसी
सांसद, एआईएमआईएम

जननायक राहुल गांधी का एक दांव और एनडीए की धड़कनें तेज

तसलीम कुरैशी

> क्या नरेन्द्र मोदी को इस बात खतरा था कि कहीं आरएसएस खेला ना कर दे क्यों एनडीए के संसदीय नेताओं की बैठक में ही नरेन्द्र मोदी ने अपने नाम पर मुहर लगवाई थी क्या नरेन्द्र मोदी और आरएसएस के बीच चल रही रस्साकशी वजह तो नहीं थी। अगर थी तो क्या अब वह सियासी चिंगारी भड़केगी या वैसे ही फुसफुसा कर ही रह जाएगी जैसे 2024 में रह गई थी क्योंकि उपराष्ट्रपति पद के एनडीए प्रत्याशी संघ की पृष्ठभूमि से ही आते है। यह दांव सिर्फ उपराष्ट्रपति चुनाव का नहीं है, बल्कि एनडीए की एकजुटता की असली परीक्षा है। हो सकता है कि एनडीए की पहली बड़ी दरार इसी चुनाव में खुलकर सामने आ जाए अगर यह आशंका सही साबित हुई तो नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने भी संकट खड़ा दिखाई देगा और इस संकट से निपटना मुश्किल हो सकता है, तो सवाल यह है कि क्या चंद्रबाबू नायडू, जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के केसीआर पार्टी लाइन पर चलेंगे या फिर अपने ही राज्य की जमीन से उठे उम्मीदवार के खिलाफ जाकर अपनी राजनीति की सियासी कब्र खोदेंगे।

देश की सियासत बहुत तेजी से करवटें बदल रही है साथ ही जननायक की भूमिका में आए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की स्वीकार्यता देश में बहुत तेजगति से बढ़ती जा रही है। नेता प्रतिपक्ष जननायक राहुल गांधी की सियासी गुगली में मोदी की भाजपा सहित एनडीए भी फंसता दिखाई दे रहा है। उपराष्ट्रपति के चुनाव का मुकाबला रोचक हो गया है, क्योंकि यह मुकाबला दक्षिण के दो नेताओं के बीच होने की संभावना बढ़ गई है। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीति में बड़ा धमाका हो चुका है।

एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को हराने के लिए नेता प्रतिपक्ष जननायक राहुल गांधी ने मोदी स्टाइल में ही मास्टर स्ट्रोक चल दिया है उसका सियासी तोड़ मुश्किल नजर आ रहा है एनडीए खेमे में काफी बेचैनी महसूस की जा रही है। जननायक जब यह कहते हैं कि भाजपा ने बिहार में चुनी हुई सरकार चोरी की। 20 सालों से युवाओं का भविष्य चोरी किया। अब यहां के गरीबों से उनका वोट चोरी कर रहे हैं। बिहार के लोग ये चोरी रोकेंगे, 2 दशक का हिसाब भी लेंगे और वोट से जवाब भी देंगे तो जनता एक सुर में आवाज मिलाती नजर आती है। नेता प्रतिपक्ष जननायक राहुल गांधी मोदी सरकार को शुरू से ही घेरने का काम कर रहे हैं। वोट चोरी को लेकर वह एक बड़े आंदोलन को देश में खड़ा करने की ओर बढ़ रहे हैं।

इसकी शुरुआत वह बिहार से कर चुके हैं और उन्हें वहां अच्छे पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। इस आंदोलन को जनता के मिल रहे सहयोग की बिहार की सड़कें गवाही दे रही है कि राहुल गांधी अब सिर्फ राहुल गांधी नहीं रहे अब वह जननायक बन गए हैं और यह बात नरेन्द्र मोदी सहित आरएसएस को परेशान कर रही है। राहुल गांधी को लेकर देशभर में प्रोपेगैंडा किया गया था कि शहजादे है पप्पू है पता नहीं क्या-क्या संघियों ने प्रचारित किया था, लेकिन हकीकत उसके उलट थी और है वह बहुत ही सिद्धांतवादी इंसान हैं इंसान मतलब इंसान।

इंसान के रूप में हैवान नहीं जैसा कि आज लोग हैं इंसान नहीं हैवानियत रूप धारण किए हुए हैं जबकि राहुल गांधी सभ्यताओं से भरपूर हैं जिसको देख मन सुखी हो उठता है। उनके द्वारा किए जा रहे आंदोलन में आ रही अपार भीड़ इसका प्रमाण है कि राहुल गांधी अब सिर्फ राहुल गांधी नहीं रह गए हैं वह जननायक बन गए हैं। बच्चे हों बड़े बुजुर्ग हों या जवान महिला हों या पुरुष सब एक झलक पाने को आतुर रहते हैं यही नहीं उनके द्वारा वोट चोरी को लेकर जो बातें की गई हैं या की जा रही हैं उसे वह सही मान रहे हैं और उसका समर्थन कर रहे हैं जो नरेन्द्र मोदी के लिए खतरे की घंटी है जिसको नरेन्द्र मोदी सहित पुरा संघ परिवार समझ चुका है कि अब सत्ता की उलटी गिनती शुरू हो गई है। अब सबसे ज्यादा मुश्किल में पहले चंद्रबाबू नायडू हैं जो एनडीए का हिस्सा होकर भी अपने ही आंध्र प्रदेश से उतरे विपक्षी उम्मीदवार को कैसे नकारें?

दूसरा नाम उसी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी हैं जो कि राजनीति में अपने अस्तित्व को बचाने की जुगत में हैं लेकिन वोट देने में फंसा दुविधा जाल और तीसरे तेलंगाना राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) हैं जो कि तेलंगाना की सियासत के बेताज बादशाह कहे जाते थे या है, अब खुद को किस ओर जाएं की दुविधा में पाते हैं। विपक्ष ने चतुराई दिखाते हुए बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जिनका ताल्लुक आंध्र प्रदेश से यानी दक्षिण से ही है। यानी उपराष्ट्रपति के चुनावी खेल में दक्षिण का मुकाबला दक्षिण से ही होगा सियासत भी कितनी अजीबोगरीब होती है कभी कैसे तो कभी कैसे रंग बदल लेती है, जिससे एनडीए के सहयोगियों को सबसे ज्यादा असहज होना पड़ेगा। यहां एक सवाल सबसे बड़ा यह भी है जबसे नरेन्द्र मोदी ने तीसरा कार्यकाल शुरू किया था तबसे ही मुंह बाएं खड़ा है जब 2024 के चुनावी परिणाम घोषित हो गए और यह तय हो गया था कि भाजपा की ही सरकार बनेगी, तो भाजपा ने पार्टी की संसदीय दल की बैठक क्यों नहीं बुलाई थी।

क्या नरेन्द्र मोदी को इस बात खतरा था कि कहीं आरएसएस खेला ना कर दे क्यों एनडीए के संसदीय नेताओं की बैठक में ही नरेन्द्र मोदी ने अपने नाम पर मुहर लगवाई थी क्या नरेन्द्र मोदी और आरएसएस के बीच चल रही रस्साकशी वजह तो नहीं थी। अगर थी तो क्या अब वह सियासी चिंगारी भड़केगी या वैसे ही फुसफुसा कर ही रह जाएगी जैसे 2024 में रह गई थी क्योंकि उपराष्ट्रपति पद के एनडीए प्रत्याशी संघ की पृष्ठभूमि से ही आते है। यह दांव सिर्फ उपराष्ट्रपति चुनाव का नहीं है, बल्कि एनडीए की एकजुटता की असली परीक्षा है। हो सकता है कि एनडीए की पहली बड़ी दरार इसी चुनाव में खुलकर सामने आ जाए अगर यह आशंका सही साबित हुई तो नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने भी संकट खड़ा दिखाई देगा और इस संकट से निपटना मुश्किल हो सकता है, तो सवाल यह है कि क्या चंद्रबाबू नायडू, जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के केसीआर पार्टी लाइन पर चलेंगे या फिर अपने ही राज्य की जमीन से उठे उम्मीदवार के खिलाफ जाकर अपनी राजनीति की सियासी कब्र खोदेंगे और अगर ऐसा हुआ, तो क्या एनडीए की मजबूती सिर्फ नाम की रह जाएगी?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मलेरिया रोकथाम के दो नए प्रयास

> **वैज्ञानिक उक्त तकनीकों को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन सतर्क भी हैं। यह सफल रहे तो भी इनका उपयोग मच्छरदानी, दवाइयों और कीटनाशकों जैसी अन्य रोकथाम विधियों के साथ मिलाकर ही करना होगा और कुछ सवाल अभी अनुत्तरित हैं। जैसे, क्या मच्छर या मलेरिया परजीवी इस तरह की सुरक्षा के प्रतिरोधी हो जाएंगे? ऐसे मच्छर प्रकृति में छोड़े गए, तो पर्यावरण व पारिस्थितिकी पर दीर्घकालिक असर क्या होंगे? अनचाहे परिणामों से बचाव कैसे किया जाएगा?**

मलेरिया रोकथाम के दो नए उपाय सामने आए हैं। एक उपाय में इंसानी खून को मच्छरों के लिए जहरीला बनाने का प्रयास किया गया है ताकि काटते ही मच्छर मर जाएं। दूसरे उपाय में कोशिश यह है कि मच्छरों को मलेरिया परजीवी के लिए अनुपयुक्त बना दिया जाए।

पहले उपाय में आइवरमेक्टिन नामक एक दवा का उपयोग शामिल है। यह दवा न केवल कृमियों को मारती है बल्कि जूं जैसे कीटों का भी खात्मा करती है। इसके अलावा जब कोई व्यक्ति इसे गोली के रूप में लेता है, तो उसका खून पीने वाले कीट भी मर जाते हैं। विचार यह आया कि यदि मच्छर ऐसे व्यक्ति को काटें जिसने हाल ही में आइवरमेक्टिन ली हो, तो क्या वे भी मर जाएंगे? और अगर एक साथ पूरा समुदाय यह दवा ले ले, तो क्या मच्छरों की संख्या घट सकती है?

प्रयोगशाला परीक्षण के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे। एक दिन पहले आइवरमेक्टिन लेने वाले लोगों के खून पर पले 73 प्रतिशत मच्छर दो दिन में मर गए, जबकि नियंत्रण समूह में केवल 31 प्रतिशत। लेकिन असली चुनौती वास्तविक दुनिया में इसके असर को साबित करना था। अक्टूबर 2023 में दक्षिण केन्या के क्वाले काउंटी में एक बड़ा परीक्षण बरसात के मौसम की शुरुआत में हुआ, जब मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ती है। अध्ययन में 84 बस्तियों को शामिल किया गया था। आधी बस्तियों के लोगों को तीन महीने तक, हर महीने आइवरमेक्टिन दी गई और बाकी आधों को परजीवी नाशी दवा अल्बेंडेजोल दी गई, जो मच्छरों पर कोई असर नहीं करती। अगले छह महीनों में आइवरमेक्टिनसमूह में बच्चों में मलेरिया के नए मामलों में 26 प्रतिशत की कमी आई। हालांकि कई वैज्ञानिक इस नतीजे से सहमत नहीं है। एक तो, 26 प्रतिशत की कमी व्यापक इस्तेमाल के लिए पर्याप्त नहीं है। दूसरा, यह दवा गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को नहीं दी जा सकती।

इसके अलावा बुर्किना फासो के दो परीक्षणों और गिनी-बिसाऊ (2024) के एक परीक्षण में कोई खास फायदा नहीं दिखा था। हालांकि, केन्या परीक्षण थोड़ा अलग था - दवा बरसात की शुरुआत में ही दे दी गई थी, जब मच्छर तेजी से बढ़ते हैं, और कई बार दी गई। एक अतिरिक्त फायदा यह हुआ कि खुजली और जुओं का भी सफाया हो गया। फिर भी इसकी कई चुनौतियां हैं। गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए यह दवा सुरक्षित नहीं है। हर खुराक के बाद दवा खून में कुछ ही दिनों तक प्रभावी रहती है। लंबे समय तक असर करने वाले संस्करणों पर फिलहाल शोध चल रहा है। मलेरिया के मामलों में महज 26 प्रतिशत कमी लागत और मेहनत के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO का नियम है कि जब तक कम से कम दो बड़े और उच्च-गुणवत्ता वाले परीक्षणों में मजबूत सुरक्षा न दिखे, किसी तरीके को बड़े पैमाने पर अपनाने की सिफारिश नहीं की जा सकती। शोधकर्ता भी उपरोक्त शंकाओं को दूर करने की दिशा में और शोध कार्य करने की योजना बना रहे हैं।

दूसरा तरीका मच्छरों को ही मलेरिया के खिलाफ हथियार बनाने का है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक नए अध्ययन में मच्छरों के जीन में बदलाव करके उन्हें मलेरिया परजीवी प्लाज्मोडियम का वाहक बनने से रो. कने का प्रयास किया गया है। आगे, जीन ड्राइव नामक तकनीक से इस गुण को तेजी से मच्छरों की आबादी में फैलाया जा सकता है। आम तौर पर मच्छर अपने जीन का आधा हिस्सा ही अगली पीढ़ी को देते हैं। लेकिन जीन ड्राइव एक खास आनुवंशिक तकनीक है, जो इस नियम को बदल देती है।

यह चुने हुए जीन को लगभग सभी संतानों में पहुंचाती है, जिससे वह तेजी से पूरी आबादी में फैल जाता है। यह तरीका कारगर तो है, लेकिन विवादास्पद भी है, क्योंकि इससे किसी प्रजाति में स्थाई और बड़े पैमाने पर बदलाव हो सकते हैं, जिनके पर्यावरण पर अनजाने असर पड़ सकते हैं। इसलिए नए शोध में वैज्ञानिकों ने कृत्रिम जीन बनाने की बजाय, मच्छरों में पहले से प्राकृतिक रूप से मौजूद एक उत्परिवर्तन का सहारा लिया। इस उत्परिवर्तन के चलते कुछ एनॉफिलीज गैंबिया मच्छरों में एक प्रोटीन का थोड़ा बदला हुआ रूप पाया जाता है। यह बदला हुआ प्रोटीन मलेरिया परजीवी को मच्छर के शरीर में अपना जीवन-चक्र पूरा करने में मुश्किल पैदा करता है।

-स्रोत फीचर्स

वोट चोरी का मुद्दा: तू इधर-उधर की बात न कर...

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों वोट चोरी का मुद्दा आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में होने वाले चुनावों की हालांकि पूरे विश्व में सराहना की जाती है परन्तु यह भी सही है कि इन चुनावों की पारदर्शिता को लेकर भी दशकों से सवाल उठते रहे हैं। आज यदि ईवीएम से होने वाली कथित धांधली पर सवाल उठाया जाता है तो बैलेट पेपर और मत पेटी के दौर में बूथ कैप्चरिंग व वोट गिनती में धांधली के आरोप भी लगते रहे हैं परन्तु पिछले दिनों इस सम्बन्ध में उठा विवाद कुछ ज्यादा ही तूल पकड़ गया है।

इस विवाद में एक तरफ भारतीय जनता पार्टी व चुनाव आयोग है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के नेतृत्व में इण्डिया गठबंधन के सभी दल। यह विवाद दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव व कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद उस समय शुरू हुआ, जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में गड़बड़ियों और वोटर फ्रॉड के गंभीर आरोप लगाए।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अनेक विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर चुनावों में बेईमानी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और डुप्लिकेट वोटर की प्रविष्टियां बनाई गई हैं। कि कई जगह तो मतदाताओं के नाम सूची से भी हटा दिए गए हैं।

इस संबंध में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग द्वारा ही उपलब्ध कराए गए वोटर लिस्ट के विशाल भंडार के शोध के आधार पर ही विशेष रूप से कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने अपनी पड़ताल में पाया कि अकेले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में ही डुप्लिकेट प्रविष्टियों और फर्जी पतों के द्वारा 1,00,250 वोट चुराए गए। विपक्ष के मुताबिक इस तरह की गड़बड़ियों के कारण ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को 2024 के चुनाव में पराजय हुई। विशेष रूप से उन सीटों पर जहां हार का अंतर 50,000 वोटों से कम था। राहुल गांधी ने तो यहां तक दावा किया कि इसी वोटर फ्रॉड की वजह से ही कांग्रेस को लगभग 70 लोकसभा सीटों का नुकसान हुआ। इसी बीच बिहार में निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से पूर्व चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण Special Intensive Revision - SIR का काम शुरू कर दिया। इस प्रक्रिया में बिहार की मतदाता सूची से लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए, जिसे विपक्ष ने वोट चोरी का हिस्सा बताया। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए चुनाव आयोग को इन हटाए गए नामों का विवरण और कारण सार्वजनिक करने का निर्देश दिया।

उसके बाद ही चुनाव आयोग ने इन्हें सार्वजनिक किया। एक तरफ तो विपक्ष अर्थात इण्डिया गठबंधन, इस पूरे प्रकरण को लेकर चुनाव आयोग की बीजेपी के साथ मिलीभगत का आरोप लगा रहा है जबकि बीजेपी व चुनाव आयोग इसे विपक्ष की बौखलाहट और अनर्गल आरोप करार दे रहे हैं। पहले भी चुनाव आयोग विपक्ष के इस तरह के आरोपों को बार-बार खारिज करता रहा है, परन्तु कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक ने इस मुद्दे को जनता तक ले जाने के लिए वोट चोरी से आजादी अभियान शुरू किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गत 17 अगस्त, 2025 को चुनावी राज्य बिहार के सासाराम से अपनी 16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा शुरू की।

1,300 किलोमीटर की यह यात्रा 1 सितंबर को पटना में एक विशाल रैली के साथ समाप्त होगी, जिसमें विभिन्न भारतीय राजनैतिक दलों के नेता शामिल होंगे। दूसरी तरफ ठीक उसी दिन व उसी समय यानी 17 अगस्त 2025 को ही चुनाव आयोग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा कि मतदाता सूची की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत है। आयोग ने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची की जांच के लिए समय दिया जाता है, लेकिन विपक्ष ने समय पर आपत्तियां दर्ज नहीं कीं। आयोग ने राहुल गांधी से उनके आरोपों के समर्थन में शपथ पत्र मांगते हुए कहा कि यदि उन्होंने एक सप्ताह में अपनी आपत्तियों से सम्बंधित हलफनामा नहीं दिया तो उन्हें देश से मुआफी मांगनी पड़ेगी। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सी सी टी वी फुटेज को लेकर भी चुनाव आयोग ने कई ऐसी बातें कीं जिसे पक्षपातपूर्ण व अतार्किक माना जा रहा है। बहरहाल, विपक्ष व चुनाव आयोग के बीच भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार इस कद्र तल्खी पैदा हुई है। चुनाव आयोग की मनमानी को बेनकाब करने के लिए कांग्रेस ने http://votechori.in के नाम से एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है, जहां लोग वोट चोरी के विरुद्ध अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं और डिजिटल मतदाता सूची की मांग का समर्थन कर सकते हैं।

साथ ही कांग्रेस ने टोल फ्री नंबर 9650003420 भी मिस्ड कॉल के लिए जारी किया है। इस पर जनता उन्हें अपना समर्थन व वोट सम्बन्धी अपनी शिकायत दे सकती है। विपक्ष ने इस मुहिम को वोट चोरी से आजादी अभियान का नाम दिया है। इसमें कोई शक नहीं कि अब वोट चोरी के मुद्दे ने देश की राजनीति में उबाल पैदा कर दिया है। पूरा देश इसे एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दे के रूप में देख रहा है, क्योंकि चुनाव आयोग व भाजपा की जुगलबंदी ने भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़ा कर दिया है। विपक्ष तो सीधे तौर पर इसे लो. कतंत्र पर हमला बता रहा है। देश के मतदाता इस समय चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण रवैये से परेशान होकर यही कहते दिखाई दे रहे हैं कि तू इधर उधर की बात न कर। ये बता कि काफिला क्यों लुटा? मुझे रहजनों से गरज नहीं। तेरी रहबरी का सवाल है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन, फ्रांस यूक्रेन में सैनिक तैनात नहीं करेंगे

मास्को। ब्रिटेन और फ्रांस यूक्रेन में अपने हजारों सैनिक तैनात करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन तथाकथित 'इच्छुक गठबंधन' यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी के लिए वैकल्पिक तरीकों पर विचार कर रहा है। द टाइम्स अखबार की जारी रिपोर्ट में यह खबर दी गई। जिसके अनुसार 'इच्छुक गठबंधन' यूक्रेन को हवाई और समुद्री हमलों से बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही वह यूक्रेनी सशस्त्र बलों को फिर से मजबूत करने में मदद के लिए जमीनीस्तर पर सैन्य प्रशिक्षकों को तैनात कर रहा है।

कराची में बारिश का कहर, 11 लोगों की मौत, 10 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची में बारिश जनित हादसों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि भारी बारिश के कारण कई इलाके झीलों में तब्दील हो गए और अनेक उड़ानें बाधित हुईं तथा बिजली गुल हो गई।बारिश के पानी में डूबने और करंट लगने से भी लोगों की मौत हुई है। राहत एंव बचाव विभाग के अनुसार, दक्षिणी सिंध प्रांत की राजधानी कराची में मंगलवार सुबह से हो रही भारी बारिश के बाद बिजली का करंट लगने, डूबने और दीवार गिरने की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई।

नाइजीरिया में मस्जिद पर हमले में तेरह लोगों की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कात्सिना में नमाज के दौरान एक मस्जिद पर बंदूकधारियों के एक समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी है। कात्सिना के आंतरिक सुरक्षा और गृह मामलों के आयुक्त नासिर मुआज़ू ने स्थानीय मीडिया को बताया कि बंदूकधारियों ने मालुमफशी में मुस्लिम बहुल उन्गुवान मंतौ समुदाय पर हमला किया और सुबह की नमाज के दौरान मस्जिद में नमाजियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि हमलावरों के 'प्रतिशोध अभियान' पर होने का संदेह है।

अफगानिस्तान में बस-ट्रक हादसे में 79 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिमी प्रांत हेरात में मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 79 हो गई है। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मृतकों में 19 बच्चे भी शामिल हैं। दुर्घटना उस वक्त हुई जब ईरान से हेरात लौट रही बस एक मोटर साईकिल से टकराने के बाद वहां अन्य मिनी ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई और यात्रियों को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिल सका। यह दुर्घटना इतनी भयानक थी कि आग में जले शवों की पहचान भी मुश्किल हो गई है।

नई दिल्ली। संसद में कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, LOP राज्यसभा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व इंडिया गठबंधन के नेताओं के द्वारा उप-राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी का अभिनंदन किया गया।

सुदर्शन रेड्डी लड़ेंगे दमदार चुनावः राहुंल गांधी

उपराष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस ने कसी कमर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। विपक्ष का दावा है कि यह चुनाव सिर्फ एक पद के लिए नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए है।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को रेड्डी के समर्थन में एकजुट होकर यह संदेश दिया कि विपक्ष अब संविधान विरोधी ताकतों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव संविधान को बचाने वालों और उस पर हमला करने वालों के बीच की लड़ाई है।

उन्होंने बताया कि रेड्डी ने तेलंगाना में जाति जनगणना पर काम किया और सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस दृष्टिकोण तैयार किया। राहुल ने एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए कहा कि जब उन्होंने रेड्डी से बातचीत की, तो उनकी जेब में संविधान की प्रति थी। रेड्डी ने उन्हें बताया कि वे पिछले 52 वर्षों से संविधान अपने साथ रखते हैं क्योंकि किसी भी कानूनी बहस का अंतिम उत्तर संविधान ही होता है। राहुल ने कहा कि यही प्रतिबद्धता आज देश को चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बीते 11 वर्षों में सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी संसदीय बहुमत का बार-बार दुरुपयोग किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी स्वायत्त एजेंसियों को विपक्षी नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल किया है। खड़गे ने कहा कि अब नए विधेयक भी विपक्षी सरकारों को कमजोर करने और उन्हें अस्थिर करने के औजार बना दिए गए हैं। उनके अनुसार, संसद में लगातार विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है और गंभीर जनहित के मुद्दों पर बहस तक नहीं होने दी जा रही। खड़गे ने जोर देकर कहा कि ऐसे समय में बी. सुदर्शन रेड्डी की उम्मीदवारी विपक्ष की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रेड्डी का जीवन और काम संविधान की आत्मा को दर्शाता है न्याय, करुणा और हर नागरिक को सशक्त बनाने की भावना। विपक्ष का मानना है कि रेड्डी उपराष्ट्रपति पद पर बैठकर न केवल लोकतंत्र की रक्षा करेंगे बल्कि देश को न्याय और एकता की नई दिशा देंगे।

■ लोक सभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने समर्थन में एकजुट होकर संदेश दिया
■ यह चुनाव संविधान को बचाने वालों और उस पर हमला करने वालों के बीच की लड़ाई है
■ राहुल गांधी ने कहा: जब उन्होंने रेड्डी से बातचीत की, तो उनकी जेब में संविधान की प्रति थी

चीनी विदेश मंत्री वांग ई पाकिस्तान के बजाए अफगानिस्तान पहुंचे

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग ई अपनी प्रस्तावित पाकिस्तान यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव करते हुए अफगानिस्तान पहुंच गए हैं। वह काबुल में छठी चीन-अफगानिस्तान-पाकिस्तान त्रिपक्षीय विदेश मंत्रियों की वार्ता में भाग लेने वहां गए हैं। इस वार्ता में तीनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग सहित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। वांग ई की बीते तीन सालों में यह पहली अफगानिस्तान यात्रा है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार इस बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंच चुके हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल में त्रिपक्षीय वार्ता के लिए वांग ई और डार के आगमन की घोषणा करते हुए कहा कि इस बैठक में तीनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

भारत पर प्रतिबंध का मकसद रूस पर दबाव

अमेरिका ने कहाः प्रतिबंध से यूक्रेन जंग रोकने में मदद मिलेगी, भारत पर अब तक 50% टैरिफ लगाया

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लीविट ने इसकी जानकारी दी। इससे पहले तक ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प ने भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

इसमें 25 प्रतिशत रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत पैनल्टी है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से लागू हो गया है, जबकि पेनल्टी 27 अगस्त से लागू होगी। लीविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो। लीविट ने दावा किया कि आपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक संघर्ष को रोकने में ट्रम्प ने अहम भूमिका निभाई थी। प्रेस सेक्रेटरी के मुताबिक ट्रम्प ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल कर इस संघर्ष को खत्म कराया। लीविट ने कहा कि ट्रम्प ने अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच पीस डील कराई। साथ ही रवांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कान्गो के बीच संघर्ष खत्म करने में मदद की। व्हाइट हाउस के मुताबिक, फिलहाल ट्रम्प का सबसे ज्यादा ध्यान रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास जंग को खत्म कराने पर है। ट्रम्प पहले भी कई बार भारत-पाक संघर्ष को खत्म कराने का श्रेय खुद को दे चुके हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने इस बातचीत को सफल बताया। वहीं जेलेंस्की ने कहा कि यह अब तक की उनकी सबसे अच्छी बातचीत रही। हालांकि इस दौरान रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बनी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। दूसरी ओर अमेरिका ने 6000 से ज्यादा इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के वीजा रद्द कर दिए हैं। जांच में पाया गया कि इनमें से कुछ ने कानून तोड़ा, कुछ वीजा एक्सपायर होने के बाद भी रुके हुए थे, जबकि कुछ गंभीर अपराधों में शामिल थे। अमेरिका में रद्द किए गए 6000 वीजा में से लगभग दो-तिहाई यानी करीब 4000 वीजा धारक अपराधों में शामिल थे। इनमें मारपीट, चोरी और नशे में गाड़ी चलाना शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि कुछ मामले आतंकवाद से भी जुड़े थे।

यूएस ने 6000 स्टूडेंट वीजा रद्द किए स्टूडेंट में से 4000 अपराध और आतंकवाद में शामिल बताए गए

2023-24 में अमेरिकी कालेजों में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ रहे थे। सरकार को चिंता है कि कुछ लोग एजुकेशन वीजा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वजह से वीजा नियमों की जांच को और सख्त किया जा रहा है। अमेरिका ने 200 से 300 स्टूडेंट वीजा आतंकवाद से जुड़े मामलों की वजह से रद्द किए हैं। इन वीजा को इमिग्रेशन और नेशनैलिटी एक्ट की उस धारा के तहत रद्द किया गया, जो आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़ी है। इन मामलों की डिटेल जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों का कहना है कि इन घटनाओं में न सिर्फ अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन किया गया, बल्कि कालेज कैंपस और आम लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया गया। अमेरिकी सरकार इंटरनेशनल छात्रों को वीजा देने की प्रोसेस को लगातार सख्त करती जा रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कुछ दिन पहले ही 2 सितम्बर से वीजा की ड्राप बाक्स सुविधा यानी इंटरव्यू वेवर प्रोग्राम (आईडब्ल्यूपी) को बंद करने की घोषणा की है।

हमारे कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं, अमेरिकी दबाव गलतः रूस

मास्को/ नई दिल्ली। रशियन आयल खरीदने के चलते भारत पर बनाए जा रहे अमेरिकी दबाव को रूस ने गलत बताया है। सीनियर रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने कहा: भारत इस बात को समझता है कि तेल आपूर्ति को बदलने का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि रूसी तेल भारत के लिए बहुत फायदेमंद है। भारत के लिए रूसी कच्चे तेल पर डिस्काउंट लगभग 5 प्रतिशत है। रोमन बाबुश्किन ने कहा-भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है, लेकिन हमें भारत के साथ अपने संबंधों पर विश्वास है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस के दूतावास ने ये भी कहा कि ष्अगर भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में नहीं जा सकते, तो वे रूस की तरफ जा सकते हैं। दरअसल, अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के चलते 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे अमेरिका में भारत के सामान महंगे हो जाएंगे।

फलस्तीन को मान्यता देने पर ऑस्ट्रेलिया-इजरायल में तनाव

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने खारिज किए नेतन्याहू के आरोप

मेलबर्न। फलस्तीन को मान्यता देने के बाद आस्ट्रेलिया और इजरायल के बीच तनाव बढ़ गया है। इजरायल लगातार आस्ट्रेलिया के इस कदम का विरोध कर रहा है। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने आस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज पर आरोप लगाया कि वे एक कमजोर राजनेता हैं।

उन्होंने इजरायल को धोखा दिया है। अल्बनीज ने नेतन्याहू के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने नेतन्याहू को जवाब दिया कि मैं अन्य देशों के नेताओं के साथ सम्मान से पेश आता हूं। मैं उनके साथ कूटनीतिक तरीके से बातचीत करता हूं। आस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीज ने 11 अगस्त को एलान किया था कि आस्ट्रेलिया भी फलस्तीन को मान्यता देगा।

इसके बाद इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि इतिहास अल्बानीज को उनके व्यक्तित्व के लिए याद रखेगा। एक कमजोर राजनेता जिसने इजरायल को धोखा दिया और आस्ट्रेलिया के यहूदियों को त्याग दिया। इसके जवाब में आस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज ने कहा कि मैं इन बातों को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेता। वैश्विक चिंता बढ़ती जा रही है क्योंकि लोग हिंसा के चक्र का अंत देखना चाहते हैं। इसे हम बहुत लंबे समय से देखते आ रहे हैं। आस्ट्रेलियाई भी यही देखना चाहते हैं। आस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने आस्ट्रेलिया आ रहे नेतन्याहू के गठबंधन के सदस्य दक्षिणपंथी इजरायली सांसद सिमचा रोथमैन का वीजा रद्द कर दिया। बर्क ने नेतन्याहू पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ वैसा हमला करने का आरोप लगाया, जैसा उन्होंने फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, आयरलैंड, नार्वे और स्पेन के खिलाफ किया था। बर्क ने इस बात से इंकार किया कि अल्बनीज कमजोर हैं।

मैं अन्य देशों के नेताओं के साथ सम्मान से पेश आता हूं: ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज

व्हाइट हाउस ने टिकॉट अकाउंट शुरू किया

वाशिंगटन। अमेरिका में 'व्हाइट हाउस' ने आधिकारिक तौर पर अपना टिकटॉक अकाउंट लॉन्च किया। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस सोशल मीडिया ऐप को लगभग सितम्बर तक नए मालिक की तलाश करने या फिर देश में प्रतिबंध का सामना करने की समय सीमा संबंधी धमकी के बीच हुआ है।

इस अकाउंट पर मंगलवार दोपहर को पहला वीडियो पोस्ट किया गया। यह 27 सेकंड की एक क्लिप है जिसमें ट्रम्प को अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है। इसमें 2016 के रिपब्लिकन नेशनल सम्मेलन में उनके स्वीकृति भाषण का 'ऑडियो' भी है। इस वीडियो के कुछ ही घंटों बाद अकाउंट के 57,000 से जयादा 'फ़ॉलोअर्स' हो गए जबकि पिछले साल अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए ट्रम्प द्वारा इस्तेमाल किए गए टिकटॉक अकाउंट पर 1.5 करोड़ से जयादा फ़ॉलोअर्स हैं।

■ ट्रम्प द्वारा इस्तेमाल किए गए टिकटॉक अकाउंट पर 1.5 करोड़ से जयादा फ़ॉलोअर्स

स्लोवेनिया ने गाजा में सहायता की पहली खेप भेजी

लजुब्लजाना। स्लोवेनिया ने जॉर्डन के रास्ते गाजा के लिए मानवीय सहायता की पहली खेप पहुंची है। स्लोवेनिया के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्रालय के भंडार से खाद्य सामग्री और कंबल सहित यह सहायता एक स्पार्टन सैन्य मालवाहक विमान द्वारा पहुंचाई गई है। दो और उड़ानें निर्धारित हैं और सभी आपूर्ति अगस्त के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। मंत्रालय के अनुसार, यह खेप जॉर्डन में अम्मान के पास एक सैन्य हवाई अड्डे पर प्राप्त हुई। रक्षा मंत्री बोरुत साजोविक ने इस अभियान के बारे में बताया कि गाजा में नागरिक लगभग दो वर्षों से संघर्ष झेल रहे हैं।

ट्रम्प ने वेनेजुएला के पास तीन वॉरशिप भेजे

ड्रग्स माफिया से निपटना मकसद, वेनेजुएला ने 45 लाख लड़ाके तैनात किए, कहाः अमेरिका पागल हुआ

वाशिंगटन। ट्रम्प प्रशासन ने वेनेजुएला के पास तीन वॉरशिप तैनात भेजे है। वॉरशिप अगले कुछ घंटों में वेनेजुएला के तट के पास पहुंच जाएंगे। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को कहा था कि ये तैनाती ड्रग कार्टेल्स (ड्रग्स की तस्करी करने वाले ग्रुप्स) और इससे जुड़ी हिंसा को रोकने के लिए किया जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि वेनेजुएला की सरकार ड्रग तस्करी को बढ़ावा दे रही है।

वहीं, वेनेजुएला ने अमेरिका के इन आरोपों को खारिज किया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने वॉरशिप तैनाती के खिलाफ 45 लाख सैनिकों को तैनात करने का ऐलान किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, यूएसएस ग्रेवली, यूएसएस जेसन डनहम और यूएसएस सैम्पसन नाम के तीन एजिस गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रायर वॉरशिप जल्द ही वेनेजुएला के तट पर पहुंचेंगे। तीनों वॉरशिप हवा, समुद्र, और पनडुब्बी हमलों से रक्षा करने में माहिर है। इनके साथ 4,000 सैनिक, पी-8ए पोसाइडन विमान, और एक हमलावर पनडुब्बी भी शामिल है। यह अगले कुछ महीनों तक इस इलाके में ड्रग तस्करी के खिलाफ अभियान में शामिल रहेंगे। वेनेजुएला के विदेश मंत्री यवान गिल ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि अमेरिका का वेनेजुएला पर ड्रग तस्करी का आरोप उसकी विश्वसनीयता की कमी को दिखाता है। गिल बोले, श्हम शांति और संप्रभुता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका की हर धमकी यह साबित करती है कि वह एक स्वतंत्र देश को झुका नहीं सकता। ट्रम्प प्रशासन मादुरो को दुनिया के सबसे बड़े ड्रग तस्करों में से एक मानता है। अमेरिका ने 8 अगस्त को मादुरो की गिरफ्तारी के लिए इनाम की राशि को दोगुना करके 435 करोड़ रुपये कर दिया। इससे पहले मादुरो पर 217 करोड़ रुपये का इनाम था।

■ ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि वेनेजुएला की सरकार ड्रग तस्करी को बढ़ावा दे रही है

इजरायल ने गाजा पर कब्जे को प्लानिंग को दी मंजूरी

करीब 60 हजार रिजर्व फोर्स को सरकार ने डयूटी पर बुलाया, कुल 1.30 लाख सैनिक तैनात करेगा

तेल अवीव। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों (रिजर्व फोर्स) को डयूटी पर बुलाने का आदेश दिया है।

इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। इजरायल ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए 1.30 लाख सैनिकों को मोर्चे पर तैनात करने का फैसला किया है। सैनिकों को डयूटी जाइन करने से कम से कम 2 हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा। पहली खेप में 2 सितम्बर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाएंगे। दूसरी खेप नवम्बर-दिसम्बर में और तीसरी फरवरी-मार्च 2026 में बुलाई जाएगी। यह फैसला रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सेना प्रमुख और सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक के बाद लिया। गाजा सिटी पर कब्जे के अभियान को गिदोन'स चेरीअट्स-बी नाम दिया गया है। इस दौरान पहले से डयूटी कर रहे हजारों रिजर्व सैनिकों की सेवा 30-40 दिन और बढ़ा दी जाएगी। इस कार्रवाई में 5 आर्मी डिवीजन शामिल रहेंगी। इसमें 12 ब्रिगेड-लेवल टीमें होंगी, जिनमें पैदल सेना, टैंक, तोपखाना, इंजीनियरिंग और सपोर्ट यूनिट शामिल होंगी। इसके अलावा गाजा डिवीजन की नार्थ और साउथ ब्रिगेड भी हिस्सा लेंगी। इजरायल यह कदम हमास पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया गया है, क्योंकि गाजा में लगभग दो साल से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए एक नई शांति योजना पर काम हो रहा है। इस नई योजना में 60 दिन तक युद्ध रोकने, बंधकों को चरणबद्ध तरीके से छोड़ने, कुछ फलस्तीनी कैदियों को रिहा करने और गाजा में खाने-पीने की चीजें पहुंचाने पर बात हो रही है। कतर ने कहा कि यह योजना पहले की एक योजना जैसी है, जिसे इजरायल ने मंजूर किया था। मिस्र ने कहा कि अब इजरायल को फैसला करना है। इजरायली सेना ने बताया है कि गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू हो चुकी है। अभी गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में आपरेशन चल रहा है। जैतून इलाके में नहल और 7वीं आर्मर्ड ब्रिगेड आपरेशन चला रही है। वहीं एक दूसरे इलाके, जबालिया में गिवाती ब्रिगेड कफ आपरेशन को अंजाम दे रही है। यह अभियान कई स्टेप में चलेगा।

■ सैनिकों को डयूटी जाइन करने से कम से कम दो हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा

नेतन्याहू ने मैक्रों पर यहूदी-विरोधी भावना भड़काने का लगाया आरोप

तेल अवीव। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर यहूदी-विरोधी भावना भड़काने का आरोप लगाया है। पॉलिटिको ने एक पत्र का हवाला देते हुए बताया कि इजराइल ने फलस्तीन राज्य को मान्यता देने की पेरिस की पहल के बाद यह आरोप लगाया है।

मंगलवार को पॉलिटिको में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने मैक्रों को लिखे पत्र में कहा कि फलस्तीन के लिए आपका आह्वान इस यहूदी-विरोधी आग में घी डालने जैसा है-यह कूटनीति नहीं, बल्कि तुष्टिकरण है। यह हमास के आतंक को बढ़ावा देता है, बंधकों को रिहा करने से हमास के इनकार को और मज़बूत बनाता है, फ्रांसिसी यहूदियों को धमकाने वालों को बढ़ावा देता है और यहूदी-घृणा को बढ़ावा देता है, जो अब आपके यहां भी दिखने लगी है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एलिसी पैलेस (फ्रांस के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) ने नेतन्याहू को जवाब दिया कि फ्रांस 'यहूदी धर्म के अपने देशवासियों की रक्षा करता है और हमेशा करता रहेगा' और इज़राइली प्रधानमंत्री से 'भ्रम और छल-कपट की नहीं, बल्कि गंभीरता और ज़िम्मेदारी की माँग करता है।' मैक्रों के कार्यालय ने कथित तौर पर कहा कि नेतन्याहू के आरोप गलत, घृणित हैं और इनका जवाब दिया जाएगा।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108